चैत्र मास शुक्ल पक्ष, 22 वर्ष, अंक 277, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | मंगलवार 07 नवंबर 2023 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्षमता से कम बिजली उत्पादन करने वाले राज्य केंद्र से सहयोग की उम्मीद न रखें: आरके सिंह

नई दिल्ली

केंद्रीय विद्युत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने आज कहा कि जो राज्य कम बिजली का उत्पादन करेगा और केंद्र से बिजली की मांग पूरा करने के लिए अपेक्षा रखेगा, उसे ऐसे हालत में सहयोग करना संभव नहीं होगा। इस तरह की उम्मीद ऐसे राज्यों को नहीं रखनी चाहिए। वह सोमवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत मंडपम में आयोजित राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ऊर्जा मंत्रियों के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के एजेंडे में देश की बिजली और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र से योजनाओं और मुद्दों पर विचार विमर्श होगा। इसमें बढ़ती मांग और क्षमता वृद्धि के साथ डिस्कॉम के व्यवहार पर चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि सौर उर्जा लगाने में लोगों को डिस्काम का सहयोग नहीं मिल रहा है, ऐसे में जरूरी है कि लोगों को जागरूक किया जाए। उन्होंने देश में बिजली के उत्पादन और वितरण व्यवस्था पर संतोष जताते हुए कहा कि विभिन्न राज्यों के सचिव और डिस्काम कंपनियों के साथ मिलकर हमने बिजली की व्यवस्था में आमूल परिवर्तन लाए। पूरे देश को एक ग्रिड में जोड़ दिया, किसी भी ग्रिड से हम कनेक्टिविटी 60 दिनों में दे रहे हैं । विश्व में अन्य देशों में ढाई साल लग जाते हैं । राष्ट्रीय स्तर गांवों में 21 घंटे और शहरों में साढ़े 23 घंटे बिजली उपलब्ध है। उन्होंने बिहार और झारखंड में बिजली की आपूर्ति में कमी को दूर करने के सवाल पर कहा कि इन राज्यों से मिलकर समस्याओं पर विचार किया जा रहा है। केरल में बिजली की कमी के सवाल पर केंद्रीय उर्जा मंत्री ने कहा कि कोई भी राज्य पड़ोसी राज्यों से बिजली लेकर वितरित करने और दरें तय करने के लिए स्वतंत्र है। उर्जा मंत्री ने कहा कि उर्जा उत्पादन का 40 प्रतिशत रिन्युअल एनर्जी से पाने का लक्ष्य नौ साल पहले प्राप्त कर लिया है। राज्यों को छूट दी है कि जिसके पास हाइड्रो, सोलर ज्यादा है, उसका उपयोग कर सकता है। कुसुम योजना के तहत सभी राज्यों को केंद्र सरकार सब्सिडी देगी।

दिल्ली: 13 नवंबर से लागू होगा ऑड-ईवन

दिल्ली की हवा सामान्य से 20 गुना ज्यादा प्रदूषित: बढ़ते को लेकर केजरीवाल सरकार का फैसला

नई दिल्ली

दिल्ली एनसीआर में प्रदूषण से लोगों का बुरा हाल है। इसी बीच मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सचिवायल में उच्च स्तरीय बैठक की है। इस बैठक में मंत्री गोपाल राय भी मौजूद रहे। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने जानकारी देते हुए बताया कि दिल्ली ऑड ईवन लागू होगा। 13 से 20 नवंबर के बीच इसे लागू किया जाएगा। ही दिल्ली सचिवालय में हाई लेवल बैठक हुई थी।

दिल्ली सरकार ने बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए ऑड ईवन नियम को लागू करने का फैसला लिया है। दिल्ली सचिवालय में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मौजूदगी में उच्चर स्तरीय बैठक हुई थी। इस बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए हैं। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि अभी जो स्थिति बनी हुई है, उससे पता चलता है कि आने वाले दिनों में हालात ठीक होंगे। क्योंकि अनुमान लगाया जा रहा है कि छह और सात तारीख को हवा की गति थोड़ी बढ़ेगी। जिसकी वजह से ये जो जमाव जम गया है, उसमें परिवर्तन होगा। ज्यादातर टीमों को फिल्ड में उतारा गया है। क्योंकि ज्यादातर प्रतिबंध गाड़ियों पर लगाए गए हैं। हवा में सुधार हुआ है। प्रदूषण कम करने के लिए लगातार काम किया जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ इससे पहले दिल्ली सरकार ने वायु प्रदूषण को देखते हुए 'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' अभियान लागू किया था। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते एक्यूआई के बीच दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने दिल्ली सचिवालय में सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ एक बैठक की थी। बैठक के बाद उन्होंने बताया था कि शहर में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए कई कदम उठाए जा रहे। दिल्ली में 13 प्रदूषण हॉटस्पॉट हैं। उन्होंने कहा कि यहां विशेष टीमों को तैनात किया जा रहा है। प्रदूषण की रोकथाम के लिए सरकार ने ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) के अगले चरण को भी लागू कर दिया है। लेकिन फिर भी दिल्ली में प्रदूषण से राहत नहीं मिल रही है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, दिल्ली भर में वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में बनी हुई है।

दिल्ली में मेडिकल इमरजेंसी: एक्यूआई 500 तक पहुंच गया

नई दिल्ली: दिल्ली के एलएनजेपी अस्पकाल के मेडिकल डायरेक्टर सुरेश कुमार ने बाताय कि बीते कुछ दिनों से दिल्ली में प्रदूषण गंभीर बना हुआ है। एक्यूआई 500 तक पहुंच गया है। यह एक मेडिकल एमरजेंसी है। लोगों को सांस लेने में दिक्कत, गले में दर्द, खांसी और आंखों में जलन हो रही है। हर दिन कम से कम 25 से 30 मरीज आ रहे हैं। ऐसे में हमें मास्क पहनना चाहिए।

कांग्रेस नेता ने भाजपा और आप पर कसा तंज

दिल्ली में दमघोंटू प्रदूषण को लेकर कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि यह पहली बार नहीं है, जब इस तरह की समस्या सामने आई है।

दिल्ली में प्रदूषण: क्या है ऑड-ईवन नियम

ऑड-ईवन नियम पहली बार वर्ष 2016 में प्रदूषण बढ़ने पर लागू किया गया था। इस नियम के तहत सड़कों पर निजी वाहन को वैकल्पिक दिन दिए जाते हैं, जिस दिन वो अपने वाहनों को सड़कों पर दौड़ा सकते हैं और वो दिन उनकी नंबर प्लेट के आखिरी अंक पर निर्भर करता है। इस योजना के तहत अगर आपने गाड़ी के नंबर का आखिरी अंक सम है तो वाहन सम तारीख पर सड़कों पर चलेंगे। इसके साथ ही अंक अगर विषम है तो विषम तारीख को वाहन सड़क पर चलेंगे।

एक हफ्ते रहेगा ऑड-ईवन: दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा कि प्रदूषण कम करने के लिए नियमित तौर पर कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिवाली के बाद दिल्ली प्रदूषण का स्तर बढ़ सकता है, उसको देखते हुए दिवाली के अगले दिन एक हफ्ते का ऑड-ईवेन का फामूर्ला लागू किया जाएगा। यह 13 नवंबर से 20 नवंबर तक लागू रहेगा।

तीन बार लागू हो चुका है ऑड-ईवन: इससे पहले 2019 में 4-15 नवंबर तक ऑड-ईवन लागू हुआ था। उससे पहले भी एक जनवरी से 15 जनवरी 2016 तक दिल्ली में इस फॉमूर्ले का इस्तेमाल हुआ। इसके बाद 15 से 30 अप्रैल के बीच भी दिल्ली में ऑड-ईवन लगाया गया था।

हरियाणा सरकार ने किसानों के लिए कुछ नहीं किया: आप

नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने वायु प्रदूषण के मुद्दे पर पार्टी मुख्यालय में सोमवार को प्रेसवार्ता कर कहा कि अरविंद केजरीवाल इकलौते नेता हैं, जो प्रदूषण के खिलाफ लगातार लघु और दीर्घकालिक कदम उठाते हैं और उसको लागू करवाते हैं। इसी वजह से इस साल दिल्ली में पिछले 8 सालों में सबसे बेहतर हवा थी। आंकड़े बताते हैं कि दिल्ली में इस बार 31 फीसद प्रदूषण कम हुआ है। केंद्र सरकार को भी संसद पटल पर रखे गए अपने आर्थिक सर्वे 2022-23 में स्वीकारना पड़ा है कि दिल्ली में इस बार पिछले 8 सालों में सबसे बेहतर हवा थी। आंकड़े उन्होंने कहा कि सीएक्यूएम के बताते हैं कि पंजाब में पिछले साल के मुकाबले इस साल 50-67 फीसदी पराली कम जली है। पंजाब में वर्तमान में जो पराली जल रही है, वो दिल्ली से करीब 500 किलोमीटर दूर है और हरियाणा में जल रही पराली 100 किलोमीटर दूर है। दिल्ली के सबसे करीब हरियाणा है। इसलिए इसकी समीक्षा करना जरूरी है कि 2014 से हरियाणा की मनोहरलाल सरकार ने प्रदूषण को लेकर हरियाणा में क्या कदम उठाए? प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि अब जाकर हरियाणा सरकार 100 इलेक्ट्रिक बसें खरीदने पर विचार कर रही है, अभी ली नहीं है।

प्रधानमंत्री पीएम मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति से बात की

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को इस्लामिक गणराज्य ईरान के राष्ट्रपति डॉ. सैय्यद इब्राहिम रईसी से टेलीफोन पर बातचीत की। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान जारी यह जानकारी दी। इसमें कहा गया है कि दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया क्षेत्र की कठिन स्थिति और इजराइल-हमास संघर्ष पर विचारों का आदान-प्रदान किया। प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवादी घटनाओं, हिंसा और नागरिक जीवन की हानि पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने इजराइल-फिलिस्तीन मुद्दे पर भारत की दीर्घकालिक और सुसंगत स्थिति को दोहराया। राष्ट्रपति रईसी ने स्थिति का अपना आकलन साझा किया। दोनों नेताओं ने तनाव को रोकने, निरंतर मानवीय सहायता सुनिश्चित करने और शांति एवं स्थिरता की शीघ्र बहाली सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

तीन नए कानूनों के संसद के शीत सत्र में पारित होने के आसार बढ़े

विधेयकों में कई संशोधनों की सिफारिश किए जाने की संभावना

नई दिल्ली

अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे आपराधिक कानून भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को बदलने के लिए लाए गए तीनों नए विधेयकों के संसद के शीत सत्र में पारित होने के आसार बढ़ गए हैं।

भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम संबंधित विधेयकों की जांच कर रही संसदीय समिति सोमवार को बैठक करेगी। इस बैठक में समिति विधेयकों से संबंधित मसौदा रिपोर्ट को स्वीकार कर सकती है। इसके बाद विधेयकों को संसद के शीत सत्र में पारित किया जा सकता है। सूत्रों ने कहा है कि समिति विधेयकों में कई संशोधनों की सिफारिश कर सकती है। समिति हिंदी नामों पर अड़ी रह सकती है। हालांकि, हिंदी नामों का द्रमुक सहित विपक्षी सांसदों ने विरोध किया है। द्रमुक ने प्रस्तावित कानूनों के लिए अंग्रेजी नाम की भी मांग की है।

जल दिवाली' अभियान में पानी की प्रणाली समझेंगी महिलाएं, सात नवंबर से चलेगा अभियान

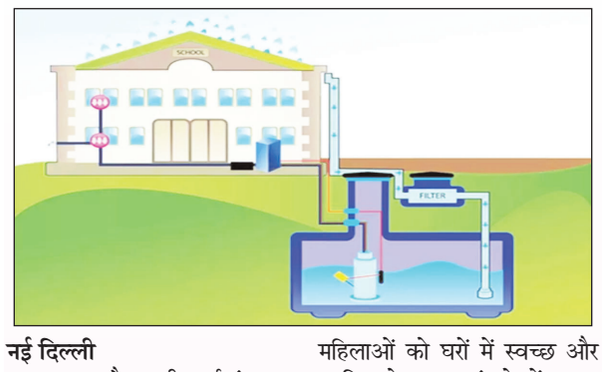

नई दिल्ली

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय मंगलवार यानी सात नवंबर से पूरे देश में जल दिवाली-महिलाओं के लिए पानी और पानी के लिए महिलाएं अभियान चलाएगा। नौ नवंबर तक चलने वाले इस अभियान का उद्देश्य देश में पानी की प्रणाली से महिलाओं को जोड़ना है।

'अमृत के तहत चलाया जाएगा अभियान'

अभियान के तहत 550 से अधिक वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में महिलाओं के 15 हजार स्वयं सहायता समूह के दौरे कराए जाएंगे, ताकि वे पानी के प्रति अपनी समझ बढ़ा सकें। यह अभियान अटल मिशन फॉर रिजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफार्मेशन (अमृत) के तहत चलाया जाएगा।

महिलाओं को मिलेगी जानकारी

वाटर ट्रीटमेंट प्लांटों के दौरों से महिलाओं को घरों में स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल पहुंचाने में प्रयुक्त महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं को स्पष्ट रूप से देखने का अवसर मिलेगा। इसके अलावा महिलाओं को पानी की गुणवत्ता परीक्षण के प्रोटोकाल के बारे में जानकारी उपलब्ध होगी। इस अभियान का व्यापक लक्ष्य जल बुनियादी ढांचे के प्रति महिलाओं में स्वामित्व और अपनेपन की भावना को विकसित करना है।

भारत में तीन हजार से अधिक जल उपचार संयंत्र

भारत में 3,000 से अधिक जल उपचार संयंत्र हैं, जिनकी निर्मित जल उपचार क्षमता 65,000 एमएलडी से अधिक और परिचालन क्षमता 55,000 एमएलडी से अधिक है। घरेलू जल प्रबंधन में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रहती हैं।

राज विस चुनाव : नामांकनपत्र में अशोक गहलोत ने दर्शाई संपत्ति, 10 साल में दस गुना बढ़ी दौलत

जोधपुर

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को विधानसभा चुनाव के लिए जोधपुर के सरदारपुरा सीट से नामांकनपत्र दाखिल कर दिया है। नामांकनपत्र में गहलोत की संपत्ति 10 साल में 10 गुना बढ़ी दिखाई है। गहलोत ने अपने नाम से कोई गाड़ी न होना भी बताया है। गहलोग पर चार आपराधिक मामले दर्ज हैं। अशोक गहलोत ने सोमवार को अपने भरे नामांकन में अपनी कुल संपत्ति 11 करोड़ 68 लाख 98 हजार 798 रुपये बताई है। इसमें उन्होंने खुद को 10 करोड़ 27 लाख रुपये का मालिक बताया है। जबकि शेष संपत्ति उनकी पत्नी सुनीता गहलोत की बताई हैं। इसके अलावा गहलोत ने बताया कि उनके पास केवल 20 हजार नगद रुपये नगद हैं। जबकि उनकी पत्नी के पास केवल 10 हजार रुपये नगद हैं।

गहलोत के नामांकन पत्रों पर पिछले 10 साल के आंकड़ों पर नजर डाली जाए तो गहलोत की संपत्ति 10 गुना बढ़ गई है। इससे पहले वर्ष 2013 में उन्होंने अपनी कुल संपत्ति एक करोड़ 69 लाख रुपये बताई थी, जो इस वर्ष के नामांकन पत्र में 11 करोड़ 68 लाख 98 758 रुपये दर्शाई गई है। यानी वर्ष 2013 से 2023 के बीच 10 साल में उनकी संपत्ति 10 गुना बढ़ गई है। वहीं पिछले पांच साल की बात करें तो वर्ष 2018 में गहलोत ने अपनी संपत्ति 6 करोड़ 53 लाख रुपये बताई थी। गहलोत ने अपने हलफनामे में बताया कि उनके नाम से कोई गाड़ी नहीं है।

सीएम धामी ने नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की गतिविधियां देखी

देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी प्रदेश को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने के लिए निवेशकों को उत्तराखंड लाने पर दृढ़ प्रतिज्ञ हैं। विदेशों के भ्रमण के बाद उन्होंने अब दक्षिणी भारत, मुंबई का रुख किया है।

सोमवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुंबई स्थित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पहुंच कर स्टॉक एक्सचेंज में संचालित गतिविधियों का अवलोकन किया। इस अवसर पर एनएसई की सांकेतिक बेल बजाकर अपनी उपस्थिति दर्ज की। मुख्यमंत्री धामी ने 08 और 09 दिसंबर को देहरादून में होने वाले उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के अधिकारियों को आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि राज्य में निवेश को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा उद्योगों के अनुकूल नीतियां बनाई गई है।

देव दीपावली पर पांच लाख पर्यटकों के आने की उम्मीद

अभेद्य किला होगी काशी, मुख्यमंत्री ने की काशी में देव दीपावली को लेकर सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा , फ्लोटिंग डिवाइडर से गंगा में बनेंगे दो लेन, घाटों की होगी अभूतपूर्व सुरक्षा

लखनऊ

नित्य महोत्सव वाले उत्तर प्रदेश में आगामी दिनों में कई बड़े धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजन होने हैं। अयोध्या के दीपोत्सव के बाद काशी की देव दीपावली में भी लाखों की संख्या में पर्यटकों के आने की उम्मीद है। ऐसे में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देव दीपावली पर वाराणसी कमिश्नरेट पुलिस की सुरक्षा संबंधित तैयारियों की समीक्षा की है। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि इस बार देव दीपावली पर 5 लाख से ज्यादा पर्यटकों के आने का अनुमान है। इसे देखते हुए काशी को अभेद्य किला बनाने की कवायद अभी से शुरू कर दी गई है। काशी के 84 घाटों को 9 जोन, 11 सेक्टर और 32 सब सेक्टर में बांटकर सुरक्षा-व्यवस्था का पूरा खाका तैयार कर लिया गया है।

बनारस की गलियों में तैनात होंगी क्यूआरटी की 20 टीमें

मुख्यमंत्री को वाराणसी के पुलिस कमिश्नर मुथा अशोक जैन और जिलाधिकारी एस राजलिंगम ने बताया है कि काशी में देव-दीपावली के दौरान सात घाटों पर सबसे ज्यादा भीड़ उमड़ने की संभावना है। इनमें अस्सी घाट, दशाश्वमेध घाट, अहिल्याबाई घाट, राजघाट, चेतसिंह घाट, नमो घाट और पंचगंगा घाट शामिल हैं। घाटों की सुरक्षा के लिए पहले से ही पूरा प्लान वाराणसी कमिश्नरेट पुलिस ने तैयार कर रखा है। साथ ही घाटों से लगने वाली संकरी गलियों में भी बड़े स्तर पर फोर्स का डिप्लॉयमेंट किया जाएगा। इसके अलावा अत्यधिक भीड़ वाले घाटों पर क्विक रिस्पॉन्स टीम (क्यूआरटी) की 20 टीमें तैनात रहेंगी। साथ ही 11 विशेष टीमें लाउडहेलर के साथ घाटों पर पेट्रोलिंग के लगाई जाएंगी। इतना ही नहीं काशी के 17 प्रमुख घाटों पर एंटी रोमिया स्क्वॉड की टीमें भी होंगी साथ ही साथ हर घाट पर महिला पुलिसकर्मियों की टीम भी मौजूद रहेगी। इसके अलावा 16 गोताखोरों का दस्ता नदी में डूबने से बचाव के लिए उपलब्ध रहेगा।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए 11 पिंक बूथ

मुख्यमंत्री को बताया गया कि देव दीपावली पर पर्यटकों को घाटों के दिव्य-भव्य नजारे को दिखाने के लिए गंगा में लगभग 1200 नौकाएं संचालित होंगी। इसे लेकर नाविकों के साथ पहले ही बैठक पूरी कर ली गई है और उन्हें आवश्यक दिशानिर्देश भी दे दिये गये हैं। इसके अलावा भीड़ प्रबंधन के लिए शहर के पांच स्थानों पर मजबूत बैरिकेडिंग की जाएगी।

महाविद्यालय में मिशन शक्ति अभियान के फेज 4 के तहत कार्यक्रम का आयोजन

अखंड भारत संदेश

नैनी। नैनी हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नैनी, प्रयागराज में मिशन शक्ति अभियान के फेज 4 के तहत प्राचार्य प्रो ओम प्रकाश के संरक्षण एवं प्रो मंजुलता के समन्वयन में अर्थशास्त्र विभाग एवं अंग्रेजी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से लैंगिक समानता विषय पर एक कार्यक्रम का आयोजन स्मार्ट रूम1 किया गया। कार्यक्रम में दर्शनशास्त्र विभाग के डा, अमित कुमार मिश्र मुख्य वक्ता रहे। डा अमित मिश्रा द्वारा युक्तियुक्त संरक्षणात्मक भेदभाव, शासकीय मशीनरी की निष्पक्षता एवं उत्तर दायित्वपूर्ण व्यवहार तथा समाज की पितृ सत्तात्मक सोच में परिवर्तन से लैंगिक समानता कि स्थापना को संभव बताया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भागीदारी। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रफेसर ओमप्रकाश ने की। कार्यक्रम की कोऑर्डिनेटर प्रोफेसर मंजू लता ने भी अपने विचार व्यक्त किए तथा इस अवसर पर डॉ केसरी नंदन, डा सुरेंद्र यादव डा, भास्कर शुक्ल, डॉ राम कुमार ,डॉक्टर इफि.तखार, डा अर्चना सिंह एवं डा रफत एनीस की गरिमायुक्त उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन डा नूर फातिमा द्वारा एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर मंजरी मिश्रा द्वारा दिया गया।

मंगलवार को आयोजित होगी अंतर महाविद्यालयीय प्रतियोगिता

नैनी। नैनी मंगलवार को अपराहन 1:00 बजे हेमती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नैनी –प्रयागराज (संबंध प्रोफेसर राजेंद्र सिंह रज्जू भैया विश्वविद्यालय प्रयागराज) द्वारा अंतर महाविद्यालय मुक्केबाजी महिला एवं पुरुष प्रतियोगिता आयोजित किया जाएगा।इस प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर ओम प्रकाश रहेंगे। उक्त प्रतियोगिता मदन मोहन मालवीय स्टेडियम प्रयागराज में आयोजित की जाएगी।

चक मार्ग पर अवैध कब्जा, निर्माण में बाधा, पांच पर मुकदमा दर्ज

जारी। विकास खंड कौंधियारा के ग्राम पंचायत आंबा के चक मार्ग संख्या 646 पर गांव के ही पांच लोगों ने कब्जा कर रखा है। लेखपाल ने पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। ग्राम प्रधान चक मार्ग का निर्माण ग्राम पंचायत से करा रहा है । मुकदमा दर्ज होने के बाद भी उक्त लोग चक मार्ग का निर्माण नहीं करने दे रहे हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले को शांत करने का प्रयास कर रही है। ग्राम पंचायत आंबा के चक मार्ग संख्या 646 का निर्माण ग्राम पंचायत से प्रधान कृष्णानंद ओझा की देखरेख में कराया जा रहा है। उक्त मार्ग पर गांव के ही विजय शंकर शुक्ल, अभिमन्यु प्रसाद ,कृष्ण कुमार, घनश्याम एवं बलराम ने अवैध रूप से कब्जा कर रखा था। हल्का लेखपाल कैलाश मिश्रा ने पैमाइश करते हुए अतिक्रमण न हटने पर सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया। रविवार को चक मार्ग का निर्माण कार्य चल रहा था। उसी समय अवैध कब्जाधारी अपने स्वजनों के साथ कार्य में लगे मजदूरों एवं ग्राम प्रधान के साथ विवाद करने लगे। विवाद की सूचना पर इंचार्ज थानाध्यक्ष शैलेंद्र कुमार यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच कर मामले को शांत कराया।

संयुक्त किसान मोर्चा ने गल्ला मंडी जारी में दिया धरना

अखंड भारत संदेश

जारी। संयुक्त किसान मोर्चा के राष्ट्रीय आह्वान पर जारी मंडी पर धरने के माध्यम से मंडी सहायक सेवा लाल के द्वारा उपजिलाधिकारी बारा को सम्बोधित तेरह सूत्रीय मांगों को सौपा। इसमें न्यूजक्लिक समाचार चैनल के जर्नलिस्टों पर किसान आंदोलन को विदेशी फंडिंग से चलाने का आरोप लगाकर बदनाम करने की नीयत से किये एफआईआर को वापस लेने, यूएपीए कानून रद्द करने एवं आन्दोलन में किये वादे को लागू करने, सभी फसलों को उ2+50 दाम की गारन्टी करने, बटाईदारी लगान पर खेती के लिए किसानों का रजिस्ट्रेशन कर धान का समर्थन मूल्य देने, किसानों की सुविधा अनुसार क्रय केन्द्र स्थापित कर पारदर्शी तरीके से छोटे एवं मझोले किसानों की कम मात्रा की भी खरीद की व्यवस्था करने, छुट्टा पशुओं से खेती की रक्षा करने, बिजली सहित किसानों की पूर्ण कर्जमुक्ति करने की मांगें उठाई गईं। धरने में एआईकेएमएस जिला महासचिव राज कुमार पथिक अवधराज सिंह जमुना पार प्रभारी बीकेयू टिकैट, पूर्व प्रधान लालाराम कुशवाहा, राजेश पहाड़ी, श्याम बहादुर सिंह पटेल, राम आसरे , शिवदयाल पटेल, जिला अध्यक्ष राम कैलाश कुशवाहा ने सभा का संचालन किया।

रिटायर्ड पोस्टमैन को गोली मारकर जख्मी करने वाला शातिर गिरफ्तार

एक अन्य की तलाश जारी

अखंड भारत संदेश

मऊआइमा। रिटायर्ड पोस्टमैन को रविवार को देर शाम गोली मार कर जख्मी कर दिया गया। जख़्मी के भाई ने दो शातिरों को नामजद करते हुए दो अज्ञातों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। पुलिस ने एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार कर ली है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम महरौंडा निवासी मंजूर अहमद रिटायर्ड डाकिया हैं।वह घर के कमरे में दवा का कारोबार करते हैं।बताया गया है कि रविवार को शाम के समय दो बाइकों से मुंह में गमछा बांधे चार बदमाश आए तथा मंजूर अहमद से उनके छोटे भाई मसूद अहमद का मोबाइल नंबर पूछने लगे।जैसे ही मंजूर अहमद मोबाइल से नम्बर निकालने लगे बदमाशों ने मंजूर अहमद को पेट में गोली मारकर भाग गए।बताया गया है कि मंजूर अहमद के छोटे भाई मसूद अहमद से कुछ दिन पूर्व कतिपय लोगों से कहासुनी हुई थी। मसूद अहमद का आरोप है कि उक्त लोगों ने षडयंत्र रच कर गोली मरवाई है। फिलहाल मसूद अहमद ने मऊआइमा थाने में शोएब अहमद उर्फ कौसेन पुत्र इजहार अहमद निवासी महरौंडा, संजय यादव पुत्र स्वर्गीय दयाराम यादव खरगापुर सोरांव तथा दो अज्ञातों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। पुलिस ने देर रात शातिर बदमाश शोएब अहमद उर्फ कौशेन को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार कौशेन पर दिल्ली, मुंबई, लखनऊ, सिविल लाइंस, मऊआइमा आदि स्थानों पर आधा दर्जन फ्राड, गुंडागर्दी का मुकदमा दर्ज है। मऊआइमा पुलिस का कहना है कि प्रकरण की जांच की जा रही है। जांच के बाद ही कार्यवाही की जाएगी।

बूथ को सशक्त बनाने के लिए अधिक से अधिक मतदाताओं को जोड़ें

सहसों। भाजपा गंगापार की जिला अध्यक्षा कविता पटेल का आगामी लोकसभा चुनाव देखते हुए क्षेत्र में बूथ सशक्तिकरण के लिए कार्यकताओं से अधिक से अधिक मतदाताओं को जोड़ने की मुहिम के साथ उनका क्षेत्र में तूफानी दौरा चल रहा है। जिला अध्यक्षा कविता पटेल ने रविवार को सायंकाल सहसों बूथ अध्यक्ष एवं कर्मठ कार्यकर्ता जयेश केसरवानी के आवास पर पहुंचकर उपस्थिति कार्यकताओं से मिलकर हाल-चाल जानते हुए सरकार की नीतियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को बताते हुए संगठन को मजबूत करने के लिए बूथ सशक्तिकरण अभियान में अधिक से अधिक मतदाताओं को जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस मुहिम में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए अधिकाधिक पात्र महिला मतदाताओं को जोड़ने की अपील की। इस अवसर पर महापौर गणेश केसरवानी ने उपस्थित लोगों का अभिवादन स्वीकार करते हुए अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर बूथ अध्यक्ष जयेश केसरवानी के नवीन प्रतिष्ठान का फीता काटकर शुभारंभ किया तथा महापौर एवं जिला अध्यक्षा ने जयेश केसरवानी को कर्मठता व कार्यकुशलता पर शुभकामना देते हुए अपना आशीर्वाद दिया। प्रमुख रूप से भूमि विकास बैंक अध्यक्ष फूलपुर वीरेन्द्र बहादुर सिंह, जिला उपाध्यक्ष भाजपा गंगापार अनिरुद्ध सिंह पटेल, जिला कोषाध्यक्ष गंगापार आशीष केशरवानी, प्रमुख फूलपुर विपेन्द्र सिंह पटेल, रवि केसरवानी, नवीन सिंह पटेल, विमलेश पटेल, सोहनलाल केसरवानी आदि रहे।

शंकरगढ़ थाना परिसर में हुई बैठक, त्योहारों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश

अखंड भारत संदेश

पटाखा की दुकान लगाएं तो सुरक्षा के इंतजाम भी रखें:एसओ मनोज सिंह

शंकरगढ़। आगामी धनतेरस, दीपावली, भाईदूज और छठ महापर्व पर सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखने के उद्देश्य से सोमवार को शंकरगढ़ थाना परिसर में बैठक हुई। एसओ मनोज कुमार सिंह ने कहा,त्योहार कोई भी हो, सभी का उद्देश्य जीवन को खुशियों से भरना होता है। इसलिए सभी लोग सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें। कोई भी ऐसा कार्य न करें, जिससे खुशियों को ग्रहण लगे। पटाखा व्यापारियों से कहा, पटाखे के अस्थाई लाइसेंस के लिऐ प्रारूप दिया गया, जिसे भरकर ही दुकान लगाएं। कस्बे में अवैध भंडारण नहीं किया जाएगा। पटाखा की दुकान लगाने के लिए स्थान चिह्नित कर लिया गया है, दुकानें वहीं पर लगाई जाएंगी। दुकानों के पास ड्रम, पानी, बालू, बाल्टी इत्यादि का इंतजाम जरूर रखें। इसके अलावा पटाखा चलाते समय भी सावधानी बरतें। बैठक में एसओ मनोज कुमार सिंह के साथ उपनिरीक्षक शिव कुमार यादव, उपनिरीक्षक प्रवेश यादव,उपनिरीक्षक कृष्णकांत पांडेय, रामस्वरूप, उपनिरीक्षक विवेक कुमार राय, संतोष तिवारी, ईओ नवनीत कुमार,अवर अभियंता रवि प्रकाश, प्रधान पुष्पराज सिंह, ज्ञानेंद्र मिश्र, परमेश्वर सिंह, राजेंद्र सिंह, शारदा तिवारी, सुभाष कुमार, महामंत्री रतन केसरवानी, राजेश केसरवानी, अरविंद केसरवानी, अनोद त्रिपाठी,आबिद अली, चंदन साहू, मो शफीक, सुजीत केसरवानी, उमा वर्मा,ज्योति कनौजिया, शालिनी श्रीवास्तव,मनीष केसरवानी, दीपू मिश्रा, टमाटर गुरु आदि लोग मौजूद रहे।

न्यूज झरोखा

अभिवावक -शिक्षक संगोष्ठी एवं स्वास्थ्य शिविर हुवा आयोजन

सिरसा। मेजा क्षेत्र के विकास खण्ड उरुवा रामनगर में अंग्रेजी माध्यम से मान्यता प्राप्त ज्ञानदीप इण्टरनेशनल स्कूल, मवैया रोड, रामनगर अभिभावक शिक्षक संगोष्ठी एवं फ्री मेडिकल हेल्थ चेकअप कैम्प का आयोजन किया गया।फ्री मेडिकल हेल्थ चेकअप कैम्प में माँ पीताम्बरा लाइफ लाइन हॉस्पिटल के डॉक्टर धीरज कुमार, माँ पीताम्बरा डेन्टल क्लीनिक डेन्टल सर्जन डॉ० नीरज कुमार एवं मंगलम आई केयर के डॉ० आशीष कुमार एवं टीम ने इस संगोष्ठी में आये समस्त स्कूल के बच्चे एवं उनके अभिभावकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। डॉ० आशीष ने आई ड्राप, डॉ० नीरज कुमार ने इमोफार्म टूथपेस्ट एवं ब्रश तथा डॉ० धीरज ने आये हुए समस्त बच्चों एवं अभिभावकों को आवश्यक दवाएं भी दिया। स्कूल के डायरेक्टर श्रीमती दुर्गा देवी जी ने कहा कि ज्ञानदीप इण्टरनेशनल स्कूल में शिक्षा एवं स्वास्थ्य दोनों का ध्यान दिया जाता है। क्योकि स्वस्थ्य शरीर मे ही स्वस्थ्य मस्तिष्क का विकास होता है। अतः यह आवश्यक है,कि बच्चों का शारीरिक एवं मानसिक दोनो का समुचित विकास होने के लिए समय समय पर ऐसा होता रहेगा।स्कूल के समस्त बच्चों को अर्द्धवार्षिक परीक्षा का परीणाम दिखाया गया। स्कूल के प्रधानाचार्य शेषनाथ तिवारी ने अर्द्धवार्षिक परीक्षा में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले बच्चों को सम्मानित किया। इस अवसर पर श्री एस के द्विवेदी,आर० के० शर्मा० अजीत सिंह, कामीनी, नीलम, अतीर्का सहित सभी स्कूल के समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।

हवन एवं भंडारे के साथ श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ संपन्न

नैनी। नैनी एडीए कॉलोनी स्थित लक्ष्मी नारायण पार्क में चल रहे श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का समापन सोमवार को हवन एवं भंडारे के साथ हो गया। प्रातः कालीन सत्र में कथा व्यास पूज्य कृष्ण देव जी महाराज के सानिध्य में विद्वान आचार्य पं. प्रदीप पांडेय ने कथा श्रोताओं को हवन करवाया। पूज्य कृष्ण देव जी महाराज ने पूणार्हुति दी चंद्रिका प्रसाद पांडेय, श्रीमती हीराचंद्र पांडेय एवं मीडिया प्रभारी आर के शुक्ला ने यज्ञ नारायण भगवान की आरती की। सायंकालीन सत्र में कथा स्थल पर विशाल भंडारे का आयोजन हुआ जिसमें कथा प्रेमियों एवं क्षेत्रीय नागरिकों ने प्रसाद ग्रहण किया। इससे पूर्व रविवार को विधायक करछना पीयूष रंजन निषाद, प्रदीप महरा, शिव शंकर दीक्षित, ने श्रीमद्भागवतकथा का श्रवण किया। आयोजक मंडल ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। आयोजक मंडल की ओर से प्रमोद कुमार तिवारी एवं सुरेश चंद्र मिश्रा ने श्रोताओं, कार्यकताओं, सहयोगियों, विद्युत विभाग, नगर निगम, पुलिस प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित किया। मीडिया प्रभारी आर के शुक्ला ने यमुना पार के प्रतिष्ठित पत्रकार बन्धुओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनकी लेखनी के माध्यम से ही यह श्रीमद् भागवत कथा जन-जन तक पहुंची। कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से प्रमोद कुमार तिवारी, सुरेश चंद्र मिश्रा, आर के शुक्ला, अभिषेक पांडेय भगवान प्रसाद दुबे, टी एन पांडेय, मालती तिवारी, सरोज मिश्रा, शारदा पांडेय, लीला पांडेय, पिंकी शुक्ला, अंतिमा सिंह, संगीता केसरवानी आदि ने सहयोग किया।

पुत्री को मारा पीटा, घर में घुस कर तोड़ा बाथरूम मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। घर में घुस कर पुत्री को मारे पीटे और बाथरूम तोड कर जान से मारने की धमकी दी गई।चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम दुगार्गंज ऊंचडीह निवासी मुटुरू पुत्र स्वर्गीय इब्राहिम का आरोप है कि वह अपनी पत्नी को लेकर होलागढ़ मिट्टी में गया था। आरोप है कि उसकी बेटी हसीना बानो घर पर थी। आरोप है कि पडोसी एक राय होकर उसकी पुत्री हसीना को मारे पीटे और घर में घुस कर बाथरूम तोड दिए। जान से मारने की धमकी दिए। मुटुरू ने मऊआइमा थाने में उमर अली, मोबीन,शमसुनिशां,आलम के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

भरत राम मिले, भरत ने राम को सौंपी राजगद्दी

अखंड भारत संदेश

नैनी। नैनी जन सेवा समिति रामलीला में भरत राम मिलन एवं राम राज्याभिषेक की लीला का अत्यंत भावपूर्ण मंचन श्री हनुमत रामलीला मंडल, प्रयागराज के कलाकारों द्वारा किया गया। राम की वनवास अवधि में सिर्फ एक दिन शेष बचा है। राम नहीं लौटे हैं। भरत चिंतित हैं। वह निश्चय करते हैं कि यदि राम वनवास अवधि पूर्ण होने पर अयोध्या नहीं लौटते हैं तो वह अपने प्राण दे देंगे। तभी हनुमान आकर भरत को राम के शीघ्र आने की सूचना देते हैं। भरत प्रसन्न होकर हनुमान को अपने गले लगा लेते हैं और कहते हैं कि तुम्हारा ऋण मैं कभी नहीं चुका पाऊंगा। राम, भैया लक्ष्मण, माता सीता और अपने मित्रों संग अयोध्या पहुंचते हैं। भरत राम के चरणों में गिर पड़ते हैं। राम भरत को उठाकर गले लगा लेते हैं। भरत गुरु वशिष्ठ से अनुमति लेकर तत्काल राम राज्याभिषेक की तैयारी पूर्ण कर लेते हैं। सर्वप्रथम गुरु वशिष्ठ राम का राजतिलक करते हैं फिर सभी विप्रवर तिलक करते हैं। राम का राज्याभिषेक होते ही चारों ओर राजा रामचंद्र की जय के जयकारे गुंजने लगते हैं। तत्पश्चात रामलीला समिति के संरक्षक पवन यादव, अध्यक्ष रवि सिंह, महामंत्री विनय सिंह, उपाध्यक्ष आरएलडी दुबे एवं हरिशंकर सिंह, मीडिया प्रभारी आरके शुक्ला ने भगवान राम का तिलक किया। तत्पश्चात रामलीला समिति के सभी पदाधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों ने कृमशः भगवान राम का तिलक किया। राजतिलक के उपरांत भगवान राम, माता सीता सहित राज सिंहासन पर विराजते हैं। भरत, लक्ष्मण, शत्रुघ्न एवं हनुमान जी राम दरबार की शोभा बढ़ा रहे हैं` रामराज्याभिषेक की खुशी में कलाकारों द्वारा अत्यंत सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से अनिल चौधरी, राम जी मिश्रा, दया शंकर तिवारी, शिवदानी सिंह, संतोष सिंह, पंकज सिंह, हरि बाबू सिंह, अनुग्रह जायसवाल, विशाल श्रीवास्तव, प्रभात सिंह, सत्येंद्र सोनकर, उदय सिंह, दीपेंद्र सिंह, नीरज मिश्रा, शशि सिंह, नीलू केसरवानी, बजरंगी लाल, बलराम माली, पिंटू नैपाली आदि ने सहयोग किया।

जलालपुरः झुक जइयो तनिक रघुवीर सिया मेरी छोटी है...

जंघई। श्री सत्य साईं रामलीला समिति जलालपुर की रामलीला मुकुट पूजन, नारद मोह, भगवान जन्म से शनिवार को प्रारंभ हुई। रविवार को रामलीला में सीता स्वयंवर, बाणासुर रावण संवाद, परशुराम लक्ष्मण संवाद का शानदार मंचन किया।रामलीला देखने के लिए दर्शकों की बड़ी संख्या पहुंची सीता स्वयंवर के मंचन के बाद राम विवाह पर उल्लास छा गया।मंचन के दौरान भगवान राम स्वयंवर में जैसे ही प्रवेश करते हैं, सब उनके मनमोहक रूप को देखकर मोहित हो उठते हैं। श्रीराम को विश्वामित्र मुनिवर आज्ञा देते हैं कि आप शिव भगवान के महा धनुष की प्रत्यंचा चढ़ाओ, ताकि क्षत्रिय वंश का नाम कलंकित न हो तब श्रीराम ने गुरु की आज्ञा से धनुष की प्रत्यंचा चढ़ा दिया और धनुष टूट गया।महाराजा जनक की शर्त अनुसार सीता ने राम के गले में वरमाला डाल दी। सभी देवी देवताओं ने पुष्प वर्षा कर दोनों को आशीर्वाद दिया और सीता स्वयंवर पर जनकपुर में उल्लास छाया गया।इस अवसर रमेश चंद्र पांडेय प्रधान जलालपुर, दीपक, शुभम, राजन, विशाल, नितिन, विनोद, वकील, सचिन तिवारी, राजेंद्र प्रसाद सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

चकिया में आधुनिक कलाकृतियों से मंचित किया जा रहा है लीला

सहसों। आदर्श रामलीला कमेटी चकिया घरहरा द्वारा चल रहे श्री रामलीला मंचन में धनुष यज्ञ के पश्चात सीता स्वयंवर की लीला का मंचन आधुनिक कलाकृतियों से स्थानीय कलाकारों द्वारा किया गया। जिसे देखकर उपस्थित दर्शकों ने गदगद होकर भगवान जय श्री राम के नारे लगाए। रामलीला मंचन में परशुराम लक्ष्मण संवाद के बाद प्रभु श्री राम द्वारा परशुराम से बात करने तथा लक्ष्मण जी को समझने का मंचन बहुत ही भावपूर्ण रहा। धनुष का भंजन होते ही सीता स्वयंवर के दृश्य में माता सीता ने भगवान श्री राम के गले में वरमाला पहनाई। गले में वरमाला पड़ते ही उपस्थित दर्शकों ने पुष्प वर्षा करते हुए प्रभु की जय जयकार की तत्पश्चात उपस्थित महिलाओं ने मंगल गीत गए। इस अवसर पर क्षेत्र की भारी संख्या में भक्ति नर नारी उपस्थित रहे।

रामलीला में भाजपा नेता एल एस ओझा बतौर मुख्य अतिथि हुए सामिल

मेजा। क्षेत्र के खानपुर गांव में चल रहे रामलीला में भाजपा नेता एल एस ओझा बतौर मुख्य अतिथि सम्मिलित हुए, जहां उनका रामलीला कमेटी ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस दौरान श्री ओझा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में राम उन मूल्यों के प्रतिमान है जिन आदर्षो ने भारत के लोकमानस की आचरण व मानसिकता को रचा बसा है। वे मयार्दा पुरूषोत्तम राम कहे जाते है। अर्थात मनुष्य के गुणो की मयार्दा का अपने कृतित्व में अनुपालन करने वाले सर्वश्रेष्ट व्यक्तित्व है। राम के चरित्र मे - पुत्र, भाई, पिता, पति, शिष्य, अयोध्या नरेश आदि की भूमिकाओं में उन्होने सर्वश्रेष्ठ पदीय आदर्षो का पालन किया है। राम और सीता का प्रेम अद्वितीय है यही समर्पण से भरपूर प्रेम हमारी संस्कृति का एक ऐसा मूल है जो आज भी पति और पत्नी को एकात्म रखता है। राम के जीवन दर्शन की सबसे बड़ी विशेषता उनका लोकोन्मुख होना है। राम के सम्पूर्ण जीवन दर्षन यात्रा का उद्देष्य लोक मंगल के लिए एक आदर्श प्रतिमान स्थापित करना है। आगे उन्होंने कहा कि राम के जीवन की कथा में भारत की भौगोलिक एकता ध्वनित होती है। देष के सभी प्रमुख भाषाओं में राम के जीवन्त को रचा-बसा गया जिनके प्रचार-प्रसार के कारण भारतीय संस्कृति की एकरूपता बढ़ी है। राम के जीवन की यह कथा कितनी प्रेरक रहेगी समुचा देस एक ही आदर्श की ओर उन्मुख रहा और भारत सहित तिब्बत, वर्मा ,कश्मीर आदि क्षेत्रों मे प्रचलित रामकाव्यों को यदि समाहित कर दे तो यह स्पष्ट होता है कि राम कथा ऐशियाई संस्कृति का महत्वपूर्व अंग है। उक्त अवसर पर मां दुर्गा रामलीला युवा कमेटी खानपुर के अध्यक्ष कमल कुशवाहा, सुरेंद्र यादव, ब्रजेश यादव, योगेश गुप्ता, सहित सभी पदाधिकारियों का आभार।

बाबा साहब आंबेडकर रोजगार के आवेदको का साक्षात्कार आज

मांडा। बाबा साहब आंबेडकर प्रोत्साहन योजना के संचालन के सम्बन्ध में निर्देश है कि ग्रामीण क्षेत्र के किसी भी जाति, धर्म व वर्ग के उद्यमशील व्यक्ति जो अपना व्यवसाय प्रारम्भ करने के लिए आवेदन किया था।रोजगार प्रोत्साहन योजना के अन्तर्गत नये प्रोजेक्ट के चयन एवं निर्माण क्रियान्वयन, अनुभवण तथा मूल्यांकन इत्यादि के लिए जिलास्तरीय चयन एवं क्रियान्वयन समिति का गठन किया गया है। उक्त योजनान्तर्गत आवेदकों के चयन के सम्बन्ध मे साक्षात्कार हेतु 7 नवम्बर को प्रातः 11 बजे विकास भवन के सभागार में निर्धारित किया गया है। इसकी जानकारी एडीओ (आईएसबी) जैनेन्द्र कुमार राय ने आवेदको से साक्षात्कार में पहुंचने की अपील की है।

अधिकारियों का फरमान सचिव को रहा बेअसर

- बीडीओ ने विलुप्त होने वाला रानी का तालाब में शीघ्र काम शुरू करने का निर्देश, बेअसर
- रानी का तालाब को अमृत सरोवर बनाने के लिए सचिव को दिया निर्देश, बेअसर
- उधर भारतगंज बाजार में भी सोमवार बन्दी का रहा बेअसर

अखंड भारत संदेश

मांडा। पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह के बाद देखरेख के अभाव में मांडा राजमहल से संबंधित रानी के तालाब पर अवैध कब्जों की लोगों में ऐसी होड़ लगी कि 17 बीघे का तालाब इस समय मौके पर मात्र 6 बीघे से भी कम पाया गया था। जहां तालाब के तीनों तरफ तमाम मकान, शौचालय व गोदाम बन चुके हैं, कुछ निमार्णाधीन भी हैं। वहीं मांडा ब्लॉक मुख्यालय के चन्द्र दूरी पर रानी के तालाब का बीडीओ मांडा अमित मिश्रा ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया था और सचिव मांडा ब्रजेंद् कुमार शुक्ला से उक्त विलुप्त होने वाला रानी का तालाब को बचाने के सख्त निर्देश दिया था कि अमृत सरोवर योजना के अन्तर्गत अतिशीघ्र काम शुरू करने की बात कहा था। लेकिन सचिव मांडा की उदासीनता एवं कार्य में रुचि न लेने से फरमान बेअसर दिख रहा है। अधिकारियो के फरमानों का बेअसर की चर्चा मांडा क्षेत्र में फैली हुई है। अब तालाब के नाम पर अस्तित्व ही रह गया। उधर नगर पंचायत भारतगंज में इस समय व्यापारियों में दुकान खोलने को लेकर होड़ लगी हुई है। जिसमे सोमवार साप्ताहिक बंदी बेअसर साबित हो रही है उधर नगर पंचायत भारतगंज की ईओ बंटी कुमारी ने सोमवार को खोलने वाले दुकानदारों के खिलाफ नोटिस भी जारी किया था तथा कार्यवाही करने की बात कही थी।लेकिन उसका असर एक दम बेअसर साबित होता दिख रहा है।

राम वनगमन, केवट संवाद, दशरथ मरण की लीला का भावपूर्ण मंचन

जंघई। संस्थापक स्व.गजराज सिंह द्वारा स्थापित श्री शिव निवास रामलीला समिति कालू महादेव मंदिर रस्तीपुर प्रांगण मे चल रही रामलीला में श्रीराम का लक्ष्मण एवं माता जानकी सहित वन में जाना और दशरथ मरण की लीला का भावपूर्ण मंचन किया गया।इसके अलावा केवट-राम संवाद पर दर्शकों ने खूब तालियां बजाईं।रामलीला में भगवान श्रीराम, लक्ष्मण एवं माता जानकी वन को गए, राजा दशरथ ने मंत्री सुमंत को उनके भेजा तथा कहा कि वे श्रीराम राम को वनों में घूमाकर वापस ले आए। मंत्री सुमंत उनसे वापस लौटने का अनुराग किया, लेकिन श्रीराम सुमंत को जंगल में सोती अवस्था में छोड़ जंगलों में चले गए। निषादराज के साथ श्रीराम गंगा तट पर पहुंचे, वहां केवट ने अपने परिजनों के साथ उनका स्वागत किया तथा गंगा से पार पहुंचाने से पूर्व उनके चरण पखारकर तथा परिजनों को वह चरणामृत पिलाकर उन्हें गंगा पार उतारा। भगवान श्रीराम ने नाव उतराई का किराये के रूप में मुद्रिका देनी चाही, तो केवट ने कहा कि प्रभु हम दोनों को कार्य एक ही है मैं गंगा सजे पार कराता है और आप भवसागर से पार कराते है, इसलिए मुझे अपना आशीर्वाद दें।उधर, श्रीराम के वन गमन के पश्चात राजा दशरथ विलाप करते हुए प्रभु के धाम को चले जाते है।इस अवसर पर श्री शिव निवास रामलीला समिति के अध्यक्ष राजकुमार सिंह, उपाध्यक्ष सर्वजीत सिंह अन्नू, कोषाध्यक्ष जितेंद्र प्रताप सिंह, आडिटर सेहत बहादुर सिंह, डायरेक्टर सबल सिंह, संचालक राजेंद्र प्रसाद? तिवारी, फूलचंद उपाध्याय, रामबहादुर सिंह, रणविजय सिंह, सच्चन सिंह, गौरव सिंह, नन्हे मिश्रा, अनुज सिंह सम्राट, रवि सिंह, रिशु हलचल, आकाश सिंह, कुणाल चतुवेर्दी, जनराज सिंह, अमर बहादुर यादव, युवराज सिंह, शक्ति सिंह, आलोक सिंह, रतन सिंह, अमित सिंह सहित तमाम पात्र एवं पदाधिकारी तथा ग्रामवासी मौजूद रहे।

अतीक की 12.42 करोड़ की संपत्ति कुर्क

राजमिस्त्री को धमकी देकर लिखवाई थी 25 बीघे जमीन, कुर्की से पहले की गई मुनादी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद की एक और बेनामी संपत्ति सोमवार को कुर्क कर दी गई। ये प्रॉपर्टी गौसपुर कटहुला में है। अतीक ने यहां जबरन 25 बीघे जमीन अपने नाम लिखाई थी। इस संपत्ति की कीमत 12.42 करोड़ रुपए है।कुर्की की कार्रवाई शुरू करने से पहले प्रशासन की तरफ से उक्त जमीन पर बोर्ड लगाया गया। उसके बाद मुनादी कराकर लोगों की जमीन की कुर्की के बारे में जानकारी दी गई। मौके पर किसी तरह की हंगामा न हो। इसको देखते हुए भारी सुरक्षा बल तैनात किए गए थे। एहतियातन कई थानों की फोर्स भी पहुंच गई थी।राज मिस्त्री खुद जमीन के कागजात लेकर पहुंच गया था कमिश्नर दफ्तर दरअसल राज मिस्त्री हूबलाल के नाम पर गौसपुर कटहुला में 25 बीघा जमीन थी। अतीक अहमद ने 2015 में डरा धमकाकर जबरन जमीन खरीद ली थी। अतीक और अशरफ की हत्या के बाद हूबलाल ने हिम्मत दिखाई। वह शनिवार को खुद पुलिस कमिश्नर के यहां पहुंच गया। उसने अपनी आप बीती बयान की।

प्रभारी निरीक्षक कैंट की ओर से भेजी गई रिपोर्ट में बताया गया था कि माफिया ने अपराध से अर्जित धन से इस संपत्ति को हूबलाल के नाम खरीदा था। जिसके बाद इस संपत्ति को गैंगस्टर एक्ट तहत कुर्क करने का आदेश दिया गया था। डीसीपी नगर दीपक भूकर ने बताया कि संपत्ति को कुर्क करने की अनुमति ले ली गई थी। रविवार को कुर्की की कार्रवाई नहीं हो सकी थी। इसलिए सोमवार को कुर्की की कार्रवाई की गई।

अब 1800 करोड़ की संपति कुर्क : ।S-227 गैंग के लीडर अतीक अहमद के विरुद्ध धूमनगंज थाने में गैंगस्टर एक्ट का मुकदमा दर्ज है। इस अभियोग की विवेचना के दौरान पुलिस प्रशासन ने अतीक अहमद को अबतक 1800 करोड़ की संपत्तियां जब्त की हैं। गैंगस्टर एक्ट के तहत गैंग लीडर अतीक अहमद द्वारा अपराध जगत से कमाई गई इन अवैध संपत्तियों पर प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने बुलडोजर कार्रवाई की है। लूकरगंज में अवैध कब्जे की जमीन छुड़वाकर उस पर योगी सरकार गरीबों के लिए 76 फ्लैट बनाकर चाबी दे चुकी है।

14 गरीब परिवारों की 12.4 करोड़ की जमीनों पर कर लिया था कब्जा : पुलिस की जांच में पता चला है कि गैंग लीडर अतीक अहमद ने अपना धन लगाकर 14 अगस्त 2015 को 14 गरीबों की कटहुला गौसपुर में स्थित अलग-अलग अराजियों जिसका कुल क्षेत्रफल 23447 वर्ग मीटर है को एक गरीब व्यक्ति के नाम पर जबरन खरीद लिया गया था। गरीबों को गन प्वाइंट पर रखकर यह खरीद डरा-धमकाकर की गई थी। इन जमीनों का पुलिस ने राजस्व विभाग द्वारा चिन्हीकरण कर लिया है। सर्किल रेट के हिसाब से इन जमीनों की कुल कीमत 12,42,69,100 रुपये है। पुलिस उपायुक्त नगर दीपक भूकर ने बताया कि पुलिस आयुक्त को जब्तीकरण की कार्यवाही करने की रिपोर्ट भेजी जा चुकी है। गैंग लीडर अतीक अहमद की अन्य बेनामी और नामी संपत्तियों की भी जांच कराई जा रही है। संज्ञान में आते ही अवैध रूप से अर्जित अन्य संपत्तियों पर भी गैंगस्टर एक्ट की धारा 14(1) के तहत कार्रवाई की गई है।

अतीक ने दलितों को जमीन के लिए बना लिया था मोहरा : माफिया अतीक अहमद ने अपने आर्थिक साम्राज्य को बढ़ाने के लिए जमीनों को अपना सबसे बड़ा हथियार बना रखा था। दलितों को मोहरे की तरह इस्तेमाल किया था। अतीक अहमद ने हूबलाल नाम के राजमिस्त्री को डरा धमका करके इस बात के लिए राजी किया कि जो भी अवैध रूप से संपत्तियां वह हासिल करेगा उसे हूबलाल के नाम पर खरीदेगा। इस काम के एवज में अतीक अहमद हूबलाल को कुछ पैसे भी दे दिया करता था। इधर जब प्रशासन ने अतीक अहमद की अवैध संपत्तियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की तो हुबलाल को लगा कि वह बुरे फंस जाएगा और प्रशासन उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई कर देगा। यही कारण है की हूबलाल ने तीन नवंबर को प्रयागराज के पूर्व पुलिस कमिश्नर अमित शर्मा के दफ्तर में खुद पहुंचकर अतीक अहमद की सभी 25 बीघे खरीदी गई जमीनों का दस्तावेज सौंप दिया।उन दलितों के भी नाम बताएं जिनकी जमीनों पर अतीक अहमद ने जबरन डरा धमका कर खरीद लिए था फिलहाल पुलिस प्रशासन हूबलाल से अभी पूछताछ कर रहा है और यह जानने की कोशिश कर रहा है कि अतीक अहमद के पास अभी ऐसी कितनी अवैध संपत्तियों हैं। माना जा रहा है कि अतीक अहमद के पास अभी भी करोड़ों की अवैध बेनामी संपत्तियां हैं। यही कारण है कि प्रयागराज कमिश्नरेट पुलिस अतीक अहमद की अवैध संपत्तियों का पता लगाने में जुटी हुई है। इस काम में इंटेलिजेंस का भी उपयोग किया जा रहा है।कार्रवाई के दौरान एसीपी धूमनगंज वरुण कुमार, इंस्पेक्टर धूमनगंज राजेश मौर्य, इंस्पेक्टर कैंट रुकुम पाल सिंह सहित करीब 10 सब इंस्पेक्टर के साथ-साथ दो दर्जन पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

पूर्व प्रधान अमरजीत की जमानत खारिज

प्रयागराज। जिला अदालत ने हाईकोर्ट के आदेश की प्रति में छेड़छाड़ के आरोपी पूर्व प्रधान की जमानत खारिज कर दी है। यह आदेश जिला जज संतोष राय की अदालत ने दिया है। आरोप है कि मेजा थाना क्षेत्र के कनिगड़ा निवासी पूर्व प्रधान अमरजीत ने चुनाव याचिका से संबधित हाईकोर्ट के आदेश में छेड़छाड़ की थी।जिला पंचायत राज अधिकारी डा0 दुर्गा प्रसाद तिवारी ने वर्ष 2017 में एफआईआर दर्ज करवाई थी।

विवेचना के बाद पुलिस ने आरोप पत्र दाखिल किया था। आरोप पत्र पर वर्ष 2018 में संज्ञान लेते हुए परीक्षण न्यायालय ने वारंट जारी किया था। जिसके बाद पूर्व प्रधान सितंबर 2023 से जेल में निरूद्ध है।पूर्व प्रधान के वकील ने दलील दी कि आरोपी ने जानबूझ कर कोई अपराध कारित नहीं किया है, जो हुआ है भ्रम में हुआ है। जबकि, जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी गुलाब चंद्र अग्रहरि ने बताया कि अभियुक्त के खिलाफ हाईकोर्ट ने भी जांच करवाई थी, जिसके बाद एफआईआर दर्ज हुई है। मामला हाईकोर्ट से जुड़ा होने के साथ गंभीर प्रकृति का है। जिला जज ने आरोपी प्रधान की जमानत खारिज कर दी।

पेंशनरों के लिए गुड न्यूज, अब डाकघर के माध्यम से घर बैठे बनेगा जीवन प्रमाणपत्र

डाक विभाग की पहल : पेंशनर्स को जीवन प्रमाणपत्र के लिए चक्कर लगाने से निजात, घर बैठे डाकिया के माध्यम से बनेगा डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। अब पेंशनरों को जीवन प्रमाणपत्र जमा करने के लिए कोषागार, बैंक या अन्य किसी विभाग में जाने की जरूरत नहीं है। पेंशनर अपने नजदीकी डाकघर के पोस्टमैन या ग्रामीण डाक सेवक के माध्यम से डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट जारी करवा सकते हैं। इसके लिए मात्र 70 रुपये का शुल्क निर्धारित किया गया है। यह प्रमाण पत्र स्वतः संबंधित विभाग को ऑनलाइन पहुंच जाएगा। इससे पेंशन मिलने में कोई रुकावट नहीं आएगी। यह सुविधा सभी डाकघरों में इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही है। उक्त जानकारी प्रयागराज परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार

यादव ने दी। पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि भारतीय डाक विभाग के माध्यम से सभी विभागों के पेंशनरों को घर बैठे डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट प्रदान करने की सुविधा प्रदान की जा रही है। पेंशनर इस सुविधा को प्राप्त करने के लिए अपने क्षेत्र के पोस्टमैन के साथ-साथ पोस्ट इन्फो मोबाइल एप द्वारा ऑनलाइन अनुरोध भी कर सकते हैं। इसके लिए पेंशनर को आधार नम्बर, मोबाइल नम्बर, बैंक या डाकघर खाता संख्या और पीपीओ नम्बर देना होगा। गौरतलब है कि पेंशनरों को प्रत्येक वर्ष सामान्यतया नवंबर और दिसंबर माह में कोषागार, बैंक या संबंधित विभाग में जीवन प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होता है। इसके लिए दूरदराज इलाके के पेंशनरों को कोषागार आने में कई बार कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है एवं यात्रा आदि में भी काफी व्यय होता है। ऐसे में डाक विभाग की इस पहल से पेंशनरों को काफी सहूलियत मिलेगी। इसके साथ-साथ पेंशनर डाकिया के माध्यम से घर बैठे पेंशन की धनराशि आधार इनेबल्ड पेमेंट सिस्टम के माध्यम से अपने बैंक खाते से निकाल सकते हैं।

पुजारी मानव सेवा एवं प्रकृति संरक्षण संस्थान के तत्वाधान में भव्य आयोजन संपन्न

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। पुजारी मानव सेवा एवं प्रकृति संरक्षण संस्थान के तत्वाधान में एक भव्य आयोजन प्रिया गेस्ट हाउस हनुमान मंदिर चौराहा राजापुर में किया गया । इस कार्यक्रम में माननीय महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी जी का स्वागत सम्मान भाजपा महानगर अध्यक्ष राजेंद्र कुमार मिश्र, काशी प्रांत अध्यक्ष वि.हि.प. केपी सिंह विधायक हर्षवर्धन बाजपेई , विधायक गुरुप्रसाद मौर्य जी, बलराम जी शाखा कार्यालय प्रमुख हनुमान नगर, डॉ कुमुद दुबे वरिष्ठ वैज्ञानिक वन अनुसंधान केंद्र प्रयागराज आप सभी की गरिमामई उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम के अंतर्गत मानव सेवा एवं सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों का सम्मान भी किया गया । कार्यक्रम में भजन संध्या एवं सामूहिक गीत भी प्रस्तुत किया गया. कार्यक्रम का आयोजन बहुत ही भव्य एवं आकर्षक था । कार्यक्रम के संयोजक के.पी. मिश्र (मनोज) सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया । प्रयागराज.पुजारी मानव सेवा एवं प्रकृति संरक्षण संस्थान के तत्वाधान में एक भव्य आयोजन प्रिया गेस्ट हाउस हनुमान मंदिर चौराहा राजापुर में किया गया । इस कार्यक्रम में माननीय महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी जी का स्वागत सम्मान भाजपा महानगर अध्यक्ष राजेंद्र कुमार मिश्र, काशी प्रांत अध्यक्ष वि.हि.प. केपी सिंह जी, विधायक हर्षवर्धन बाजपेई जी ,विधायक गुरुप्रसाद मौर्य जी, बलराम जी शाखा कार्यालय प्रमुख हनुमान नगर, डॉ कुमुद दुबे वरिष्ठ वैज्ञानिक वन अनुसंधान केंद्र प्रयागराज आप सभी की गरिमामई उपस्थिति में संपन्न हुआ ।इस कार्यक्रम के अंतर्गत मानव सेवा एवं सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में भजन संध्या एवं सामूहिक गीत भी प्रस्तुत किया गया. कार्यक्रम का आयोजन बहुत ही भव्य एवं आकर्षक था। कार्यक्रम के संयोजक के.पी. मिश्र (मनोज) सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया।

आम आदमी पार्टी ने सिविल लाइंस में किया भिक्षाटन, संजय सिंह को रिहा करने की मांग

प्रयागराज। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को सिविल लाइंस में भिक्षाटन अभियान चलाया। सड़क से गुजरने वाले लोगों से भिक्षा मांगा मोदी सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। आप कार्यकर्ताओं का कहना था कि मोदी सरकार देश के सारे संसाधनों को पूंजीपतियों खास तौर पर अडानी के नाम कर दिया है।रेल, सेल, जहाज, कोयला, गैस, पेट्रोल से लेकर सारे संसाधनों को अडानी के हवाले कर रही है। इसके खिलाफ आम आदमी पार्टी पूरे प्रदेश में भिक्षाटन अभियान चला रही है। भिक्षाटन से प्राप्त होने वाले धन को प्रधानमंत्री को भेजा जाएगा और उनसे आग्रह किया जाएगा कि यह अडानी को दे दें। आम आदमी पार्टी प्रयागराज के कार्यकर्ताओं ने श्रम प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अंजनी मिश्रा की उपस्थिति में जिला महासचिव सर्वेश यादव के नेतृत्व में सिविल लाइंस में मोदी सरकार के खिलाफ भिक्षा मांग जताया विरोध। आम आदमी पार्टी के जिला महासचिव सर्वेश यादव ने केंद्र सरकार ईडी और सीबीआई का दुरुपयोग कर विपक्ष के नेताओं का उत्पीड़न कर रही है।

अपनी माटी और परिपाटी की मिशाल है जमुनापार महोत्सव : सांसद

अखंड भारत संदेश

विभिन्न क्षेत्र की विभूतियों का मंच पर हुआ सम्मान,नृत्य भजन, संतों के आशिर्वचन और दीपदान आरती के साथ हुआ महोत्सव का समापन

करछना। प्रयागराज जमुनापार महोत्सव अपनी माटी परिपाटी की मिशाल बनकर समाज में एकता, स्वाभिमान, समरसता और विभिन्न क्षेत्र की प्रतिभाओं को एक मंच पर संजोने का अनूठा कार्य कर रहा है।इसकी जितनी प्रशंसा की जाए वह कम है।यह बातें क्षेत्र के रामपुर स्थित बृज मंगल सिंह इंटर कालेज में चल रहे 25वें जमुनापार महोत्सव के समापन समारोह में पहुंची सांसद डा.रीता बहुगुणा जोशी ने कही।अति विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद उच्च शिक्षा सेवा आयोग के अध्यक्ष प्रो0 गिरीश त्रिपाठी ने कहा कि अपनी संस्कृति सनातन के साथ-साथ संत मनीषियों,साहित्य काल की निधियों और विभिन्न क्षेत्र की प्रतिभाओं के साथ-साथ विभूतियों का अर्चन करने वाला महोत्सव अपने आप में अनूठा है।इसके सूत्रधार डॉ.भगवत पांडेय और उनके सहयोगियों की जितनी प्रशंसा की जाए वह कम है। इसके उपरांत व्यासपीठ पर विराजमान स्वामी विनोदानंद जी महराज ने भगवान राम के आदर्श चरित्र में निहित और समाजहित मयार्दाओं,प्रेम निष्ठा समर्पण की भावनाओं को अपनाकर भारत को विश्वगुरू के रूप में प्रतिष्ठापित करने पर जोर दिया।मोहिनी श्रीवास्तव के भजन,महेश मिश्रा की बांसुरी के साथ-साथ विद्यालय की छात्रा रूचि द्विवेदी,मनवी जैन और सखियों द्वारा नृत्यगीत प्रस्तुतियों ने भी खूब समां बांधी।मंच पर अतिथियों द्वारा लोककलाकार बालेंद्र गौतम,कन्हैया लाल पाल समेत विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। महोत्सव के संयोजक डॉ.भगवत पांडेय ने सांसद और विशिष्ट अतिथि समेत विभूतियों का सम्मान करते हुए कहा कि ऐसे लोग समाज को ऊर्जा देने के साथ-साथ हमारी संस्कृति के संवाहक है।जिनके साथ चलकर महोत्सव एक प्रतिमान स्थापित कर रहा है।अध्यक्षता राष्ट्रपति सम्मानित महा महोपाध्याय रहस बिहारी द्विवेदी और संचालन डा.राजेंद्र शुक्ल ने किया। इस मौके पर पूर्व विधायक प्रभाशंकर पांडेय, जिलाध्यक्ष विनोद प्रजापति, प्रधानाचार्य मनीष तिवारी, राज बहादुर श्रीवास्तव, संतोष मिश्रा, कमला शंकर त्रिपाठी, बाबा तिवारी, रामकृष्ण तिवारी, शशी द्विवेदी, जय शंकर पांडेय, जितेंद्र कुमार, मालती शर्मा, कंचन पांडेय, वेद श्रीवास्तव, रोहित पांडेय समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

प्रदेश मंत्रिमंडल में कोरांव विधानसभा के नेतृत्व की उठी मांग

पसना। प्रदेश के अति पिछड़े कोल आदिवासी बाहुल्य विधानसभा कोरांव से निर्वाचित सत्तारूढ़ दल के विधायक राजमणि कोल को मंत्रिमंडल के संभावित विस्तार में मंत्री बनाने की मांग उठने लगी है।ज्ञातव्य हो कि कोरांव विधानसभा प्रदेश की अति पिछड़ी विधान सभा होने के साथ साथ अनुसूचित जाति बहुल है, यहां के निवासियों का मुख्य व्यवसाय कृषि एवम् मजदूरी है।इस विधानसभा में रोजगार के हेतु कोई बड़ा उद्योग स्थापित नहीं है,अस्सी के दशक में स्थापित मेजा कताई मिल भी बहुत पहले बंद हो चुकी है। उच्च शिक्षा की दृष्टि से कोई भी राजकीय महाविद्यालय भी नहीं है।क्षेत्र के चहुमुखी विकास हेतु इस पिछड़े विधानसभा के अनुसूचित कोल जाति के शिक्षित विधायक राजमणि कोल को प्रदेश मंत्रिमंडल में शामिल करने की मांग क्षेत्र के निवासियों की तरफ से भाजपा शीर्ष नेतृत्व से जोर शोर से उठ रही है।

ट्रेलर व डंपर में भिड़ंत,डंपर सड़क के किनारे मकान में घुसा

अखंड भारत संदेश

मेजा। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत कोहड़ार बाजार में ट्रेलर व डंपर की भिड़ंत में अनियंत्रित डंपर सड़क के किनारे मकान में घुस गया, जिसकी चपेट में आने से एक किशोरी घायल हो गयी और मकान का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। एक्सीडेंट से लोगों में हड़कंप मच गया।मिली जानकारी के अनुसार बीती रात्रि तकरीबन 11 बजे कोहड़ार बाजार के मेजारोड मार्ग पर ट्रेलर व डंपर में जोरदार भिड़ंत हो गई जिसके चलते अनियंत्रित होकर डंपर गाड़ी सड़क के किनारे मनोज केसरवानी के मकान में जा घुसी, जिससे परिजनों सहित बाजार वासियों में हड़कंप मच गया। घटना से मकान का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया?। वहीं घर के बाहर बर्तन साफ कर रही किशोरी घायल हो गई। घर का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त होने से परिजन घर में ही फंसे रहे। सूचना पर चौकी प्रभारी कोहडार अखिलेश सिंह मौके पर पहुंच आनन-फानन में लोगों को बाहर निकाला और घायल किशोरी को अस्पताल भिजवा दिया।

कार्यालय, नगर पालिका परिषद मंझनपुर, कौशाम्बी

नामान्तरण (गृहकर) सूचना

श्री लाल चन्द्र वर्मा पुत्र महाराजदीन वर्मा निवासी वार्ड नं0 03, चौधरी बैजनाथ नगर (वार्ड नं0 04, नेता नगर) नगर पालिका परिषद मंझनपुर जनपद कौशाम्बी की द्वारा दिनांक 25.09.2023 के द्वारा आवेदन पत्र के साथ संलग्न स्टाम्प संख्या ऋ636806 दिनांक 22/09/2023 के द्वारा नोटिस शपथ पत्र के द्वारा अपने आवासीय मकान जो इनके द्वारा प्रस्तुत किये गये अभिलेख की छाया प्रति के अनुसार असिस्टेन्ट कलेक्टर / तहसीलदार के द्वारा निर्गत आवासीय पट्टा दिनांक 02.02.1993 की छाया प्रति प्रस्तुत किया गया है, जिसमे आवेदक के द्वारा आवासीय पट्टा के आधार पर नगर पालिका परिषद मंझनपुर के भवन / गृहकर में नाम दर्ज करने हेतु प्रस्तुत किया गया है। असिस्टेन्ट कलेक्टर के द्वारा आवासीय पट्टा आराजी संख्या 16 (दिनांक 02.02.1903) व सम्बन्धित लेखपाल कि रिपोर्ट आख्या दिनांक 28.08.2021 के अनुसार उपरोक्त अंकित भूमि / प्लाट आवासीय पट्टा के अभिलेख में अकिंत विवरण के अनुसार आवासीय पट्टा भूमि / प्लाट जो वर्तमान वार्ड नं0 05, सरदार पटेल नगर (वार्ड नं0 06 चक नगर प्रथम) परगना करारी तहसील मंझनपुर जनपद कौशाम्बी कि भूमि संख्या 18 रकबा 0.068 हेक्टेयर है जिसमें 0.034 हे0 जयभीम के नाम अंकित है तथा 0.034 हे0 बजर के खाते में अंकित है। भूमि संख्या 16 में प्रार्थी लाल चन्द्र वर्मा द्वारा 28105 फीट पर काबिज है जिसमें 18718 फिट पर कमरा व बरामदा बना हुआ शेष भूमि पर बाउन्ड्री निर्मित है। जिसका क्षेत्रफल 100 वर्ग गज आवासीय पट्टा किया। जिसकी चौहद्दी में उत्तर में खाली भूमि दक्षिण में पक्की सड़क मंझनपुर से सिराथू पूरब में जयभीम पुत्र श्याम लाल का मकान पश्चिम में खाली भूमि आदि स्थित है। आधार पर उपरोक्त भवन / प्लाट के स्वामी के रूप में श्री लाल चन्द्र वर्मा पुत्र महाराजदीन वर्मा निवासी वार्ड नं0 03, चौधरी बैजनाथ नगर (वार्ड नं0 04, नेता नगर) नगर पालिका परिषद मंझनपुर जनपद कौशाम्बी का नाम संयोजन हेतु प्रस्तावित है। उपरोक्त अंकित भूमि / भवन पर भवन कर नमान्तरण हेतु प्रस्तावित संयोजन / संशोधन पर यदि किसी भी व्यक्ति / समूह / हितलाभी को कोई आपत्ति हो तो उपरोक्त प्रकाशन के 30 दिन के अन्दर साक्ष्य सहित लिखित आपत्ति नगर पालिका परिषद मंझनपुर कौशाम्बी के कार्यालय में उपलब्ध करा दें अन्यथा उपरोक्त भवन / भूखण्ड संशोधित नाम अंकित करने की इस शर्त के साथ नमान्तरण / संसोधन के सम्बन्ध में की नमान्तरण होने के पश्चात भी अगर आवेदक के द्वारा अथवा इनके परिवार के किसी भी सदस्य के द्वारा कोई भी अभिलेखीय साक्ष्य व तथ्य छिपाया गया हो तो जैसे किसी भी न्यायालय में भूमि / भवन से सम्बन्धित बाद माननीय न्यायालय में विचाराधीन / विरूद्ध पाये जाने की स्थिति में गृहकर के अभिलेख में दर्ज किये गये नमान्तरण स्वतः निरस्त समझा जायेगा। जिसके जिम्मेदारी नगर पालिका परिषद मंझनपुर जनपद - कौशाम्बी की नही होगी तथा कार्यालय में प्राप्त आपत्ति के साथ आपत्तिकर्ता लिखित रूप में अभिलेखीय साक्ष्य के साथ-साथ मु० 1000.00 (एक हजार) रुपए आपत्ति शुल्क के रूप में नगर पालिका परिषद मंझनपुर में जमा करना अनिवार्य होगा, जो आपत्ति के सही पाये जाने पर आपत्तिकर्ता को वापस कर दी जायेगी तथा गलत आपत्ति पाये जाने की स्थिति में उपरोक्त आपत्ति शुल्क विभाग के पक्ष में जब्त कर लिया जायेगा।

अधिशासी अधिकारी
न0 पा0 परि0 मंझनपुर
कौशांबी।

पत्रांक संख्या- 1819/ न0पा0परि0 मं0/2023, दिनांक 31.10.2023

राष्ट्रीय स्तर के हैकाथॉन 'कोडउत्सव 7.0' प्रतियोगिता में यूआईटी ने जीता प्रथम पुरस्कार

नैनी। नैनी यूनाइटेड इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (यूआईटी) नैनी ने रायपुर की नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनआईटी), द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता हैकथॉन 'कोडउत्सव 7.0' में पहला स्थान प्राप्त किया है। इस प्रतियोगिता में देश के विभिन्न भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) से 1500 से अधिक इंजीनियरिंग छात्रों ने भाग लिया। यूआईटी की चार छात्रों की टीम न्वयता जिसमें श्रेय राज, हरि आचार्य, रिया कुशवाहा और प्रियांशु कुमार पाल शामिल थे, ने भी इस दो दिवसीय प्रतियागिता में भाग लिया। यूआईटी के सीएस विभाग के प्रमुख डॉ. अमित कुमार तिवारी ने बताया कि प्रतियोगिता के अंतिम दौर में पहुंचने के बाद प्रत्येक टीम को 28 घंटे की कोडिंग और इनोवेशन पर हुनर दिखाने का मौका मिला। इसमें यूआईटी की टीम ने 10,000 रुपये नकद पुरस्कार के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त किया। यूआईटी के प्राचार्य प्रो संजय श्रीवास्तव, डीन (अकादमिक) डॉ. सुधांशु पाण्डेय और संकाय सदस्यों ने छात्रों को उनकी उपलब्धि पर शुभकामनाएं दी हैं।

सोरांव यूथ क्लब बना वॉलीबाल का चैम्पियन

अखंड भारत संदेश

बेदौली न्याय पंचायत स्तरीय वॉलीबाल खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न

मेजा। प्रदेश सरकार द्वारा क्रीडा संघों के समन्वय से आयोजित की जाने वाली ग्रामीण स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता-2023-24 के अंतर्गत विकास खंड उरुवा के ग्राम सोरांव पार्ती स्थित सार्वजनिक खेल मैदान पर न्याय पंचायत स्तर की वॉलीबाल खेल की चयन प्रतियोगिता संपन्न हुई। जिसमें न्याय पंचायत बेदौली के अंतर्गत स्थित विभिन्न ग्राम सभाओं की टीमों ने प्रतिभाग किया। खेल प्रदर्शन के आधार पर सबजूनियर बालक(अंडर-16),जूनियर बालक(अंडर-19) एवं सीनियर पुरुष ओपेन आयु वर्ग की टीमों का चयन किया गया। फाइनल मैच के दौरान जूनियर वर्ग में सोरांव यूथ क्लब की टीम ने युवक मंगल दल बेदौली की टीम को 25 - 21, 23 - 25 और 25 - 18 अंकों से हराया। सब जूनियर वर्ग के फाइनल मैच में युवक मंगल दल खानपुर की टीम ने युवक मंगल दल टिकुरी की टीम को 25 - 18, 21 - 25 और 25 - 20 अंकों से हराया। इसी प्रकार सीनियर पुरुष वर्ग में सोरांव यूथ क्लब ने वॉलीबाल क्लब समहन की टीम को 25 - 19 और 25 - 21 अंकों से हराकर न्याय पंचायत स्तरीय वालीबाल प्रतियोगिता " जीत ली। उक्त अवसर पर खेल प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ियों का चयन उपरोक्त आयु वर्ग में किया गया। चयनित खिलाड़ी ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में न्याय पंचायत बेदौली की टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। उक्त न्याय पंचायत स्तरीय वॉलीबाल प्रतियोगिता का उद्घाटन राजेश द्विवेदी,अध्यक्ष प्रधान संघ उरुवा व ग्राम प्रधान सोरांव के द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता बार एसोसिएशन मेजा के पूर्व अध्यक्ष मुनेश्वर प्रसाद शुक्ला ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला वॉलीबाल संघ के कोषाध्यक्ष के.बी.एल.श्रीवास्तव ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। न्याय पंचायत बेदौली के प्रभारी हरिओम मिश्रा ने प्रतियोगिता में पधारें सभी आगंतुक अतिथियों का स्वागत किया। प्रतियोगिता में मुकेश शुक्ला, असफाक अहमद, रवि वर्मा, संतोष भास्कर ने निर्णायक की भूमिका अदा की। कार्यक्रम का संचालन करते हुए पूर्व राष्ट्रीय वॉलीबाल खिलाड़ी व जिला वॉलीबाल संघ,प्रयागराज के महासचिव आरपी शुक्ला ने प्रतियोगिता में पधारें सभी अतिथियों, खिलाड़ियों व दर्शकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

राष्ट्रीय आय एवं योग्यता छात्रवृत्ति परीक्षा में 1788 परीक्षार्थियों ने दी परीक्षा

चार परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित हुई परीक्षा, डीआईओएस ने किया निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

तिलक इंटर कालेज में परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण करते डीआईओएस सरदार सिंह

प्रतापगढ़। राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा शहर के चार परीक्षा केन्द्रों राजकीय इंटर कालेज, राजकीय बालिका इंटर कालेज, केपी हिन्दू इंटर कालेज व लोकमान्य तिलक इंटर कालेज में सकुशल सम्पन्न हुई। चारों परीक्षा केन्द्रों पर 1788 परीक्षार्थी उपस्थित हुए और 135 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

राजकीय इंटर कालेज में 500 पंजीकृत परीक्षार्थियों में 31 परीक्षार्थी अनुपस्थित, राजकीय बालिका इंटर कालेज में 500 में से 34 अनुपस्थित, केपी हिन्दू इंटर कालेज में 500 में से 34 अनुपस्थित तथा लोकमान्य तिलक इंटर कालेज में 423 पंजीकृत परीक्षार्थियों में 36 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। चारों परीक्षा केन्द्रों पर प्रधानाचार्यों के निर्देशन में शांतिपूर्ण परीक्षा सम्पन्न हुई। जिला विद्यालय निरीक्षक सरदार सिंह ने चारों परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया और परीक्षा व्यवस्था पर संतोष जताया। बता दें कि चारों परीक्षा केन्द्रों पर 1923 परीक्षार्थी पंजीकृत थे जिसमें 1788 परीक्षार्थी उपस्थित व 135 अनुपस्थित रहे।

छापेमारी कर आबकारी टीम ने नष्ट कराई चालीस लीटर शराब, दो गिरफ्तार

लालगंज प्रतापगढ़। आबकारी टीम द्वारा छापेमारी करके चालीस लीटर अवैध देशी शराब व तीन सौ पचास किलोग्राम लहन नष्ट कराया गया। लालगंज आबकारी निरीक्षक प्रवीण कुमार यादव ने आबकारी निरीक्षक पट्टी आनन्द कुमार शुक्ल व पुलिस बल के साथ रविवार सुबह लालगंज कोतवाली के जेंवई व लीलापुर थाना के हण्डौर बलदियान में छापेमारी किया। दोनो जगहों पर आबकारी टीम ने कुल बरामद चालीस लीटर देशी शराब व तीन सौ पचास ग्राम लहन को नष्ट कराया। आबकारी निरीक्षक प्रवीण यादव ने बताया कि मामले में जेंवई गांव के गुड्डी देवी पत्नी रामनरेश व फोटो दवी पत्नी धीरेन्द्र सरोज की गिरफ्तारी की गयी है। मामले में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

नगर में फॉगिंग न होने से बढ़ा मच्छरों का प्रकोप

डेंगू और मलेरिया फैलने का बढ़ा खतरा

अखंड भारत संदेश

नगर में बजबजाती नालियां

पट्टी, प्रतापगढ़। पट्टी नगर में भले ही स्वच्छता के लिए बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं लेकिन स्वच्छता के मामले में जहां अभी भी यह काफी पीछे है, जिसके कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है तो वही डेंगू और मलेरिया के बढ़ने का प्रकोप भी बढ़ रहा है। बजबजाती हुई नालियां लोगों के लिए खतरे का कारण बनी हुई है।

पट्टी नगर में नाली की सफाई ठीक ढंग से नहीं हो सकी है। लोगों का कहना है कि नालियों की कई दिनों से साफ सफाई नहीं हुई है जिससे गंदा पानी पनप रहा है वही मच्छर के बढ़ने से लोग परेशान नजर आ रहे हैं कई जगह तो पानी भरा होने के कारण डेंगू और मलेरिया बीमारी के मरीजों की संख्या भी बढ़ सकती है। प्रतापगढ़ जनपद में पिछले हफ्ते कल 35 लोग डेंगू पॉजीटिव पाए गए थे वही पट्टी प्रशासन इस बात से बेखबर नजर आ रहा है, ना तो नालियों की सफाई हो रही है ना तो मच्छरों से बचने के लिए फॉगिंग कराई जा रही है जिससे डेंगू, मलेरिया तथा अन्य मच्छर जनित बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ रहा है।

रंजिश में दो पक्षों में हुई मारपीट पर पन्द्रह के खिलाफ केस दर्ज

लालगंज प्रतापगढ़। उदयपुर थाना अन्तर्गत कोइलासा मंगापुर गांव में हुई मारपीट की घटना को लेकर शनिवार को दोनों पक्ष ने पुलिस को तहरीर दी। गांव की रजवंता देवी पत्नी स्व. राजेन्द्र सरोज का आरोप है कि वह गांव में विद्युत पोल से केबल अपने घर के लिए खींच रही थी। इसी बीच गांव के सुरेश, सुरेन्द्र, शीला पत्नी सुरेन्द्र, रामावती पत्नी वीरेन्द्र, अर्चना पुत्री सुरेश, संतोष, सियादुलारी पत्नी शनि तथा रामजी पुत्र रामप्यारी वहां पहुंचे और गाली देते हुए उसे व उसके ससुर को मारापीटा व धमकी दी। वहीं दूसरे पक्ष की सियादुलारी का आरोप है कि गांव के धीरज, गुलशन व उनकी मां रजवंता, बहन अंतिमा, कोमल जबरन केबल ले जाने को लेकर हुए विवाद में उसे मारापीटा व धमकी दी। जांच के बाद पुलिस ने दोनों पक्ष के कुल पन्द्रह लोगों के खिलाफ मारपीट एवं धमकी का मुकदमा दर्ज कर लिया।

तलवारबाजी प्रतियोगिता में शिव कुमार प्रथम व आराधना रहीं द्वितीय

साकेत गर्ल्स पीजी कालेज में हुई अन्तर्महाविद्यालयीय तलवारबाजी प्रतियोगिता

अखंड भारत संदेश

अन्तर्महाविद्यालयीय तलवारबाजी प्रतियोगिता के विजयी खिलाड़ीगण

प्रतापगढ़। साकेत गर्ल्स पीजी कॉलेज दहिलामऊ में अन्तर्महाविद्यालीय तलवारबाजी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय प्रयागराज के अन्तर्गत आने वाले जिले प्रतापगढ़, प्रयागराज, फतेहपुर, कौशाम्बी की तलवार बाजी टीमों को विश्वविद्यालय द्वारा आमंत्रित किया गया था, जिसमें तलवार बाजी की इपी प्रविधि के अन्तर्गत कीर्ति गुप्ता बद्रीनारायण पी.जी. कॉलेज प्रतापगढ़ से प्रथम शिवकुमार सरोज, पी.बी.पी.जी. कॉलेज से द्वितीय आराधना शर्मा, पी.बी.पी.जी. कॉलेज प्रतापगढ़ से तृतीय एवं दीपिका वर्मा बद्रीनारायण पी.जी. कॉलेज प्रतापगढ़ को चतुर्थ स्थान मिला।

फॉयल प्रविधि के अन्तर्गत प्रतिमा विश्वकर्मा पी.बी.पी.जी. कॉलेज, प्रतापगढ़ को प्रथम, खुशबू यादव साकेत गर्ल्स पी.जी. कॉलेज, प्रतापगढ़ को द्वितीय, गुनगुन तिवारी, पी.बी.पी.जी. कॉलेज, प्रतापगढ़ तृतीय एवं दीपमाला शुक्ला साकेत गर्ल्स पी.जी. कॉलेज, प्रतापगढ़ को चतुर्थ स्थान प्राप्त हुआ। सेबर प्रविधि में शहरीन बानों साकेत गर्ल्स पी.जी. कॉलेज, प्रतापगढ़ को प्रथम स्थान, बबिता पटेल पी.बी.पी.जी. कॉलेज, प्रतापगढ़ को द्वितीय स्थान, प्राची मिश्रा एस.बी.एम. कॉलेज लालगंज, प्रतापगढ़ को तृतीय स्थान, अन्तिमा यादव साकेत गर्ल्स पी.जी. कॉलेज, प्रतापगढ़ को चतुर्थ स्थान प्राप्त हुआ। इसके अलावा नेहा पाण्डेय साकेत गर्ल्स पी.जी. कॉलेज, प्रतापगढ़ को ईपी, गुड़िया सिंह साकेत गर्ल्स पी.जी. कॉलेज, प्रतापगढ़ को फॉयल एवं कविता सरोज पी.बी.पी.जी. कॉलेज, प्रतापगढ़ को सेबर के अतिरिक्त खिलाड़ी के रूप में चयन किया गया। कार्यक्रम में सीमा देवी, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सांगीपुर पर्यवेक्षक एवं सुमन्त यादव, अनिल कुमार यादव एवं मोहम्मद कलीम निर्णायक मण्डल के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ अपना दल एस के प्रदेश सचिव (बौद्धिक मंच) कुशाग्र श्रीवास्तव द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रो0 उपेन्द्र सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। चयनित सभी छात्र-छात्राओं एवं निर्णायक मण्डल को महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ0 नीलिमा श्रीवास्तव ने उपहार देकर सम्मानित किया। विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों से आये हुए शिक्षक/शिक्षिकाओं और छात्रों का आभार महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के सहायक आचार्य संजय पाण्डेय ने किया।

न्यूज झरोखा

धूमधाम से मनाई गई पूर्व विधायक की पुण्यतिथि

लालगंज, प्रतापगढ़। शनिवार को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी व रामपुर खास के पूर्व विधायक कुंवर तेजभान सिंह की पुण्यतिथि उनके पैतृक गांव अगई में धूम-धाम से मनाई गई। क्षेत्र के लोगों ने उनकी प्रतिमा पर पुष्प चढ़ाकर श्रद्धांजलि दी। स्थानीय तहसील क्षेत्र के अगई गांव में 1907 में जन्मे कुंवर साहब अंतिम सांस तक देश की सेवा के साथ ही गरीबों की मदद करते रहे,और 1997 में अंतिम सांस ली। कुंवर साहब के चरित्र पर उपस्थित लोगो ने प्रकाश डाला,साथ ही कहा कि लोग उनके आदर्शो को अपनाएं। कार्यक्रम का संचालन योगेश सिंह ने किया। कार्यक्रम के आयोजक डॉव वीरेंद्र सिंह ने आए हुए सभी लोगो के प्रति आभार जताया। इस मौके पर महेंद्र सिंह, विनोद सिंह, संतोष सिंह, राय साहब सिंह, सुनील सिंह, गुरुवचन सिंह, ओम प्रकाश पाण्डेय समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे। इससे पूर्व शुक्रवार को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ठाकुर रामगुलाम सिंह की पुण्यतिथि क्षेत्र के लोगो ने उनके पैतृक निवास मेढवा में मनाया। इस दौरान उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया।

जनपद स्तर पर डिस्ट्रिक्ट कान्टेक्ट सेन्टर स्थापित

प्रतापगढ़। अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी त्रिभुवन विश्वकर्मा ने बताया कि कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार जनपद प्रतापगढ़ में जनसामान्य/मतदाताओं की सुविधा के दृष्टिगत जनपद स्तर पर डिस्ट्रिक्ट कान्टेक्ट सेन्टर (वोटर हेल्प लाइन सेन्टर पर स्थापित टोल फ्री वोटर हेल्पलाइन नम्बर 1950) जिला निर्वाचन कार्यालय प्रतापगढ़ में स्थापित किया गया है जो कि दिनांक 27 अक्टूबर से सक्रिय भूमिका में संचालित है। जनपद में स्थापित डिस्ट्रिक्ट कन्टेक्ट सेन्टर पर अर्हता तिथि 01.01.2024 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2024 कार्यक्रम के अन्तर्गत निर्वाचक नामावली के नाम सम्मिलित कराने, नाम अपमार्जन कराने, किसी प्रकार की प्रविष्टि में संशोधन कराने के अतिरिक्त रंगीन मतदाता फोटो पहचान पत्र अथवा निर्वाचन से सम्बन्धित किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

उद्योग व्यापार मण्डल ने उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

प्रतापगढ़। उद्योग व्यापार मण्डल के जिला तथा नगर के पदाधिकारियों ने आज जीएसटी विभाग के उपायुक्त रामभवन से उनके कार्यालय पर भेंट किया तथा प्रदेश नेतृत्व द्वारा भेजा हुआ ज्ञापन प्रस्तुत किया। जिला वरिष्ठ महामंत्री ने यह ज्ञापन उपस्थित अधिकारियों तथा व्यापारियों को पढ़ कर सुनाया तथा संक्षिप्त चर्चा भी की। बता दें कि यह ज्ञापन वित्तीय वर्ष 2017-2018 तथा 2018-2019 की भरी पैमाने पर जारी नोटिसों तथा उसमें व्याप्त विभिन्न विसंगतियों को दूर करने के संदर्भ में उ. प्र. राज्य के समस्त जिलों में क्षेत्रीय जीएसटी कार्यालयों में दिया जा रहा है। यह जानकारी नगर अध्यक्ष अंकुर केसरवानी ने दी।

रोजगार मेले का आयोजन नौ को

प्रतापगढ़। जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया है कि जिला सेवायोजन कार्यालय प्रतापगढ़ परिसर में 09 नवम्बर 2023 को पूर्वान्ह 10 बजे से रोजगार मेले का आयोजन किया गया है जिसमें निजी क्षेत्र की कम्पनियों क्रमशः बजाज कैपिटल इन्श्योरेन्स ब्रोकिंग लिमिटेड द्वारा सेल्स/क्लाइंट रिलेशनशिप आफीसर/सर्वे इन्टर्न के पद पर, गुडविल इण्डिया मैनेजमेन्ट ग्रुप ऑफ कम्पनी द्वारा स्टोरकीपर/सुपर वाइजर/एरिया मैनेजर/आफिस असिस्टेन्ट/आपरेटर के पद पर एवं एल0आई0सी0 ऑफ इण्डिया द्वारा इन्श्योरेन्स एडवाइजर के पद पर बेरोजगार अभ्यर्थियों का चयन किया जाना है। रोजगार मेले में प्रतिभाग करने हेतु सेवायोजन पोर्टल पर पंजीकरण होना अनिवार्य है। इच्छुक अभ्यर्थी मेले में अपने साथ पंजीयन आई0डी0 एवं पासवर्ड, मूल शैक्षिक अभिलेख एवं पासपोर्ट साइज फोटो के साथ सम्मिलित हो सकते है।

छात्रवृत्ति के लिये छात्र/छात्राएं 31 दिसम्बर तक करें ऑनलाइन आवेदन

प्रतापगढ़। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने बताया है कि पूर्वदशम छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत (कक्षा 9-10) की कक्षाओं के छात्र/छात्रायें छात्रवृत्ति हेतु 10 नवम्बर 2023 तक आनलाइन आवेदन कर सकते है एवं आनलाइन आवेदन पत्र की हार्डकापी समस्त वांछित संलग्नकों सहित विद्यालयों में 20 नवम्बर तक जमा कर सकते हैं। इसी प्रकार दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्कप्रतिपूर्ति योजना के अन्तर्गत छात्रवृत्ति हेतु कक्षा 11-12 व उच्च शिक्षा के छात्र/छात्रायें 31 दिसम्बर 2023 तक आनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

पूर्व शिक्षक के निधन पर जताया गया दुःख

लालगंज, प्रतापगढ़। **रानीगंज कैथौला स्थित श्रीकृष्ण संस्कृत माध्यमिक विद्यालय** के पूर्व प्रवक्ता रविशंकर शुक्ल शास्त्री(72) का गम्भीर बीमारी के चलते शनिवार की रात आकस्मिक निधन हो गया। क्षेत्र के गयादीन का पुरवा निवासी रविशंकर शुक्ल अधिवक्ता आशुतोष शुक्ल के पिता भी थे। जानकारी मिलने पर क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना तथा सांसद प्रमोद तिवारी ने दुख जताते हुए शास्त्री के निधन को शैक्षिक जगत के लिए दुखदायी ठहराया। वहीं संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश, पूर्व अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल, पूर्व अध्यक्ष विकास मिश्र, अधिवक्ता शैलेन्द्र मिश्र, महामंत्री धीरेन्द्र शुक्ल, उपाध्यक्ष लाल विनोद सिंह, ब्लाक प्रमुख अमित सिंह पंकज, प्रबंधक अजितानन्द पांडेय, शास्त्री सौरभ त्रिपाठी, मनोज तिवारी, पंकज मिश्रा, मोनू पांडेय आदि ने भी गहरी संवेदना प्रकट की है।

बेचीं गयी जमीन की रकम विचौलिए से वापस पाने के लिए काट रहा थाने का चक्कर

परियावां, प्रतापगढ़। जनपद के नवाबगंज थाना क्षेत्र के परियावां निवासी नियामत उल्ला ने अपनी जमीन मुरस्सापुर निवासी एक युवक के हाथ विचैलिए बाजिदपुर नवाबगंज के माध्यम से बेचा था जिसको युवक ने लगभग साढ़े चैदह लाख रुपये विचैलिए को दिया था जिसमे आरोपित युवक ने नियामत उल्ला को केवल आठ लाख छब्बीस हजार रुपया दिया बाकी रुपया दो लाख चैहत्तर हजार व बीस हजार रुपया नगदी नियामत उल्ला को आज दिन तक वापस नहीं किया। मांगने पर हीला हवाली कर रहे है। जब कि विचैलिए बनकर उक्त जमीन की रकम छह लाख चैतीस हजार रुपया का मामला प्रकाश मे आया। पीड़ित नियामत उल्ला की आर्थिक स्थिति काफी दयनीय चल रही है। ठीक से पैदल चल फिर भी नही पा रहा है। केवल एक आस लगाकर वापस पैसा पाने के लिए दौड़ भाग कर रहा है। बता दें कि नवाबगंज थाने से लेकर राजा भैया व मुख्यमंत्री के पोर्टर तक शिकायत किया लेकिन आज तक कोई कारवाई नही हुई शनिवार को एक उम्मीद लेकर एस डी एम कुंडा से वकील के माध्यम से फिर शिकायत किया जिस पर बेबस लाचार नियामत उल्ला की आर्थिक स्थिति को देखते हुए एसडीएम ने आश्वासन दिया।

प्रधानाध्यापक की मां के निधन पर साथियों ने जताया शोक

लालगंज, प्रतापगढ़। लक्ष्मणपुर ब्लाक अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालय पांखी के प्रधानाध्यापक सुरेश मिश्र की मां जगपत्ती देवी का शनिवार को इलाज के दौरान निधन हो गया। साथी शिक्षक की मां के निधन की जानकारी होने पर एआरपी संजीत कुमार शुक्ल, शिक्षक नेता महेश्वर शुक्ल, आलोक गुप्ता, उदय सिंह, आलोक सिंह, रवीन्द्र पांडेय, रमेश सिंह आदि ने गहरी संवेदना जताई है।

भागवत कथा : ध्रुव प्रसंग सुन भाव विभोर हुए श्रोता

कथा श्रवण करने पहुंचे राज्यमंत्री

भागवत कथा कहते आचार्य शांतनु महराज

लालगंज, प्रतापगढ़। अर्जुनपुर में आयोजित भागवत कथा के पांचवे दिन राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह की अध्यक्षता में कथा की। कथा प्रवक्ता कथा ब्यास शांतनु जी महराज ने ध्रुव चरित्र सृष्टि की रचना पर प्रकाश डालते हुए कहा कि, मनुष्य जीवन आदमी को बार-बार नहीं मिलता है इसलिए इस कलयुग में दया धर्म भगवान के स्मरण से ही सारी योनियों को पार करता है।

आचार्य शांतनु ने मनुष्य जीवन का महत्व समझाते हुए भगवान की भक्ति में अधिक से अधिक समय देना चाहिए। उन्होंने बताया कि, भगवान विष्णु ने पांचवा अवतार कपिल मुनि के रुप में लिया। उन्होंने बताया कि, जीवन को सफल बनाने के लिए कथा श्रवण करने से जन्मों का पाप कट जाता है। उन्होनें ध्रुव चरित्र की कथा के बारे में भक्तों को विस्तार से वर्णन करते हुए बताया कि भक्ति में दिखावा नहीं होना चाहिए। उन्होंने जड़ भरत का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि, जड़भरत का प्रकृत नाम भरत है, जो पूर्वजन्म में स्वायंभुव वंशी ऋषभदेव के पुत्र थे। मृग के छौने में तन्मय हो जाने के कारण इनका ज्ञान अवरुद्ध हो गया था जिससे ये जड़भरत कहलाए। आचार्य शांतनु ने कहा जड़भरत की कथा विष्णुपुराण के द्वितीय भाग में और भागवत पुराण के पंचम कांड में आती है। जब सती के विरह में भगवान शंकर की दशा दयनीय हो गई, सती ने भी संकल्प के अनुसार राजा हिमालय के घर पर्वतराज की पुत्री पार्वती के रूप में जन्म लिया। पार्वती जब बड़ी हुईं तो हिमालय को उनकी शादी की चिता सताने लगी। एक दिन देवर्षि नारद हिमालय के महल पहुंचे और पार्वती को देखकर उन्हें भगवान शिव के योग्य बताया। इसके बाद सारी प्रक्रिया शुरू तो हो गई, लेकिन शिव अब भी सती के विरह में ही रहे। ऐसे में शिव को पार्वती के प्रति अनुरक्त करने कामदेव को उनके पास भेजा गया, लेकिन वे भी शिव को विचलित नहीं कर सके और उनकी क्रोध की अग्नि में भस्म हो गए। तीन हजार सालों तक उन्होंने भगवान शिव को पाने के लिए तपस्या की। इसके बाद भगवान शिव का विवाह पार्वती के साथ हुआ। इस अवसर पर रमेश प्रताप सिंह पूर्व प्रमुख, नागेश प्रताप सिंह, दिनेश उमेश प्रमोद, महेंद्र प्रताप सिंह, विनोद कुमार सिंह, सुरेश सिंह, व स्थानीय रानीगंज पीएचसी स्टाफ मौजूद रहे।

छठें दिन भागवत कथा में बताया गोवर्धन पूजा का महत्व

पट्टी, प्रतापगढ़। पट्टी नगर के रायपुर रोड पर राघव राम उमरवैश्य के निजी आवास पर छठवें दिन श्रीमद्भागवत कथा का संगीतमय वाचन किया जा रहा है। कथा के छठवें दिन कथा वाचक त्रिवेणी प्रसाद दुबे व्यास जी ने भगवान कृष्ण की वाल लीलाओं का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि एक बार श्रीकृष्ण ने यादवों से गोवर्धन की पूजा करने को कहा गया भगवान की बात मानकर सभी लोग गोवर्धन पूजा करने लगे। इस बात की जानकारी इंद्र को लगने पर उन्होंने अत्यधिक वर्षा करवानी शुरू कर दी। तब सारे यादव कृष्ण की शरण में आए जिनको बचाने के लिए भगवान ने गोवर्धन पर्वत को उठा कर सभी को सही सलामत रखा गया।

कायस्थ महासम्मेलन में कायस्थों ने भरी हुंकार

आशीष श्रीवास्तव का जिला अध्यक्ष भाजपा के रूप में अभिनंदन

अखंड भारत संदेश

राज्य मंत्री डा0 अरुण कुमार का स्वागत करते आयोजकगण

प्रतापगढ़। भारत ही नहीं वरन पूरे विश्व में कायस्थ समाज से जुड़े लोगों ने समाज की हर क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन उचित और उन्नत स्वरूप के साथ किया है. यह उद्गार डा. अरुण कुमार सक्सेना वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश शासन ने जनपद में कायस्थ महासभा एवं अभिनंदन समारोह के अवसर पर व्यक्त किया।

वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री ने आज कायस्थ समाज की समग्र सामाजिक भूमिका की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी उच्च शिक्षा के साथ कौशल विकास के क्षेत्र में भी हुनरमंद बनने की सलाह दी। सम्मेलन में नरेंद्र कुमार श्रीवास्तव, राज्य सूचना आयुक्त ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कायस्थ की हर क्षेत्र में भूमिका की सराहना करते हुए आज उन्हें व्यवसाय जगत से जोड़ने बढ़ावा देने का सलाह दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व न्यायाधीश ज्ञान चंद्र ने कहा कि हम कड़ी मेहनत, निष्ठा पूर्ण अध्ययन, को अगर अपने जीवन का लक्ष्य बनाएंगे तो आरक्षण जैसी किसी भी प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना नहीं करना पड़ेगा। सम्मेलन एवं अभिनंदन समारोह को वरिष्ठ अधिवक्ता, उच्च न्यायालय गिरीश चंद्र सिन्हा, पूर्व एमएलसी विंध्यवासिनी कुमार श्रीवास्तव, भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता हरीश श्रीवास्तव एवं जयति श्रीवास्तव उपाध्यक्ष निर्माण एवं श्रम सहकारी संघ लिमिटेड सहित नागेंद्र श्रीवास्तव, सदस्य, जिला पर्यावरण समिति रायबरेली ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर मनीष खरे पुत्र संतोष खरे को सिविल सेवा परीक्षा तथा ऋतिक श्रीवास्तव पीसीएस जे 2022 में सिविल जज जूनियर डिवीजन के रूप में स्थापित मेधावी प्रतिभाशाली व्यक्तित्व के रूप में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के उपरांत, विदित राज की गणपति वंदना और रीता श्रीवास्तव, विशाखा श्रीवास्तव की चित्रगुप्त वंदना गायन के उपरांत किया गया। स्वागत गीत मीना, प्रीति, पूनम, निधि श्रीवास्तव, आदि द्वारा गाया गया। कार्यक्रम में कुंडा से संजय श्रीवास्तव, लालगंज से अजय श्रीवास्तव, रानीगंज से संजय श्रीवास्तव, पट्टी से राजेश्वरी खरे, श्रीमती पूनम श्रीवास्तव डॉ. अतुल श्रीवास्तव आदि ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कायस्थ की राजनीतिक और सामाजिक पृष्ठभूमि पर चर्चा की। कार्यक्रम को सफल बनाने में अमितेंद्र श्रीवास्तव, डॉ. क्षितिज श्रीवास्तव, विश्व दीपक, देश दीपक, गौरव, राजकुमार, आशीष, संतोष खरे, अनिल श्रीवास्तव आदि का विशेष सहयोग रहा। जनपद में काफी लंबे अंतराल के बाद आयोजित इस कार्यक्रम में सभी तहसीलों एवं जनपद के हर कोने से लोगों ने सहभाग किया और कायस्थों की एक जुटता तथा उनकी सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक दशा सुधारने के कारण पर विशेष बल दिया।

आगामी पर्व को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के डीएम एसपी ने दिए निर्देश

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा आगामी पर्व-धनतेरस एवं दीपावली पर्व को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए सम्बन्धित अधिकारियों एवं सम्भ्रान्त नागरिकों के साथ की गई बैठक

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी सुजीत कुमार एवं पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा उदयन सभागार में आगामी पर्व धनतेरस दीपावली,भाईदूज एवं देव दीपावली आदि को सकुशल सम्पन्न कराने एवं शान्ति व कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए सम्बन्धित अधिकारियों व सम्भ्रान्त नागरिकों के साथ बैठक की गई। बैठक में जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने उप जिलाधिकारियों, क्षेत्राधिकारियों एवं थाना प्रभारियों से आगामी पर्व/त्यौहार को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के लिए अब तक की गई कार्यवाही यथा-माँ लक्ष्मी-भगवान गणेश की प्रतिमा की स्थापना व विसर्जन स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही,पीस कमेटी की बैठक एवं पटाखा बिक्री स्थल का चिन्हाकन व निरीक्षण आदि की जानकारी प्राप्त की गई। उन्होंने सम्भ्रान्त नागरिकों की समस्याओं/सुझाओं को प्राप्त करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को तत्काल समस्या का निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि त्यौहार को आपसी सौहार्द एवं भाईचारा के साथ मनाया जाय। जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों एवं क्षेत्राधिकारियों से कहा कि यह सुनिश्चित किया जाय कि पटाखों की बिक्री के लिए अनुमति अवश्य लिया जाय तथा कहीं पर भी अवैध रूप से पटाखा बनाने/बिक्री न होने पायें। त्यौहार पर विशेष सतर्कता बरती जाय, कोई भी अप्रिय घटना न होने पाये। इसके साथ ही उन्होंने सभी एसडीएम एवं सीओ को चिन्हित पटाखा बिक्री स्थल का निरीक्षण कर सुरक्षा के सभी मानकों का अनुपालन सुनिश्चित कराने के निर्देश देते हुए कहा कि पटाखा बिक्री स्थल पर कपडा का प्रयोग न होने पाये तथा आग बुझाने की सामग्री उपलब्ध रहें। उन्होंने सभी ईओ एवं डीपीआरओ को साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था के साथ ही फागिंग एवं एण्टीलार्वा का छिड़काव रोस्टरवाइज सुनिश्चित कराने के निर्देश दियें। उन्होंने सभी ईओ को पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था एवं छठ पूजा के दृष्टिगत घाटों की साफ-सफाई सुनिश्चित कराने के भी निर्देश दियें। उन्होने अधिशासी अभियंता विद्युत को शासन के निदेर्शानुसार विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराने एवं जेई की ड्यूटी लगाकर तथा सीएमओ को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रवार चिकित्सकों की ड्यूटी लगाकर सूची सम्बन्धित थानों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक श्री बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने सभी क्षेत्राधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि आगामी मेलों/ जुलूस के दृष्टिगत आयोजकों से वार्ता कर आवश्यकता अनुसार रूट डायवर्जन आदि कार्यवाही समय से सुनिश्चित कर लिया जाय,जिससे यातायात व्यवस्था सुचारू रूप संचालित रहें। बाजारों में भीड के दृष्टिगत यातायात की सुचारू व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाय। चैन स्नैचिंग तथा महिलाओं के साथ छेडखानी आदि आपराधिक घटनायें न होने पायें,पर्याप्त पुलिस बल की ड्यूटी लगायी जाय। उन्होंने कहा विशेष सतर्कता बरती जाय कि कहीं पर भी सुनियोजित तरीके से जुआ न होने पाये,सुनियोजित तरीके से जुआ होना पाये जाने पर सम्बन्धित के विरूद्ध सख्त कार्यवाही सुनिश्चित किया जाय। किसी भी मिठाई/परचून आदि की दूकान पर पटाखों की बिक्री न होने पाये। छठ पूजा के दृष्टिगत नदियों पर बैरीकेडिंग एवं गोताखोर की उपलब्धता समय से सुनिश्चित कर लिया जाय।इस अवसर अपर जिलाधिकारी अरूण कुमार गोंड, अपर पुलिस अधीक्षक समर बहादुर उपजिलाधिकारीगण व क्षेत्राधिकारीगण सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण एवं सम्भ्रान्त नागरिकगण उपस्थित थे।

वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों को दिया जायेगा कुटीर उद्योग का प्रशिक्षण

आयुष्मान कार्ड बनवाने तथा नियमित अन्तराल पर कैम्प लगवाकर स्वास्थ्य परीक्षण कराने के निर्देश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल के लिए स्वैच्छिक संस्था द्वारा संचालित वृद्धाश्रम की सुचारू संचालनार्थ गठित समिति की बैठक सम्पन्न हुई जिलाधिकारी सुजीत कुमार की अध्यक्षता में कार्यालय कक्ष में वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल के लिए स्वैच्छिक संस्था द्वारा संचालित वृद्धाश्रम की सुचारू संचालनार्थ गठित समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को नियमानुसार वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों का आयुष्मान कार्ड बनवाने तथा नियमित अन्तराल पर कैम्प लगवाकर स्वास्थ्य परीक्षण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रबन्धक वृद्धाश्रम को बुजुर्गों को ठण्ड से बचाव के लिए सभी आवश्यक तैयारियॉ समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रबन्धक वृद्धाश्रम आलोक राय के आग्रह पर जिलाधिकारी ने उपायुक्त उद्योग को वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गो को कुटिर उद्योग से सम्बन्धित प्रशिक्षण दिलाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी दिलीप कुमार एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी नीरज कुमार, सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

गो-संरक्षण की जनपद स्तरीय अनुश्रवण मूल्यांकन एवं समीक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

कौशाम्बी। मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 रवि किशोर त्रिवेदी की अध्यक्षता में उदयन सभागार में गो-संरक्षण के सम्बन्ध में जनपद स्तरीय अनुश्रवण,मूल्यांकन एवं समीक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि इच्छुक आमजन से दान के रूप में पुआल प्राप्त कर गौशालाओं में पहुचाया जाय। उन्होंने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी दिनों में ठण्ड के दृष्टिगत गौशालाओं में गोवंशों को ठण्ड से बचाव के लिए सभी आवश्यक कार्यवाही समय से सुनिश्चित कर लिया जाय। उन्होंने कहा कि जिन चिन्हित चारागाहों में नेपियर घास की बुआई न हो पायी है, उन चारागाहों में शीघ्र नैपियर घास की बुआई सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने सभी पशु चिकित्साधिकारियों से कहा कि गौशालाओं में संरक्षित सभी गौवंशों की ईयर टैगिंग सुनिश्चित किया जाय, कोई भी गोवंश बिना ईयर टैग का न दिखने पायें। उन्होंने कहा कि आवारा घूम रहे गोवंशों को पकडकर गौशालाओं में संरक्षित किया जाय इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी अरूण कुमार गोंड, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ए0के0 सागर, सभी खण्ड विकास अधिकारीगण एवं ई0ओ0 सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अनुशासनहीन चौकी इंचार्ज का वीडियो वायरल

कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के सिंघिया पुलिस चौकी इंचार्ज की लापरवाही का वीडियो वायरल होने के बाद एक बार फिर वर्दी शर्मसार हुई है चौकी इंचार्ज अर्धनग्न बदन डियूटी पर कुर्सी में बैठ कर फरियाद सुन रहे है चौकी इंचार्ज के सामने कुर्सी पर फरियाद लेकर महिलाएं बैठी है चौकी इंचार्ज आरएन सोनकर ने अनुशासन हीनता की सारी हदें पार कर दी है जिससे पुलिस चौकी जाने वाली महिलाओं को शर्मसार होना पड़ता है सिंधिया पुलिस चौकी में तैनात चौकी इंचार्ज के कारनामे को लेकर पूरे दिन चचाएं होती रही है महिला फरियादियों ने चौकी इंचार्ज के इस कारनामे पर आपत्ति दर्ज कराई है आखिर अनुशासन और शिष्टाचार का पाठ पढ़ाने वाली पुलिस कैसे शिष्टाचार और अनुशासन भूल गई है नारी शक्ति मिशन शक्ति की बात करने वाली पुलिस कैसे महिलाओं का सम्मान करेगी मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक ने चौकी इंचार्ज को लाइन हाजिर कर दिया है।

सर्प दंश से किशोर की मौत परिजनों में मचा कोहराम

मवेशी चराकर लौटते समय घटी घटना

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। चरवा थाना क्षेत्र के चौराडीह गांव में रविवार की शाम मवेशी चरा रहे किशोर को बिल में बैठे सर्प ने डस लिया । जिससे उसकी हालत बिगड़ने लगी आनन - फानन में स्वजन उसे झाड़ फूंक के लिए लेगए जहां देर रात उसकी मौत हो गई। घटना को लेकर परिजनों का रोना पिटना मचा रहा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कानुनी औपचारिकताएं परी की।चौराडीह निवासी ज्ञान सिंह प्रयागराज शहर में मजदूरी पर हाथ रिक्शा चलाकर घरवालों का भरण पोषण करते हैं। उनका 12 वर्षीय बेटा रितेश कुमार रविवार को बकरियां को चराने के लिए खेतों की तरफ गया हुआ था। इस बीच वह गांव के ही अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था। इसी बीच उसे बिल में बैठे सर्प ने पैर में काट लिया। जिसके बाद वह चूहा काटने के शक करते हुए पुनः खेलने लगा। कुछ देर बाद उसकी तबियत बिगड़ी तो वह घर आकर बिस्तर पर सोने लगा। तभी परिजनों की नजर उस पर पड़ी तो मुंह से झाक निकल रहा था। यह देख परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गई। आनन - फानन में उसे नजदीकी क्लीनिक लेकर पहुंचे । जहां पर रहे चिकित्सकों ने जहरीले जंतु के काटने की बात कही। जिसके बाद उसे अरई सुमेरपुर सहित कई स्थानों में झाड़ फूंक कराया गया। इसी बीच उसकी मौत हो गई। रात करीब नौ बजे तक जब हालत में सुधार नहीं हुआ तो चायल सीएचसी लेजाया गया। जहां पर डाक्टरों ने उसे मृतक घोषित कर दिया। घटना को लेकर स्वजनों में कोहराम मच गया। स्वजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मां ज्ञानमती बेटे के गम में बेहोश हो जा रही थी। वह छाती पीट - पीट कर रो रही थी।

न्यूज झरोखा

3 सूत्रीय मांगों को लेकर गरजे माध्यमिक शिक्षा संघ के लोग

कौशाम्बी जनपद मुख्यालय मंझनपुर में सोमवार को उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा संघ संयुक्त मोर्चा के नेतृत्व में सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों ने धरना प्रदर्शन नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे और जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित तीन सूत्रीय मांग पत्र सौपा है सौपे गए ज्ञापन के मुताबिक उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग 2023 को वापस लेकर उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड तथा चयन बोर्ड अधिनियम 1982 को पुनर्स्थापित किया जाए सेवा सुरक्षा एवं सेवा शर्तों को बहाल किया जाए मानदेय तथा आउटसोर्सिंग नियुक्तियां तथा जन शिक्षा व्यवस्था के निजीकरण पर तत्काल रोक लगाई जाए पुरानी पेंशन व्यवस्था को बहाल किया जाए इस दौरान तमाम शिक्षक कर्मचारी उपस्थित रहे।

नलकूप की नाली में मिला अधेड़ का शव

कौशाम्बी। सैनी थाना क्षेत्र के गोविंदपुर गोरियों निवासी जय राज उम्र 45 वर्ष पुत्र शिव प्रसाद चौरसिया 05 नवंबर की शाम लगभग 8 बजे अपने घर से खेत की तरफ गया था, लेकिन वापस नहीं लौटा मृत अवस्था में नलकूप के नाली में उसका शव पड़ा मिला है अधेड़ के नाक से ब्लड निकल रहा था घटना के शक में ग्रामीण व हल्का पुलिस उलझे है जानकारी मिलने के बाद मौके पर रोते बिलखते परिवार के लोग भी पहुंच गए हैं ग्रामीणों की सूचना पर पहुँची पुलिस ने अधेड़ के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद अधेड़ की मौत से पर्दा उठेगा।

मतदाता विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण से सम्बन्धित शिकायत कराएं दर्ज

कौशाम्बी। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत दावे/आपत्तियां दिनांक 27 अक्टूबर से 9 दिसंबर 2023 तक प्राप्त की जाएगी। मतदाता सूची में दर्ज नाम तथा प्राप्त दावे/आपत्तियों के संबंध में सुझाव/शिकायत हेतु यदि कोई समस्या हो तो इस सम्बन्ध में कलेक्ट्रेट भवन मंझनपुर जनपद कौशांबी में डिस्ट्रिक्ट कान्टेक्ट सेण्टर स्थापित किया गया है। जनपद के मतदाता विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण से सम्बन्धित किसी भी समस्या/शिकायत को टोल फ्री नम्बर-1950 एवं टेलीफोन नम्बर-05331-232796 पर दर्ज करा सकतें है, समस्या/शिकायत का तत्काल समाधान किया जायेंगा।

सेवामित्र पोर्टल एप काल सेन्टर से सम्पर्क कर कुशल कारीगरों की सेवायें करें प्राप्त

कौशाम्बी। शासन की मंशानुसार समस्त सेवा प्रदाताओं/ वेंडर/ दुकानदार यथा-कारपेंटर,एसी सर्विस मैकेनिक, टैक्सी सर्विस, इलेक्ट्रिशियन, प्लम्बर, रंगाई एवं पुताई आदि की शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के विभिन्न सरकारी संस्थानों एवं आमजनमानस को सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से सेवायोजन विभाग द्वारा सेवामित्र पोर्टल एप काल सेन्टर-155330 विकसित किया गया हैं। यह जानकारी जिला सेवायोजन अधिकारी गौतम घोष ने देते हुए बताया कि काल सेन्टर नं0-155330 पर कॉल कर सेवाओं का उपयोग घर बैठे प्राप्त कर सकतें हैं।

साप्ताहिक रामलीला एवं दो दिवसीय दशहरा मेले का उदहिन बुजुर्ग चौराहा पर होगा आयोजन

कौशाम्बी गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी धनतेरस दिवाली के शुभ अवसर पर उदहिन बुजुर्ग चौराहा पर साप्ताहिक रामलीला एवं दो दिवसीय रात्रिकालीन दशहरा मेला का आयोजन होगा। यह जानकारी मेला एवं रामलीला कमेटी के अध्यक्ष अजय सोनी ने दी है। अजय सोनी के मुताबिक दिनांक 8 नवंबर बुधवार से 14 नवंबर मंगलवार तक रामलीला एवं धनतेरस पर्व और छोटी दिवाली पर्व पर दिनांक 10 नवंबर शुक्रवार एवं 11 नवम्बर शनिवार को रात्रिकालीन दशहरा मेला का आयोजन किया जायेगा। रात्रिकालीन दशहरा मेला के पहले दिन श्रीराम रावण युद्ध एवं रावण वध और मेला के दूसरे दिन श्रीराम भरत मिलाप का भव्य आयोजन होगा। मेले में लाइट की सजावट, साउंड, डी जे के माध्यम से रंगारंग कार्यक्रम और प्रयागराज से आने वाली चौकी मुख्य आकर्षण का केंद्र होगी। अजय सोनी ने आसपास के गांवों कस्बों के लोगों से रामलीला एवं दशहरा मेला में आने की अपील की है।

गांजा के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

कौशांबी। संदीपन घाट थाना पुलिस ने पन्नोई मोड़ के पास से रुखसार पुत्र मस्सन निवासी उजिहनी खालसा को 1 किलो 100 ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया है और लिखा पढ़ी करने के बाद गांजा के धंधे में लगे रुखसार को पुलिस ने अदालत में पेश किया है।

तमंचा कारतूस के साथ एक गिरफ्तार

कौशांबी। संदीपन घर थाना पुलिस ने छबीलवा मोड़ के पास से तमंचा कारतूस के साथ एक शातिर अपराधी अफरोज पुत्र अनीश निवासी महगाव को गिरफ्तार किया है और लिखा पढ़ी करने के बाद शातिर को पुलिस ने अदालत में पेश किया है।

पति को छोड़ मायके गई पत्नी की प्रताड़ना से पीड़ित है युवक

कौशाम्बी। चरवा थाना क्षेत्र के बलीपुर टाटा गांव में शादी के कुछ दिन बाद ही पति को छोड़कर पत्नी दहेज के समान समेत मायके चली गई पति का आरोप है कि पत्नी अब उसे जान से मारने की धमकी दे रही है। साथ ही पत्नी द्वारा एक बार जान लेवा हमला करवा दिया है जिसमें उसका पैर टूट गया था। जिससे पीड़ित पति ने चरवा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। गौरतलब है कि बलीपुर टाटा गांव का रहने वाला ताराचन्द्र साहू पुत्र सांवलदास साहू ने चरवा थाना प्रभारी को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उसकी शादी 7 मई सन 2021 में शिल्पी साहू निवासी आलमचंद थाना संदीपन घाट के साथ संपन्न हुई थी। शादी के थोड़े ही दिनों में ताराचन्द साहू की पत्नी द्वारा शादी में मिले दहेज के समान नगदी गहने और मोटरसाईकिल समेत अपने माता व पड़ोस के व्यक्ति अज्ञात के साथ लेकर चली गई। उसके बाद भी ताराचन्द साहू अपनी पत्नी को बुलाने के लिए अपने ससुराल कई बार गया लेकिन ताराचन्द साहू की पत्नी उसके साथ नही आई। उसके बाद फिर ताराचन्द साहू के पास मंझनपुर न्यायालय से शिल्पी साहू द्वारा सेक्सन 9 की नोटिस भेजवाया। नोटिस आने के बाद शिल्पी साहू एक बार न्यायालय आई थी बस दुबारा नहीं गई। उसके बाद ताराचन्द साहू की पत्नी ने 27 अक्टूबर को तारा सिंह के पास फोन करके हाथ, पैर तुड़वाने व एक्सीडेंट करवाने तथा जान से मारने की धमकी दिया 29 अक्टूबर को ताराचन्द्र साहू मोटरसाईकिल से अपनी बहन को बैठाकर मूरतगंज दवा करवाने जा रहा था। जैसे ही रसूलाबाद उर्फ कोइलहा के पास पहुंचा कि मोटर साइकिल में अज्ञात मोटर साइकिल सवार ने टक्कर मार दिया जिससे ताराचन्द्र साहू और उसकी बहन रोड पर गिर गए जिससे उनको गंभीर चोट आई और दोनों के पैर टूट गए। जिस अज्ञात मोटर साइकिल सवार ने टक्कर मारी थी थोड़ी दूर पर खड़े होकर शिल्पी साहू से बात की इसी दुर्घटना में ताराचन्द्र साहू का पैर टूटा है तथा उसकी बहन का भी पैर टूट गया घटना से ताराचन्द्र साहू और उसका परिवार डरा हुआ है। ताराचन्द्र साहू का कहना है कि उसकी पत्नी और ससुराल वाले किसी भी समय षड्यंत्र के तहत घात कर सकते हैं। मामले को गंभीरता से

सांसद विनोद सोनकर जरूर हारेंगे चुनाव : इंद्रजीत सरोज

भाजपा की सरकार ने नहीं किया विकास, बोले नौकरी खत्म कर 11 महीने की 6 हजार वाली दे रही नौकरी

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। सपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं मंझनपुर विधायक इंद्रजीत सरोज अपने पैतृक गांव में आयोजित सेक्टर बूथ अध्यक्ष सम्मेलन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे। यहां पर उनका जोरदार स्वागत किया गया। इंद्रजीत सरोज ने बेरोजगारी, महंगाई एवं भ्रष्टाचार को मुख्य मुद्दा बनाकर बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार में जिले का कोई विकास नहीं हुआ, इसलिए विधानसभा चुनाव में उनका कोई भी प्रत्याशी नहीं जीता। यह सरकार नौकरी खत्म कर रही है। गांव में 6 हजार वाली नौकरी मिल रही है। वह भी सिर्फ 11 महीने की होती है। जिसे कभी भी निकाल कर फेंक दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार सबकुछ नष्ट कर रही है, ब्राह्मणों के साथ भेदभाव कर रही है, उनका भी मकान गिरा रही है,सूबे के मुखिया को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि योगी के बिरादरी के लोग गुंडे हैं, उनका मकान क्यों नहीं गिर रहा है, हर बिरादरी का मकान गिराया जा रहा है। ये सरकार बहुत अन्याय कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार 5 किलो अनाज देकर बेवकूफ बना रही है। प्याज 80 रुपये तक बिक रही है। टमाटर के बाद प्याज सैकड़ा का छलांग लगायेगी। छुट्टा जानवर सब फसल चट कर रहे हैं। दरोगा लूट रहा है। यहां अधिकारी लूट रहे हैं। बिना पैसे दिए काम नहीं हो रहा है। फीस महंगी हो गई है। लोग अपने बच्चों को पढ़ा नहीं पा रहे हैं। जिले के सांसद अपने विकास के दम पर नहीं बल्कि मोदी जी के नाम पर वोट मांग रहे हैं। उन्होंने कोई विकास किया ही नहीं। इसलिए सांसद विनोद सोनकर चुनाव जरूर हारेंगे।

एसपी ने ली परेड की सलामी

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी बृजेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा पुलिस लाइन में शुक्रवार की परेड की सलामी ली गयी तथा परेड का निरीक्षण किया गया तदुपरान्त निरीक्षण के दौरान एसपी द्वारा परेड में उपस्थित समस्त पुलिसकर्मियों के टर्नआउट का अवलोकन कर बेहतर टर्नआउट मेंटेन करने हेतु निर्देशित किया गया। पुलिस कर्मियों को फिट रहने हेतु दौड़ लगवाई गई एवं टोलीवार ड्रिल कराई गई। तथा डायल-112/पीआरवी की गाडियों एवं ड्रोन कैमरा का निरीक्षण किया गया। परेड के उपरान्त क्वार्टर गार्ड में गार्द की सलामी ली गई तथा गार्द का निरीक्षण किया गया। पुलिस लाइन स्थित एमटी शाखा, आरटीसी बैरक, कैंटीन, कर्मचारी बैरक, मेस का निरीक्षण किया गया एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

10 नवम्बर 2023 को मनाया जायेगा अष्टम आयुर्वेद दिवस

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। गत वर्शों की भांति इस वर्ष भी दिनांक 10 नवम्बर 2023 को अष्टम आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में ह्यह्यहर दिन हर किसी के लिए आयुर्वेदह्यह्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। इस वर्ष भी षासन के निदेर्शानुसार 10 नवम्बर 2023 को आयुर्वेद दिवस बडे. ही धूम-धाम एवं हर्शोउल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर स्कूल तथा कालेजों में छात्र-छात्राओं को आयुर्वेद से संबंधित औशधीय पौधों का ज्ञान कराया जाएगा तथा इन छात्रों के द्वारा औशधीय पौधों का हर्बल गार्डेन तैयार कराया जाएगा। छात्रों के बीच आयुर्वेद से संबंधित प्रतियोगिता भी कराई जाएगी एवं प्रमाणपत्र आदि का वितरण भी किया जाएगा। यह जानकारी क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ अक्षय लाल ने देते हुए बताया कि किसानों को औषधीय पौधों की जानकारी दी जाएगी तथा इनकी खेती के लिए किसानों को प्रेरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जन-सामान्य को स्वास्थ्य से संबंधित जानकारी दी जाएगी यथा-संतुलित भोजन, जीवन शैली, उचित खान-पान एवं व्यायाम आदि की जानकारी दी जाएगी। आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सालयों पर जनमानस के लाभ एवं जागरूकता हेतु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा जिसमें अनुभवी चिकित्सकों द्वारा चिकित्सा परामर्श दिया जाएगा एवं औशधियों का वितरण किया जाएगा। बतादें कि ऐसी मान्यता है कि देवताओं और असुरों के बीच हुए समुद्र मंथन के समय अमृत कलष एवं औषधीय वनस्पतियों लिए भगवान धन्वन्तरि का अवतरण हुआ, जो पृथ्वी पर जन-कल्याण के लिए लाभकारी सिद्ध हुआ। भगवान धन्वन्तरि को आयुर्वेद का जनक माना जाता है। इनके अवतरण तिथि को प्रत्येक वर्ष ह्यह्यआयुर्वेद दिवसह्यह्य के रूप में मनाया जाता है।

लंगूर बंदर के आतंक से ग्रामीण परेशान

कड़ा कौशाम्बी। नगर पंचायत दारानगर कडा धाम के जहांपुर में बन्दर लंगूरों के आतंक से लोग परेशान हैं राहगीर स्कूली बच्चों का गली मोहल्ले से लेकर मुख्य मार्ग से गुजरना मुश्किल हो गया है बंदर मकान के छत पर पानी टंकी पर उत्पात मचाते हुए टंकियां का ढक्कन खोलकर उसके पानी में जमकर नहाते हैं यदि कोई उन्हें भागने के लिए सोचता है तो बंदर उसे काटने के लिए दौड़ते हैं इसके अलावा छत पर सूखने के लिए कपड़ा लोग फैला देते हैं तो उसे बंदर उठा ले जाते हैं सबसे अधिक लंगूर और बंदरों का आतंक नगर पंचायत दारानगर कडा धाम के जहांपुर व शीतला धाम मे है यहां के बंदरों के आतंक से लोग बेहद आतंकित हैं यहां तक की जहांपुर व शीतला धाम के रहने वाले लोगों के रसोई घर में घुसकर बर्तन व पतीले भी उठा ले जाते हैं जिसमें लोग बेहद परेशान हो जाते हैं शीतला धाम के लोगों ने बताया कि यहां तक की दूर दराज से श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं तो उनका प्रसाद छीनकर बन्दर भाग जाते हैं जिसमें स्थानीय लोगों ने वन विभाग के अधिकारियों से मांग किया है कि बंदरो को जंगल में छुड़वाएं।

भूमिधारी जमीन में हिस्सा मांगने पर पट्टीदार दिखाते हैं गुंडई नही देते हिस्सा

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। चरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रमदयाल पुर में अपनी भूमिधरी जमीन में हिस्सा मांगने पर हिस्सेदार को उसके पट्टीदार उसे गाली गलौज करते हुए जान से मार डालने की धमकी देते हैं पीड़ित द्वारा इसकी जानकारी चरवा थाना में दर्ज कराई हालाकि पुलिस शिकायत दर्ज कर आगे की कार्यवाही में जुट गई है। जानकारी के अनुसार रामदयाल पुर के रहने वाले धुन्नू पुत्र राम दुलारे ने चरवा थाना में लिखित शिकायती प्रार्थना देकर बताया कि उसकी भूमिधरी जमीन जिसका आ.स. 1926 नि. रकबा 0.4910 हे. स्थित मौजा काजू का सहसंक्रणीय भूमिधर काशस्तकार हैं। जिस जमीन पर पीड़ित का चाचा धर्मपाल व राजेन्द्र सिंह पुत्रगण स्व सूरजबली व राजेश पुत्र स्व रामकेशव ने धुन्नु की भूमिधरी जमीन को जबरन कब्जा कर के दबंगई के बल पर जोतझबो रहा है। धुन्नू जब भी अपने हिस्से का खेत मांगता है तो उक्त विपक्षी लोग एकजुट होकर उसे भद्दी भद्दी गाली गलौज देते हुए लड़ाई झगड़ा करने पर आमादा हो जाते हैं। धुन्नू का खतौनी में बतौर नाम दर्ज है फिर भी उसके पट्टीदार उसे हिस्सा नहीं दे रहे रहे हैं। धुन्नू के अनुसार उसके पट्टीदार दबंग किस्म के लोग हैं। पुलिस द्वारा मामले की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच पड़ताल में जुट गई है।

भूमिधरी जमीन पर निर्माण कार्य में बाधा बन रहा दबंग

कौशाम्बी। चरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत सटाई गांव में भूमिधरी जमीन पर भी निर्माण कार्य नही करने दे रहा है दबंग पीड़ित व्यक्ति ने चरवा थाने में लिखित शिकायती प्रार्थना देकर की शिकायत सुचना पाकर पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई। सटाई गांव का रहने वाला शिवदानी पाल पुत्र राम लौटन ने थाने में लिखित शिकायती प्रार्थना देकर बताया कि वह अपने भूमिधरी जमीन में छत के ऊपर निर्माण कार्य कर रहा है जिसको लेकर शिवदानी का भतीजा लवकुश और कल्लू पुत्रगण शंकर लाल ने दबंगई के बल पर एकजुट होकर भद्दी भद्दी गाली गलौज देते हुए निर्माण कार्य को रुकवा रहे हैं। शिवदानी से उक्त लोगों पर आरोप लगाते हुए बताया कि पूर्व में भी शंकर लाल द्वारा शिवदानी पर जान लेवा हमला करवाया था जिसके लिए उस पर चरवा थाना में प्रार्थना पत्र देकर सूचित किया गया मगर उस पर मुकदमा दर्ज नहीं किया गया था। गांव के लोगो द्वारा सुलह समझौता लिखा लिया गया था फिर उसके बाद जिससे उसका और उसके लडको का मनोबल बढ़ा गया है जिससे उक्त दबंग थोड़ी थोड़ी बात लो लेकर गाली गलौज और मारपीट पर उतारू हो जाते हैं। शिवदानी ने बताया कि उक्त दबंग किस्म के लोग हैं जिनसे मुझे जान माल का खतरा है। हालाकि पुलिस द्वारा मामले की रिर्पोट दर्ज कर जांच पड़ताल में जुट गई है।

संपादक की कलम से

सोशल मीडिया के ये स्याह पहलु

सोशल मीडिया के नशे को नियंत्रित करने व बड़ी तकनीकी कंपनियों को जवाबदेह बनाने की मांग भारत समेत पूरी दुनिया में उठ रही है। मानसिक स्वास्थ्य को लेकर विश्वव्यापी चिंताये आकार लेने लगी हैं। भारत में भी सोशल मीडिया के नशे के युवाओं के सिर चढ़कर बोलने पर गाहे-बगाहे चिंता जतायी जाती है। इसकी वजह से जहां एक ओर उनकी एकाग्रता भंग होती है, वहीं मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चिंताएं भी परेशान करने वाली हैं। देश में कई ऐसे मामले खबरों की सुर्खियां बने हैं, जब इस लत से रोकने वाले अभिभावकों पर किशोरों द्वारा प्राणघातक हमले किये गये। अब सोशल मीडिया के स्त्रोत संयुक्त राज्य अमेरिका के दर्जनों राज्यों ने युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य को कथित रूप से नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाकर फेसबुक व इंस्टाग्राम की स्वामित्व वाली कंपनी मेटा पर मुकदमें दर्ज कराये हैं। शिकायतकताओं ने आरोप लगाया है कि एक नशे की लत के रूप में सोशल मीडिया को प्रोत्साहित करके मोटा मुनाफा कमाने वाली कंपनियां अपने सामाजिक दायित्वों से बच रही हैं। साथ ही जोड़-तोड़ की कोशिशों से अपने मंसूबों को विस्तार दे रही हैं।

दुनिया भर में अभिभावक, शिक्षक, देखभाल करने वाले व नीति निमार्ता वर्षों से सोशल मीडिया से बच्चों के मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले घातक प्रभावों के बारे में चेताते रहे हैं। कई शोधों के निष्कर्ष हैं कि सोशल मीडिया पर लंबा समय बिताने के चलते किशोरों में अवसाद, चिंता, अनिद्रा व खान-पान संबंधी विकार सामने आए हैं। वहीं मेटा के अधिकारियों की दलील है कि उसने किशोरों व परिजनों को सुरक्षित सुविधा प्रदान करने के लिये कई कारगर विकल्प पेश किये हैं। कानूनी प्रक्रिया के तहत ऑनलाइन रहने के दौरान युवाओं पर पड़ने वाले प्रभावों का जिक्र किया गया है। आरोप है कि इस लत के आदी युवाओं में संवेदनशीलता कम हो रही है। उनमें आत्मबोध से विमुख होने व कल्याण की भावना के प्रति उदासीन होने जैसे भाव उपजते हैं।

सर्व ज्ञात तथ्य है कि बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों द्वारा गैरजिम्मेदार व्यवहार के चलते कई नामचीन कंपनियों मेटा, टिकटॉक व यूट्यूब पर अमेरिका में पहले ही सैकड़ों मुकदमें चल रहे हैं, लेकिन मौजूदा पहल अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई है। यदि इन मामलों में कोई निर्णायक फैसला आता है तो नतीजे वैश्विक प्रभाव वाले हो सकते हैं। इसकी लंबे समय से जरूरत महसूस की जा रही है कि इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के लिये नये ऑनलाइन सुरक्षात्मक प्रावधान किये जाएं। जो कम उम्र के बच्चों के स्वास्थ्य के मद्देनजर निर्धारित हों। विशेषज्ञों की राय है कि सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाना ऑनलाइन सुरक्षा का विकल्प नहीं हो सकता। इसके बजाय डिजिटल साक्षरता और गोपनीयता पर जोर दिया जाना चाहिए। जाहिर है कि सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने के माता-पिता के प्रयासों का बच्चे विरोध करेंगे। इसलिये अभिभावकों को सुरक्षात्मक तरीके से समस्या का समाधान निकालने का प्रयास करना चाहिए। जैसे सोने जाने से पहले स्क्रीन पर बिताए जाने वाले समय को सीमित किये जाने के लिये बच्चों से विमर्श किया जाना चाहिए। उन्हें देर रात तक सोशल मीडिया पर बने रहने से शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले घातक प्रभावों से अवगत कराना चाहिए। उन्हें उस आशंका से मुक्त कराने के प्रयास हों, जिससे उन्हें लगता कि कुछ छूट गया है। उन्हें इस चर्चा के लिये प्रोत्साहित करें कि किस तरह की सामग्री उनके लिये उपयोगी है। उनसे पूछा जाये कि क्या देखने से वे ऊजार्वान महसूस करते हैं या खुद को कमजोर महसूस करते हैं। इस विश्वव्यापी संकट के तमाम तरह के घातक परिणाम देखने में आए हैं। जो अभिभावकों की गहरी चिंता का विषय हैं। इसकी एक मुख्य वजह यह भी है कि बच्चे इंटरनेट पर उपलब्ध अश्लील सामग्री से अपरिपक्व उम्र में रूबरू हो रहे हैं। जिसके चलते समाज में अल्पवयस्कों में यौन अपराधों की वृद्धि घातक स्तर तक हो रही है। वहीं दूसरी ओर बच्चे भी आपराधिक तत्वों की प्रताड़ना का शिकार बन रहे हैं। इस प्रवृत्ति को रोकने के लिये घर व स्कूल में बच्चों को सोशल मीडिया के स्याह पहलुओं से अवगत करना जरूरी है।

भारतीय सनातन संस्कृति का विस्तार भारतीय समाज ही कर सकता है

हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2023 के मुताबिक, अरबपति उद्यमियों की संख्या देश में बढ़कर 1319 हो गई है। लेकिन बड़ी बात यह कि पिछले पांच साल में एक हजार करोड़ से अधिक की संपत्ति वाले लोगों का आंकड़ा 76 फीसदी बढ़ गया है। निश्चित ही भारत की आर्थिक प्रगति एक सुखद संकेत है, साल 2047 तक विकासशील देशों के वर्ग से निकलकर भारत विकसित देश हो जायेगा। एक दशक में भारत दसवें नंबर की अर्थव्यवस्था से तरक्की करके दुनिया की पांचवीं आर्थिक महाशक्ति बन गया। अनुमान हैं दो साल के अंदर हम तीसरी आर्थिक शक्ति बन जाएंगे। इन उल्लेखनीय आर्थिक उपलब्धियों के बीच चिन्तनीय मुद्दा अमीरी गरीबी का बढ़ता फासला एवं गरीबों की दुर्दशा का होना है। अमीर अधिक अमीर हो रहे हैं और गरीब अधिक गरीब, यह एक गंभीर चुनौती है। पांच राज्यों में विधानसभा एवं अगल वर्ष लोकसभा में यह चुनावी मुद्दा बनना चाहिए, पर कोई भी राजनीतिक दल यह नहीं कर पा रहे हैं। विपक्ष के सामने इससे अच्छा क्या मुद्दा हो सकता है? राहुल गांधी ने लगातार गरीबों की दुर्दशा और अमीरों की बढ़ती दौलत का सवाल उठाया है। राजनीति से इतर अर्थशास्त्रियों और विश्व की नामचीन संस्थाओं की रपटों में यह सवाल लगातार रेखांकित हो रहा है। निस्संदेह इस वक्त भारत की आर्थिक विकास दर का सूचकांक दुनिया में सर्वाधिक है। जहां यह भारत के आर्थिक महाशक्ति बनने का संकेत दे रहा है, वही भारत के लिए एक और सूचकांक गरीबी एवं भूखमरी से जुड़ा भी सामने आया है, जो ज्यादा परेशान करने वाला है। भुखमरी एवं गरीबी से जुड़ा यह सूचकांक समृद्धि के सूचकांक के साथ सामने आया है, जो यह बताता है कि आजादी के अमृत महोत्सव तक की यात्रा का लक्ष्य जिस प्रजातांत्रिक समाजवाद एवं समतावादी समाज संरचना का था, वह कहीं पीछे छूटता जा रहा है।

कैंसर को मात देने की चुनौती

अरविंद जयतिलक

दुनिया भर के वैज्ञानिक कैंसर का प्रभावी इलाज खोजने के लिए लगातार शोध कर रहे हैं। उसी का नतीजा है कि आज कीमोथेरेपी के अलावा कई ऐसे उपचार तैयार कर लिए गए हैं जिससे कैंसर को मात देने में सफलता मिल रही है। आंकड़ों पर नजर डालें तो पिछले चार दशकों में कैंसर से उबरने वाले लोगों की संख्या में दो गुना इजाफा हुआ है। यूनिवर्सिटी ऑफ जेनेवा और स्विट्जरलैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ बासेल के वैज्ञानिकों ने एक ऐसा डिजायनर वायरस तैयार किया है जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को अधिक सक्रिय कर कैंसर के प्रोटीन को खत्म कर रहा है। उधरए लंदन के इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर रिसर्च के वैज्ञानिकों ने भी अंडाशय कैंसर के लिए प्रभावी दवा तैयार करने का दावा किया है। आंकड़ों पर गौर करें तो 1991 से अब तक कैंसर से मृत्यु दर में जकरीबन 23 प्रतिशत गिरावट दर्ज हुई है। आज 3०2 करोड़ लोग कैंसर को मात देकर जीवन जी रहे हैं। भारत की बात करें तो यहां सालाना होने वाली कुल मौतों में से तकरीबन 6 फीसदी यानि 3०5 लाख लोगों की मौत कैंसर से होती है। यह दुनिया भर में कैंसर से होने वाली कुल मौतों का 8 फीसद है। एक अन्य आंकड़ें के मुताबिक देश में हर रोज 13000 लोगों की मौत कैंसर से होती है। राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम के मुताबिक वर्ष 2020 में तकरीबन 14 लाख लोगों की मौत कैंसर से हुई। इसके मरीजों की संख्या में प्रतिवर्ष 12०8 फीसद की बढ़ोत्तरी हो रही है। एक अनुमान के मुताबिक वर्ष 2025 में यह बीमारी 15 लाख से अधिक लोगों की जिंदगी लील सकती है। भारत के संदर्भ में कैंसर की प्रमुख वजहों पर नजर दौड़ाएं तो इसके लिए मुख्य रुप से अशिक्षाए कुपोषणए गरीबीए कम उम्र में विवाहए महिलाओं का बार.बार गर्भवती होना और खराब सेहत जिम्मेदार है। अगर इस दिशा में सुधार के कदम उठाएं जाए तो परिणाम बेहतर हो सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि कैंसर के उपचार के विकल्प को मात्र तीन तरीके से पाटा जा सकता है। इसके लिए सबसे पहले वैश्विक समुदाय को विकासशील देशों में कैंसर की जांच के लिए कार्यक्रम चलाने में मदद देनी चाहिए। इसके तहत रेडियोथेरेपी मशीनें उपलब्ध कराने के साथ ही भारत सरकार की राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना की तरह आम लोगों के लिए बुनियादी स्वास्थ्य बीमा को अपनाने का बढ़ावा दिया जाना चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर हर साल कैंसर के उपचार में पूरी दुनिया में 320 अरब डॉलर का निवेश किया जाए तो कैंसर से होने वाली मौतों की संख्या आधी हो जाएगी। अगर सर्वाइकल व स्तन कैंसर से पीड़ित महिलाएं समय रहते पपानीकोलाउ ;पैपद्ध स्मीयर और मैमोग्राम स्क्रीनिंग टेस्ट कराकर तुरंत इलाज कराएं तो इस भयंकर बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। आईएआरसी के मुताबिक बेहतर उपचार होने की स्थिति में बचने वाले पांच मरीजों में से चार विकासशील देशों के होंगे। लेकिन विडंबना है कि कैंसर पीड़ित मरीजों विशेषकर महिलाओं में इस भयावह बीमारी को लेकर जागरुकता का घोर अभाव है। जागरुकता के लिए साल 2016.18 के दौरान ष्वी

कैनए आई कैनष की थीम निर्धारित किया गया। इसका मकसद प्रत्येक व्यक्ति के सामूहिक व व्यक्तिगत स्तर पर वैश्विक रुप से कैंसर की रोकथाम की दिशा में प्रयास करना था। इस थीम के तहत लोगों को अपनी जीवनशैली को स्वस्थ रखकर तथा परिवार एवं समुदाय को इसके प्रति जागरुक रखकर कैंसर की रोकथाम और उससे बचाव की दिशा में जागरुक किया गया। यह इसलिए भी आवश्यक है कि अमेरिकन कैंसर सोसायटी और प्रतिष्ठित मेडिकल जर्नल लैंसेट द्वारा गत वर्ष खुलासा किया गया कि 2030 तक कैंसर से होने वाली मौतों में 60 फीसद का इजाफा होगा और सालाना 55 लाख महिलाओं को अपनी जान से हाथ धोना पड़ सकता है। दरअसल विशेषज्ञों ने शोध में पाया कि वर्तमान समय में दुनिया की प्रत्येक 7 महिलाओं की मौतों में एक की मौत कैंसर से हो रही है। एक अन्य शोध से भी उद्घाटित हो चुका है कि 2030 तक सर्वाइकल ;बच्चेदानी का मुंहद्ध कैंसर से पीडित महिलाओं की संख्या में 25 फीसद का इजाफा होगा। उल्लेखनीय है कि मौजूदा समय में सर्वाइकल कैंसर की चपेट में आकर हर साल दुनिया में तकरीबन 2 लाख 75 हजार महिलाओं की मौत हो रही है। आंकड़ों पर गौर करें तो सर्वाइकल कैंसर के कारण दम तोड़ने वाली महिलाओं की 85 फीसदी आबादी केवल विकासशील देशों से है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की मानें तो कैंसर से सर्वाधिक लोगों की मौत अफ्रीकाए एशिया और दक्षिण अमेरिका में रहने वाले लोगों की होती है। कैंसर के कारण मरने वाले 70 फीसद से अधिक लोग इन्हीं तीन महाद्वीपों के होते हैं। चिंता की बात यह भी कि कैंसर से पीड़ित महिलाओं के सर्वाधिक मामले भी गरीब देशों में ही देखे जा रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक महिलाओं के कैसर के मामलों में 56 से 64 फीसद मौतें गरीब देशों में होती है। उल्लेखनीय तथ्य यह कि गरीब देशों में कैंसर से होने वाली कुल मौतों में दो तिहाई स्तन कैंसर और 10 में से 9 सर्वाइकल कैंसर से होती है। शोधकताओं की मानें तो तेजी से होते आर्थिक बदलाव से बढ़ती शारीरिक निष्क्रियताए असंतुलित खुराकए मोटापा और प्रजनन कारकों के चलते गरीब देशों में कैंसर पीड़ित महिलाओं की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। अगर नियमित शारीरिक गतिविधि को बढ़ावा दिया जाए तो इससे शरीर संतुलित रहेगा और एक तिहाई कैंसर के मामले रोके जा सकते हैं। ष्इंडस हेल्थ प्लसष की रिपोर्ट की मानें तो शहरों में बढ़ते हुए मोटापे के कारण 10 से 12 फीसद जनसंख्या पेट के कैंसर के जोखिम के दायरे में आ गयी है। 25 से 30 वर्ष के आयु वर्ग की 17 फीसद जनसंख्या में धुम्रपान एवं तंबाकू के सेवन के कारण मुख एवं फेफड़े के कैंसर का उच्च स्तरीय खतरा बन गया है। चिकित्सकों का कहना है कि एक तिहाई से ज्यादा कैंसर तंबाकू या उससे बने उत्पादों के सेवन की देन है जबकि एक तिहाई खान.पान व रहन.सहन या दूसरे कारणों हो होते हैं। जहां तक महिलाओं द्वारा तंबाकू का सेवन का सवाल है तो इनकी संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। महिलाओं को तंबाकू के सेवन से बचना चाहिए क्योंकि उनका शरीर तंबाकू के प्रति उच्च संवेदनशील होता है। तंबाकू के सेवन से उनमें सर्वाइकल कैंसर का खतरा ज्यादा बढ़ जाता है। तंबाकू के सेवन के अलावा घर व बाहर का वायु प्रदूषण भी कैंसर के बढ़ते खतरे का शबब बनता जा रहा है। भारत में बढ़ते वायु प्रदूषण के कारण दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में 35 से 45 वर्ष के आयु वर्ग के लोग विभिन्न प्रकार के कैंसर के जोखिम के दायरे में आ रहे हैं जिसके लिए काफी हद तक वायु प्रदुषण भी जिम्मेदार है। वाहन एवं उद्योगों से निकलने वाले जहरीले धुंए से होने वाले प्रदूषण के कारण पिछले वर्ष फेफड़े के कैंसर मामले में 5 से 6 फीसद की वृद्धि हुई है। दक्षिण पूर्व एशिया में यह समस्या ज्यादा विकट है। वर्तमान समय में विश्व के शीर्ष 20 प्रदूषित शहरों में 14 दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र से हैं। हालांकि विश्व कैंसर दिवस के संस्थापक ष्यूनियन फॉर इंटरनेशनल कैंसर कंट्रोल का दावा है कि विकासशील देश में फैली कैंसर की बीमारी उपचार के विकल्प की कमियों का नमूना भर है। यूनियन का कहना है कि अगर ष्एचपीवी टीकाष को कैंसर के मरीजों के बीच अच्छी तरह वितरित किया जाए तो सर्वाइकल कैंसर को समाप्त किया जा सकता है। लेकिन सच्चाई यह है कि विकासशील देशों की इस टीके तक पहुंच ही नहीं है जिसके कारण कैंसर पीड़ितों की मौत का सिलसिला बढ़ता जा रहा है। जबकि कैंसर विशेषज्ञों का कहना है कि कैंसर के 90 फीसद से ज्यादा मरीजों का फस्ट स्टेज में इलाज हो सकता है। पर देखा जाए तो इस स्तर पर ठोस पहल नहीं होती है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर इस दिशा में ठोस पहल नहीं हुआ तो 2025 तक सामने आने वाले कैंसर के नए मामलों में 70 फीसद मामले विकासशील देशों के हो सकते हैं।

स्मार्ट फोन से दूर रख शिशुओं को किलकारियां मारने दे

बाल मुकुन्द ओझा

देशभर में शिशु सुरक्षा दिवस सात नवंबर को मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम प्रत्येक बच्चे के आगे बढ़ने का अधिकार सुनिश्चित करना रखी गई है। देश और दुनिया प्रगति और विकास के नए सोपान स्थापित कर रही है। मगर देखा जा रहा है हम शिशुओं को व्यापक सुरक्षा प्रदान करने में सफल नहीं हो रहे है। युवा पीढ़ी जहाँ शिशु को मां के दूध से वंचित रख रही है वहां स्मार्ट फोन बच्चों को थमा कर उनके भविष्य और सेहत से खिलवाड़ कर रही है। अक्सर देखा गया है अभिभावक जब किसी पार्टी या अन्य कार्य में व्यस्त होते है तो बच्चों को स्मार्ट फोन थमा देते है। बच्चे बोल नहीं पाते मगर मोबाइल की रंगीन दुनियां में डूब जाते है जो उनकी सेहत के लिए बेहद खतरनाक है। इसके अलावा टीवी स्क्रीन से भी शिशुओं को दूर रखना होगा। यह समय शिशुओं के किलकारियों का हैए ऐसे में शिशु सुरक्षा के लिए बेहद जरुरी है की इस प्रकार के कृत्य से बचे। इस दिन को मनाने का उद्देश्य शिशुओं की सुरक्षा के बारे में जागरूकता फैलाना और शिशुओं की उचित देखभाल करके उनके जीवन की रक्षा करना है।

स्वास्थ्य संबंधी देखभाल ना होने के कारण यह समस्या और भी विकराल होती जा रही है। भारत में इस संदर्भ में कई कार्यक्रमों और योजनाओं को जनहित में लागू कर- के शिशुओं की मृत्यु दर को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए है। लेकिन जनसंख्या के बढ़ते बोझ व बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव तथा जागरूकता की कमी के कारण शिशुओं की मृत्यु दर में अपेक्षित कमी नहीं आई है। भारत में हर साल लाखों बच्चे ऐसी बीमारियों के चलते मौत के मुंह में जा रहे हैंए जो निदान योग्य हैं यानी जिनका इलाज मुमकिन है। हमारे देश में सरकारें नवजात शिशुओं को स्वास्थ्य सुरक्षा दे पाने में नाकामयाब और लापरवाह साबित हो रही हैं। नये भारत के निर्माण का सपना हमारा खंडित होता है। देश और समाज की प्रगतिए खुशहाली और विकास उसके नागरिकों के स्वास्थ्य से जुड़ी होती है। जब हम स्वास्थ्य की बात करते हैंए तो इसका संबंध शिशुओं और माताओं से सबसे पहले होता है। जिस समाज में प्रतिवर्ष लाखों नवजात शिशु अकाल मृत्यु का शिकार हो जाते हैं उसे हम खुशहाल समाज कैसे कहेंगेए यह प्रत्येक देशवासी के लिए चिंतन और मंथन का विषय है। इसे केवल चर्चाए बयान और जाँच के नाम पर नहीं नकारा जा सकता। सरकार ने राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन और तथा एनआरएचएम कार्यक्रम के तहत इस दिशा में सशक्त पहल जरूर की है जिसमें यूनीसेफ भी सहयोगी की भूमिका में है लेकिन इस प्रयास में जितने आर्थिक संसाधनों की दरकार है वे पर्याप्त नहीं है इसके लिए जनभागीदारी को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। यूनीसेफ का कहना है कि शिशुओं की अकाल मौत के ज्यादातर मामले निम्न आय वर्ग के परिवारों में होते हैं जहां कुपोषण एशारीरिक दोष और मलिन वातावरण की समस्या बच्चे के जन्म से पहले ही मौजूद रहती है। ऐसे में अकेले सरकार के लिए इन स्थितियों को सुधारना मुमकिन नहीं हैए इसके लिए समाज के हर जिम्मेदार व्यक्ति को सहयोगी की भूमिका में आना होगा। बच्चे के लिए मां का दूध अमृत के समान है लेकिन स्तनपान ना कराने से बच्चे बीमार जल्दी हो जाते हैंए जिसके कारण नवजात शिशु में असमय काल के गाल में समा जाते हैं सही पोषण के अभाव में भी बच्चे दम तोड़ देते हैं। वहीं ग्रामीण इलाकों में प्रशिक्षित दाइयो के अभाव के कारण भी कई प्रकार की समस्याएं जन्म ले लेती है। नवजात शिशुओं का स्वास्थ्य माता के स्वास्थ्य से जुड़ा होता है इसलिए माँ को गर्भावस्था पूर्व से अपने स्वास्थ्य का विशेष ख्याल रखना चाहिए। महिलाओं के शरीर में में खून की होती हैए जिसके लिए गर्भावस्था पूर्व से ही उन्हें आयरन फॉलिक एसिड की गोली का सेवन करना चाहिएए। इसके साथ ही इस दौरान उन्हें आयरन युक्त आहार के सेवन को प्राथमिकता देनी चाहिए। गर्भावस्था के बाद प्रसव पूर्व जांचए टेटनस टीका भी गर्भवती महिला को लेना जरूरी होता है। प्रसव के बाद नवजात शिशुओं के बेहतर स्वास्थ्य के लिए जन्म के 1 घंटे के भीतर स्तनपानए 6 माह तक केवल स्तनपानए कंगारू मदर केयरए शिशुओं के निमोनिया जांच एवं टीका उनके बेहतर स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है।

बागी एवं बगावती होते टिकट वंचित नेता

– ललित गर्ग–

पांच राज्यों के विधानसभा से पहले अनेक राजनीतिक दलों एवं उनके नेताओं के बीच बड़ी ऊंठापटक, खींचतान एवं चरित्रगत बदलाव देखने को मिल रहे हैं। राजस्थान एवं मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी एवं कांग्रेस ही आमने-सामने की स्थिति में है, लेकिन टिकट बंटवारे को लेकर इन दोनों ही दलों में दोनों ही राज्यों में व्यापक बदलाव देखने को मिल रहा है। दोनों ही दलों में अपने आपको पार्टी का सर्वेसर्वा मानने वाले नेताओं की इस बार टिकट बंटवारे में दाल नहीं गली और वे अपने चेहतों को टिकट देने में नाकाम साबित हुए, जिससे दोनों ही दलों में भारी असंतोष एवं विद्रोह देखने को मिल रहा है। प्रदेश के शीर्ष नेताओं को भी टिकट न मिलने से बागी एवं बगावती स्वर उभर रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल तो यह है कि क्या अब चुनाव का टिकट पाना या उसका कटना ही नेताओं के जीवन-मरण का प्रश्न बन गया है? क्या पार्टी के प्रति बफादारी का गुब्बारा एक टिकट न मिलने की सूई से ही हवा शून्य हो गया है? एक प्रश्न और है कि टिकट क्या किन्हीं नेताओं की बपौती है, फिर बाकी कार्यकताओं का क्या वजूद है जो सालों से पार्टी के लिये जी-जान लगाये होते है? क्या राजनीति अब सबसे ज्यादा लाभ और रौब का धंधा बन चुकी है? लोकतंत्र में जब मूल्य एवं सिद्धान्त कमजोर हो जाते है और सिर्फ निजी हैसियत को ऊंचा करना ही महत्वपूर्ण हो जाता है वह लोकतंत्र निश्चित रूप से कमजोर हो जाता है।

अफसोस, कि जिस जन की सेवा के लिए चुनाव टिकट रूपी एंट्री पास तैयार किया गया है, वह ह्यजनह्ण पहले भी हतप्रभ था, आज भी है और शायद आगे भी रहेगा। क्योंकि आम मतदाता तो पहले भी ठगा जाता था, गुमराह किया जाता था। आज भी उसके साथ यही हो रहा है? टिकट की दौड़ के लिये सक्रिय होने एवं पांच साल में केवल चुनाव के समय नजर आने वाले उम्मीदवारों को दोनों पार्टियों ने टिकट न देकर एक नया उदाहरण प्रस्तुत किया है। राजनीति में ऐसे ही साहसिक एवं अभिनव प्रयोग की अपेक्षा है, ताकि राजनीति में प्रतिनिधित्व की पात्रता किन्हीं सीमित हाथों से बाहर आये एवं नये चेहरों को अपना हूनर दिखाने का अवसर मिले।

राजस्थान विधानसभा चुनावों के लिए नामांकन के आखिरी दिन अनेक चेहरों को निराशा हाथ लगी है। भाजपा की आखिरी लिस्ट आ चुकी है, लेकिन इस लिस्ट में केंद्रीय नेतृत्व ने वसुंधरा राजे को किनारे कर दिया है। भाजपा ने इस बार वसुंधरा राजे के कई समर्थकों के टिकट काट दिए हैं। इनमें अशोक परनामी, अरूण चतुर्वेदी प्रमुख है और दोनों नेता ऐसे है जो पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष भी रह चुके है। इनके साथ ही पूर्व मंत्री एवं राजे के खास यूनुस खान का भी टिकट काट दिया गया है। राजपाल सिंह शेखावत और राव राजेन्द्र का टिकट भी पार्टी ने काट दिया है। कांग्रेस में भी ऐसे अनेक महत्वपूर्ण चेहरों को निराशा हाथ लगी है। टिकट न मिलने से पार्टी के इन वफादार सैनिकों के स्वरों में भी बगावत देखने को मिल रही है। निश्चित ही दोनों ही दलों में टिकट बंटवारे में आजमाये इन नये प्रयोगों का व्यापक असर देखने को मिलेगा। राजस्थान के अनेक राजनीतिक विश्लेषकों से चर्चा से यह तथ्य भी सामने आया है कि दलों में हो रहे इन बदलावों का नकारात्मक ही नहीं, सकारात्मक परिणाम भी सामने आयेगा।

चुनाव के समय राजनीतिक दलों में टिकट वितरण को लेकर असंतोष होना स्वाभाविक है। जो राजनीतिक कार्यकर्ता वर्षों मेहनत करे और टिकट वितरण के समय उसे दरकिनार कर दूसरे या किसी आयातित व्यक्ति को टिकट दे दिया जाए तो राजनीति में निष्ठा और समर्पण का पैमाना अपने आप ध्वस्त होने लगता है। वैसे भी हर पार्टी में एक सीट पर टिकट के एक से अधिक आकांक्षी होते हैं। दलों की संवैधानिक मयार्दा एवं सीमाएं हैं कि वे चुनाव में किसी एक को ही टिकट दे सकती हैं। ऐसे में बाकी को या तो पार्टी के अधिकृत उम्मीदवार का समर्थन करना होगा या फिर दूसरे किसी दल से टिकट लेकर अथवा निर्दलीय चुनाव में खड़ा होना होगा। टिकट न मिलने वालों को अपनी नाराजगी प्रकट करने का अधिकार है, वे चाहे तो पार्टी हाई कमान और टिकट वितरणकताओं के सामने खुलकर अपनी नाराजगी का प्रदर्शन कर मन को हल्का करे या अनैतिक विकल्प के तौर पर पार्टी में रहकर ही भीतरघात कर पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी को हरवाकर अपनी उपेक्षा का बदला ले और अगले चुनाव में अपनी उम्मीदवारी का खाता खुला रखे। राजस्थान में ऐसे ही सीन बन रहे हैं, अब विरोध के प्राचीन तरीकों जैसे कि नारेबाजी, धरना प्रदर्शन से मीलों आगे जाकर शीर्ष नेताओं के घरों के सामने आत्मदाह करने, पार्टी दफ्तरों पर हमले, नेताओं के कपड़े फाड़ने, हाथापाई, सामूहिक इस्तीफे और टिकट कटने के बाद मातमी अंदाज में जार-जार आंसू बहाने की स्थितियां समाप्त हो गयी है।

अब तो पार्टियों में विरोध प्रदर्शन का सबसे सशक्त हथियार निर्दलीय चुनाव लड़ना या भीतरघात करना ही देखने को मिल रहा है। मानो सभी दलों में अनुशासनहीनता और अराजकता की एक अघोषित स्पर्द्धा चल रही हो, जिसमें हर असंतुष्ट अपने गिरोह के साथ दूसरे को पीछे छोड़ने की दबंगई में लगा है। ऐसा नहीं है कि आला नेताओं को कार्यकताओं के इस तरह उग्र अथवा बागी होने का अंदाजा न हो। लेकिन पार्टियां चुनाव का टिकट बांटती हैं तो टिकट देने और टिकट काटने के उसके अपने पैमाने होते हैं। उनकी अपनी सीमाएं भी होती है।

टिकट बंटवारे में आलाकमान बहुत बारीकी से निर्णय लेता है, महीनों तक भीतर-ही-भीतर योग्य उम्मीदवार की पात्रता के संबंध में पार्टी की चलने वाली गंभीर विश्लेषण-जांच एवं अनुसंधान की गहरी भूमिका होती है, अब कोई धमक, सेवा एवं पैसा काम नहीं आता। यहां तक बड़े नेताओं के निजी संबंध भी अब कारगर नहीं रहे। एक-एक पात्र उम्मीदवार पर हर कोण से गंभीर रिपोर्ट तैयार होती है और वही टिकट बंटवारे का माध्यम बनती है। इसलिये अब बगावत एवं विद्रोह के उतने नुकसान भी नहीं देखने को मिलते, जितने पहले हुआ करते थे। पार्टी हित में शीर्ष नेतृत्व ऐसे बगावती स्वरों को शांत करने की पूरी कोशिश करता है। राजस्थान में अनेक टिकट वंचित उम्मीदवार छोटे दलों के टिकट पर या निर्दलयी चुनाव मैदान में उतरने का एलान कर चुके हैं। हालांकि, नाराजों को बिठाने और चुप कराने के लिए दोनों दलों में बड़े नेता साम-दाम-दंड-भेद सभी तरीके अपनाने में लगे हैं।

नदी की बढ़ाई गहराई, सैकड़ों ट्रैक्टर निकला मलबा, दूसरे दिन भी पोकलेन ने की खुदाई

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। दूसरे दिन मन्दाकिनी नदी में पोकलेन मशीन ने नदी की गहराई 50 मीटर बढाई। नदी सिल्ट खुदाई व सफाई हुई। लगातार कई दिनों तक नयागांव रपटा से बूडे हनुमानजी के बीच मशीन काम करेगी। नदी की गहराई बढाने के बाद नदी के बीच में बने टीले को हटाया जाएगा।

सोमवार को बुंदेली सेना जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने बताया कि नयागांव रपटा से बूडे हनुमानजी मंदिर के बीच नदी में प्रदूषण रहता है। जिलाधिकारी के निर्देश पर सिंचाई विभाग ने पोकलेन मशीन नदी में उतारी है। रविवार से मशीन नदी में उतरी। सोमवार तक 50 मीटर लम्बी नदी को एक से डेढ़ मीटर गहरा किया। सैकड़ों टैज्क्टर मिट्टी व मलबा नदी से बाहर किया। सिंचाई विभाग के एई गुरु प्रसाद व बुंदेली सेना जिलाध्यक्ष अजीत सिंह मौके पर डटे रहे। सिंचाई विभाग के एक दर्जन सफाई कर्मियों की टीम सीढ़ियों व नदी की सफाई में जुटी रही। रघुवीर सिंह मेठ की ड्यूटी मेले दौरान नदी घाटों की सफाई में लगाई गई है।

दीपावली मेला पर यातायात रुट डायवर्ट

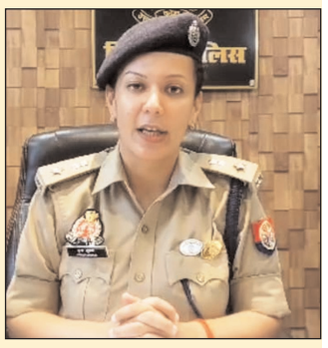

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। दीपावली/सोमवती अमावस्या मेला के मद्देजनर श्रद्धालुओं की सुरक्षा व संभावित हादसों की रोकथाम को जारी प्रयास में शहर मेला क्षेत्र में भारी एवं मध्यम माल वाहनों को आपातकाल में प्रवेश एवं परिवहन नौ नवम्बर को सवेरे छह बजे से 14 नवम्बर की रात साढे नौ बजे तक प्रतिबन्धित रहेगे।

सोमवार को पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृन्दा शुक्ला ने बताया कि परिवर्तित मार्ग मेला के नजदीक होने से श्रद्धालुओं/तीर्थ यात्रियों का आवागमन मेला क्षेत्र से होगा। तीर्थ यात्रियों की भीड़ का दबाव कम होने की दशा में नौ-दस की रात 12 बजे से सवेरे चार बजे तक भारी वाहनों के आवागमन को नोइंट्री खोली जायेगी। 11, 12 व 13 को परिवर्तित मार्गों पर भी नोइंट्री प्रभावी रहेगी। प्रयागराज से बांदा व सतना जाने वाले भारी वाहन बोड़ी पोखरी चैराहा से राजापुर होते हुये कमासिन मार्ग से बांदा जायेंगे। प्रयागराज से सतना की ओर जाने वाले भारी वाहन भौरीं गांव के पास चर सोमनाथ नहर पटरी कट से ऐंचवारा होकर मानिकपुर वाया मारकुण्डी से सतना जायेंगे। बांदा से प्रयागराज की ओर जाने वाले भारी वाहन बबेरू, कमासिन, राजापुर से प्रयागराज जायेगें। कौशाम्बी से सतना जाने वाले भारी वाहन राजापुर से बोड़ी पोखरी से भौरीं गांव के पास चर सोमनाथ नहर पटरी कट मार्ग से ऐंचवारा होकर मानिकपुर वाया मारकुण्डी से सतना जायेंगे। सतना से प्रयागराज की ओर वाहन बड़ी पाटिन तिराहा मप्र से मारकुण्डी, मानिकपुर व सरैंया से अगरहुण्डा होते हुये बोड़ी पोखरी से प्रयागराज जायेंगे। सतना से कौशाम्बी की ओर वाहन बड़ी पाटिन तिराहा मप्र से मारकुण्डी, मानिकपुर व सरैंया से अगरहुण्डा होते हुये बोड़ी पोखरी से वाया राजापुर होकर कौशाम्बी जायेंगे।

सड़क हादसे में छात्रा की मौत में चालक पर 2.035 लाख जुमार्ना

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। डम्फर की ठोकर लगने से छात्रा की मौत मामले में दोष सिद्ध होने पर सत्र न्यायाधीश विकास कुमार प्रथम ने चालक को 203500 रूपए के जुमार्ना से दंडित किया। एक वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है।

सोमवार को जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी श्याम सुन्दर मिश्रा ने बताया कि सरधुवा थाना क्षेत्र के राजापुर कमासिन मार्ग में 31 दिसम्बर 2022 को सड़क हादसे में साइकिल सवार छात्रा गौरी पुत्री पवन मिश्रा की मौत हो गई थी। मृतका के चाचा अर्की निवासी रामनरेश मिश्रा पुत्र बृजमोहन ने थाने में रिपोर्ट लिखाई थी। उन्होंने बताया कि वह भी भाई रमाशंकर मिश्रा के साथ राजापुर जाने को अर्की मोड़ पर खड़े थे। रास्ते में अर्की मोड़ से सड़क किनारे खड़ी गौरी उन लोगों से बात करने लगी। सरधुवा की ओर से आ रहे तेज रफ्तार डम्फर ने गौरी को ठोकर मार कर कुचल दिया। मौके पर ही मृत्यु हो गई। इसके बाद बेकाबू होकर डम्फर पलट गया। चालक डम्फर छोड़कर भाग गया। घटना को लेकर मृतका के परिजनों व क्षेत्रीय ग्रामीणों ने आक्रोश जताते हुए आवागमन बाधित किया। डम्फर चालक के विरूद्ध कार्यवाही की मांग की। मौके पर पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों ने कार्यवाही का भरोसा दिया। पुलिस ने मामले को दर्ज कर आरोपी डम्फर चालक कौशाम्बी जिले के अफजलपुर कड़ा धाम निवासी अंकित मिश्रा पुत्र आदित्य नारायण मिश्रा को जेल भेजा था। न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल करने के बाद से वह अब तक जेल में है। बचाव व अभियोजन पक्ष के अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद सोमवार को सत्र न्यायाधीश विकास कुमार प्रथम ने आरोपी अंकित मिश्रा को दोष सिद्ध करार देते हुए 203500 रूपए के जुमार्ना व एक वर्ष के कारावास से दंडित किया।

ज्ञापन सौंप जलाई एफआईआर की प्रतियां

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। किसान सभा ने अखिल भारतीय विरोध दिवस पर न्यूज क्लिक के पत्रकारों के खिलाफ केन्द्र सरकार की कराई एफआईआर की प्रतियां जलाई। राष्ट्रपति संबोधित ज्ञापन तहसीलदार कर्वी को सौंपा। मांग की कि गिरफ्तार पत्रकारों को रिहा किया जाए। एफआईआर वापस ली जाये। जनविरोधी एवं यूएपीए काले कानून को वापस लिया जाए।

सोमवार को उप्र किसान सभा के राज्य कार्यकारिणी सदस्य का रूद्र प्रसाद मिश्र एड ने न्यूज क्लिक पर झूंठी रिपोर्ट, किसान आंदोलन को राष्ट्र-विरोधी, विदेशी, आतंकवादी ताकतों से वित्तपोषित होने के आरोप लगाते हुए रिपोर्ट वापस लेने, गिरफ्तार पत्रकारों प्रबीर पुरकायस्थ व अमित चक्रवर्ती को रिहा करने, जबरदस्त काले कानून यूएपीए को रद्द करने की मांग उठाई।

इसके पहले किसान सभा ने प्रदर्शन कर उपजिलाधिकारी सदर कार्यालय के सामने एफआईआर की प्रतियां जलाई। नारे लगाते हुए तहसील परिसर में जुलूस सभा में बदल गया। मोदी सरकार से मांग किया कि न्यूज क्लिक पर झूंठी एफआईआर वापस लेकर रिमांड में लिए न्यूज क्लिक के पत्रकार को रिहा किया जाए। इस मौके पर का वीरबहादुर सिंह, रामसहाय सिंह, लल्लूराम त्रिपाठी, शिवम द्विवेदी, किसान सभा के जिला सचिव का राजाराम सिंह, देवनारायण, शिवप्रसाद विश्वकर्मा, मुन्ना, किसान नेता राजेंद्र प्रसाद, सुभाष चन्द्र, व का तुलसा आदि मौजूद रहे।

अभिलेखों में आज भी दर्ज है 144 सरकारी सडक-कुआ

प्रशासन की नाकामी का सबूत नहीं तो और क्या है?

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिला मुख्यालय कर्वी एवं क्षेत्र की जमीनों की बारीकी से जानकारी रखने वाले पूर्व लेखपाल/वयोवृद्ध अमीर हसन ने जिला मुख्यालय की सरकारी सडक नम्बर 144 व कुआ होने की पुष्टि की है। उन्होंने और भी तमाम सरकारी जमीनों पर लोगों के अवैध कब्जे की भी जानकारी दी है।

ये खुलासा उन्होंने सोमवार को किया। बताया कि सरकारी सडक नम्बर 144 व कुआ पर पूर्व ठेकेदार महेश चैबे व हीरामन जायसवाल तथा राधेरमन पाण्डेय के अवैध कब्जे हैं। महेश चैबे का घर गाटा संख्या 162 पर बना है। इसी तरह से हीरामन व राधेरमन पाण्डेय के भी गाटा संख्या अलग-अलग हैं। झांसी-मिजार्पुर राजमार्ग का गाटा संख्या 172 है। जिला अभिलेखागार के आरआरके बाबू चुनकावन प्रसाद ने बताया कि अभिलेखागार ने कर्वी सरकार का भू-चित्र उपलब्ध नहीं है, जबकि कर्वी लेखपाल महेन्द्र सिंह ने भी पुष्टि की है कि नक्शे के मुताबिक 144 नम्बर सडक व 172 नम्बर हाईवे है। ऐसे में खतौनी में भी सडक ही दर्ज है।

इससे साफतौर पर जाहिर है कि 144 नम्बर सडक पर ही उक्त तीनों ने अवैध कब्जाकर दुकानें बनाकर दसों लाख रुपये साल में वसूल रहे हैं। जिला प्रशासन इनके अवैध कब्जे न ढहाकर अपनी नाकामी का सबूत नहीं दे रहा तो ये क्या है? सरकारी सडक 144 पर अवैध कब्जे कर दुकान बनाने वालों ने अपने घर इस अंदाज में बनाये हैं कि उन्हें प्रशासन गिरा भी दे तो उन पर कोई आंच नहीं आयेगी। वे तो तब तक शान्त हैं, जब तक कि प्रशासन उनके दरवाजे पर बुलडोजर लेकर नहीं पहुंच रहा। उन्होने इस बाबत किसी सक्षम अदालत में कोई मामला भी नहीं दायर किया है, क्योंकि उनके अवैध कब्जे से लेकर आज तक शासन-प्रशासन ने अवैध कब्जे हटाने की पहल नहीं की है।

सरकारी सडक का नम्बर है 144

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। भूलवश सरकारी सडक का नम्बर 441 ये संवाद्दाता अब तक लिखता आ रहा है, जबकि सरकारी सडक का नम्बर 144 ही है। ये बात पूर्व लेखपाल अमीर हसन से बातचीत के बाद स्पष्ट हुई है। अतः सभी लोग सरकारी सडक का नम्बर 144 ही पढें व जानें।

भ्रष्टाचार-उत्पीड़न के आकंठ डूबा सूबाः का अमित

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। भाकपा कैंप कार्यालय में जिला कौंसिल की बैठक का महेंद्र प्रताप की अध्यक्षता में हुई। सर्वसम्मति से हापुड़ अम्बेडकर व बीएचयू में छात्राओं से हुई दरिंदगी की निन्दा की गई। का अमित यादव एड जिला सचिव सीपीआई ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के चुनाव क्षेत्र वाराणसी में बीएचयू की आईआईटी छात्रा के साथ हुयी वारदात हर नागरिक को झकझोरने वाली है।

ज्ञात है कि आईआईटी से बीटेक कर रही छात्रा बुधवार को डिनर बाद परिसर में टहलने निकली थी। बुलट सवार तीन शोहदों ने वारदात की। असलहों के बल पर रोक कर धमकाया। साथी छात्र की पिटाई की। छात्रा के कपड़े उतरवा कर छेड़खानी व अश्लील हरकतें की। दुस्साहसी शोहदों ने उसी हाल में छात्रा का वीडियो बनाया, उसका मोबाइल छीन लिया। भाजपा की डबल इंजन सरकार यूं तो सभी मोर्चे पर विफल है। कानून व्यवस्था के मोर्चे पर तो और भी विफल है। बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाली सरकार के शासन में हापुड़ में छात्रा का मोबाइल लूट वाहन से घसीटा। गंभीर घायल छात्रा की दर्दनाक मौत हो गई। अंबेडकर नगर में दिन दहाड़े 12वीं की छात्रा का दुपट्टा खींचकर गिराने व मोटरबाइक चढ़ा कर मार डालने की घटना भी कोई भूला नहीं है। पूरे प्रदेश की जनता भाजपा सरकार की बढ़ाई मंहगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार व उत्पीड़न से त्रस्त हैं। बैठक में का रामप्रसाद सिंह, का चंद्रपाल पाल, का महेंद्र पाल, का कमलेश, का संदीप पांडे, का सुशील, का रवि करन, का रणधीर, का बलदेव विश्वकर्मा, का हनुमान ने संबोधित किया।

आरआरसी सेंटर निर्माण को चयनित भूमि पर रखी मूर्तियां

सौहार्द बिगाडने का अराजक कर रहे कुप्रयास

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। स्वच्छ भारत मिशन के तहत सरकार गांवों में आरआरसी सेंटर बनवा रही है, ताकि गांव का कूड़ा- कचरा एक जगह एकत्रित हो सके। आरआरसी सेंटर निर्माण में ग्रामीण बाधायें खडी कर रहे हैं। इससे आरआरसी सेंटर निर्माण अधर में लटकता दिख रहा है।

सोमवार को ऐसा ही एक मामला सदर ब्लॉक कर्वी के तरांव गांव में देखने को मिला। बताया गया कि तरांव की प्रधान स्नेहलता ने एसडीएम सदर व बीडीओ कर्वी को लिखे पत्र में कहा कि स्वच्छ भारत मिशन से आरआरसी सेंटर निर्माण को भूमि चयनित कर निर्माण प्रस्तावित है।

तरांव में आरआरसी सेंटर निर्माण 946 रकबा 0.251 हे में से 0.044 हे भूमि प्रबंधन समिति ने प्रस्तावित किया था।

प्रस्तावित स्थल पर लेखपाल ने पैमाइश कर चिन्हित स्थल पर पांच नवम्बर को अवर अभियंता ने लेआउट पास कर मजदूरों ने पिलर खुदाई शुरू किया था।

5/6 की रात विजय नारायण पुत्र राम प्रकाश रुपौलिहा ने शासकीय कार्य में बाधा खडी कर निर्माण स्थल पर रात में पक्का चबूतरा बनाकर भगवान शिव व बजरंग बली की मूर्ति रख दी। निर्माण स्थल पर पानी भरकर कार्य में बाधा खडी किया है। इससे आरआरसी सेंटर को चयनित जगह पर मूर्ति रखने से सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने के आसार बन रहे हैं। प्रधान ने एसडीएम व बीडीओ को लिखे पत्र में चयनित स्थल पर रात में चबूतरा बनाकर मूर्ति रखने वालों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की मांग की है।

मोटे अनाजों के सेवन से दूर होंगी बीमारियां

मिलेट्स जागरूकता को निकला रोड शो

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। मिलेट्स जागरूकता के तहत कलेक्ट्रेट सभागार से जिला स्तरीय रोड शो को जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द, भाजपा जिलाध्यक्ष लवकुश चतुवेर्दी, सांसद प्रतिनिधि शक्ति प्रताप सिंह तोमर, कोआपरेटिव बैंक अध्यक्ष पंकज अग्रवाल ने हरीझंडी दिखाकर प्रचार वाहन/ मोटरबाइक दल को रवाना किया। प्रचार वाहन/प्रचार दल कलेक्ट्रेट सभागार से एलआईसी चैराहा, ट्रैफिक चैराहा, पटेल चैक, खोह, मानिकपुर, प्रयागराज रोड़ तिराहा होते हुए मिलेट्स जागरूकता का प्रचार किया।

सोमवार को जिलाधिकारी ने बताया कि मिलेट्स श्री अन्न फसलों को बढावा देने को जागरूकता जारी है। मिलेट्स उत्पादन से किसान एवं एफपीओ विभिन्न उत्पाद तैयार कर आय करेंगे। श्री अन्न के उपयोग से कुपोषण समेत गम्भीर बीमारियों से निजात मिलेगी। भाजपा जिलाध्यक्ष लवकुश चतुवेर्दी ने कहा कि श्री अन्न बहुत उपयोगी है। बड़ी-बड़ी बीमारियों से लोग बचेंगे। बीमारी न होने से आय में बचत होगी। किसान भाई श्री अन्न फसलों का अधिक उत्पादन करें। उप कृषि निदेशक राजकुमार ने कहा कि जागरूकता रोड शो से मिलेट्स फसलों को बढ़ावा एवं लाभ के बारे में किसानों को जागरूक किया जा रहा है। क्षेत्र में किसानों को प्रोत्साहित कर अधिक मिलेट्स उत्पादन करने को प्रयास जारी हैं। मिलेट्स जागरूकता रोड शो में भूमि संरक्षण अधिकारी तुलसीराम, उप सम्भागीय कृषि प्रसार अधिकारी सत्येन्द्र सिंह, सहायक लेखाधिकारी ख्याली लाल, क्षेत्रीय कर्मचारी समेत भारी तादाद में किसान मौजूद रहे।

इंडी गठबंधन ने बिहार में मुस्लिम तुष्टिकरण का काम किया है, इसको रोका ना गया तो सीमांत क्षेत्र के अंदर बहुत बड़ी दिक्कत आने वाली है : अमित शाह

करनाल

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता अमित शाह ने बिहार केमुजफ्फरपुर में एक विशाल रैली को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन के दौरान कश्मीर से लेकर राम मंदिर तक का जिक्र किया। इस मौके पर नीतीश कुमार को 'पलटूराम' का दर्जा देते हुए शाह ने स्पष्ट किया कि, ह्यइंडी गठबंधन ने बिहार में मुस्लिम तुष्टिकरण काकाम किया है, इसको रोका ना गया तो सीमांत क्षेत्र के अंदरबहुत बड़ी दिक्कत आने वाली है ह्ल शाह ने छठ मैया से भी प्रार्थना की कि, बिहार जंगलराज और पलटूराम से मुक्त हो। बिहार की जनता यह जान चुकी है कि, बिहार में जाति आधारित गणना की रिपोर्ट एक छलावा है। तुष्टिकरण की राजनीति के तहत यादवों और मुस्लिमों की आबादी को बढ़ाकर दिखाई गई और अति पिछड़े समाज की संख्या को काफी कम दिखाया गया है। अति पिछड़े समाज के साथ लालू-नीतीश की जोड़ी नेधोखा किया है। बिहार सरकार का यह जातिगत सर्वे तुष्टिकरण से प्रेरित है, इसमें बिहार के अति-पिछड़ों के साथ अन्याय हुआ है।पलटूराम नीतीश कुमार नेहमेशा बिहार की जनता के जनादेश का अपमान किया है। पलटूराम ने प्रधानमंत्री बनने के लिए बिहार की जनता को धोखा दिया है। नीतीश कुमार ने जिस लालू की खिलाफत कर राजनीतिक और जीत दर्ज की आज उसी के साथ गलबहियाँ कर रहे हैं। कौन नहीं जानता कि ये परिवार की दुकान चलाने वाले लोग हैं।

भखरवार में प्रधान व सचिव करा रहे अवैध कब्जे

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। मऊ तहसील के रामनगर ब्लाक के भखरवार गांव में प्रधान व लेखपाल की मनमानी के चलते सरकारी जमीनों पर अवैध ढंग से कब्जे कराये जा रहे हैं।

सोमवार को ग्रामीणों के अनुसार भखरवार में 2003/4 में चकबंदी हुई थी। चकबंदी अनुसार गाटा संख्या 1292 अनुसूचित जाति आबादी को सुरक्षित थी। प्रधान व लेखपाल ने अनुसूचित जाति आबादी की जमीन को नवीन परती भूमि दर्ज करा दी है। उसी जमीन पर अवैध कब्जा देकर मनमानी ढंग से वसूली कर रहे हैं। जिन लोगों से अवैध वसूली हुई है, वह सरकारी जमीनों पर अवैध ढंग से कब्जा कर रहे हैं। जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध दिख रही है।

भखरवार में अनुसूचित जाति आबादी अब नवीन परती भूमि पर गांव के इमाम बक्स उर्फ दादू पुत्र जामिन, रमजान पुत्र इमाम बक्स, सूबेदार पुत्र इमाम बक्स, सद्दाम पुत्र इमाम बक्स, अजीज पुत्र इमाम बक्स, इमाम हसन पुत्र जामिन, वसीर पुत्र इमाम हसन, नसीर पुत्र इमाम हसन, शरीफ पुत्र इमाम हसन ने अवैध ढंग से कब्जा कर झुग्गी-झोपड़ी बना ली है। गौशाला के बगल में चारागाह को पड़ी जमीन पर प्रधान व लेखपाल ने अवैध वसूली कर एक बीघा जमीन सदाकत पुत्र लल्लू को दी है, सदाकत पुत्र लल्लू ने अवैध ढंग से मकान बनवा रहा है।

दस लीटर महुआ शराब समेत एक दबोचा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृंदा शुक्ला के निर्देश पर अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री की रोकथाम को जारी अभियान में थानाध्यक्ष रैपुरा शैलेन्द्रचन्द्र पाण्डेय की अगुवाई में दरोगा प्रदीप पाल की टीम ने प्यारेलाल पुत्र सीता निवासी अगरहुंडा के कब्जे से दस लीटर महुआ शराब समेत गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ थाने में आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। टीम में दरोगा प्रदीप पाल, सिपाही तिलक राज, नन्हे यादव व महिला सिपाही अनामिका शामिल रही।

धान बेंचने आये किसान का डीएम ने किया स्वागत

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। खाद्य विभाग के धान क्रय केंद्र मंडी समिति में जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने धान खरीद का शुभारंभ किया। धान बेंचने आये किसान अशोक कुमार पुत्र बल्देव को जिलाधिकारी ने माला पहनाकर स्वागत किया। किसान 35 कुंतल धान लेकर आये थे। केंद्र प्रभारी ने 15 फीसदी नमी बतायी। इस वर्ष धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2183 रुपये प्रति कुंतल है।

सोमवार को जिलाधिकारी ने केंद्र प्रभारी को किसान को 48 घंटे के अंदर भुगतान कराने के निर्देश दिए। केंद्र प्रभारी विनय मिश्रा ने बताया कि अब तक धान बेंचने को सौ किसानों ने संपर्क किया है। जैसे-जैसे धान की कटाई खेतों से होगी, केंद्र पर बेंचने आयेंगे। मंडी स्थित बाजरा-ज्वार केंद्र में अभी खरीद शुरू नहीं हुई। मंडी सचिव ने बताया कि मंडी में ग्रेड ए धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2203 रुपए प्रति कुंतल से अधिक बिक रहा है।

निरीक्षण में जिला खरीद अधिकारी/अपर जिलाधिकारी वंदिता श्रीवास्तव, जिला खाद्य विपणन अधिकारी अविनाश कुमार झा, सचिव मंडी विपुल कुमार व क्षेत्रीय विपणन अधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस ने सी-प्लान से लापता महिला को परिजनों से मिलाया

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृंदा शुक्ला के निर्देश पर अपहृतों/गुमशुदाओं की बरामदगी को जारी ऑपरेशन मुस्कान में प्रभारी निरीक्षक बरगढ़ नागेन्द्र कुमार नागर की अगुवाई में दरोगा अनिल कुमार मिश्रा की टीम ने घर से लापता महिला को बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया।

सोमवार को ज्ञात है कि प्रधान खोहर ने थाने में सूचना दी कि दीमागी रुप से कमजोर अज्ञात महिला गांव में दोपहर से टहल रही है। डायल 112 व बरगढ़ पुलिस ने मौके पर जाकर महिला से नाम-पता पूंछा। उसने सुनीता देवी पत्नी राजेंद्र प्रसाद निवासी बड़ा चाका थाना नैनी जिला प्रयागराज बताया। कोई भी मोबाइल नंबर नहीं बता सकी। महिला को थाने लाकर महिला हेल्पडेक्स में दरोगा अनिल कुमार मिश्रा ने सी-प्लान से जानकारी कर पति राजेंद्र प्रसाद व बेटे विजेंद्र कुमार से वार्ता कर थाने बुलाया। महिला के परिजन थाने आये। बताया कि चार दिन पहले वह घर से निकली थी। वे लगातार खोज रहे थे, पता नहीं चल रहा था। महिला को पति राजेन्द्र प्रसाद व बेटे के सुपुर्द किया। महिला को पाकर परिजनों के चेहरे खिल उठे। महिला के परिजनों ने पुलिस की सराहना करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। टीम में दरोगा अनिल कुमार मिश्रा व महिला सिपाही अनीता शामिल रही।

मनचलों को काबू में करने को सादे वस्त्रों में तैनात रहती पुलिस

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वालंबन, महिला सशक्तिकरण, महिला कल्याण एवं बाल विकास की जारी मिशन शक्ति-4 के तहत जिले के सभी थानों की एंटी रोमियों टीमों/शक्ति दीदी ने विभिन्न सार्वजनिक स्थल व गांवों में भ्रमण कर महिला सुरक्षा बाबत उपायों के प्रति जागरुक किया।

सोमवार को मिशन शक्ति-4 व शक्ति दीदी अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृंदा शुक्ला के निर्देश पर नोडल अधिकारी मिशन शक्ति क्षेत्राधिकारी राजापुर/लाइन्स श्रीमती निष्ठा उपाध्याय की देखरेख में थाना क्षेत्रों में एंटी रोमियों टीमों ने विभिन्न सार्वजनिक स्थलों एवं गांवों का भ्रमण किया। महिलाओं/बालिकाओं को सार्वजनिक स्थलो चैराहे, बाजारों से असामाजिक तत्वों से मुक्त कराने, महिलाओ-बालिकाओं के साथ राह चलते छेडखानी, अभद्रता, अश्लील प्रदर्शन, अभद्र टिप्पणी की घटनाओं को रोकने को जागरुक किया। सुरक्षा बाबत हेल्पलाइन नम्बरों की जानकारी दी। बताया कि सभी थानों में सुरक्षा/सहायता को महिला हेल्पडेस्क है। मौजूद महिलाओं-बालिकाओं को सुरक्षा बाबत पंपलेट बांटे। आत्मनिर्भर व निर्भीक होकर कार्य क्षेत्र में जाने को प्रेरित किया। सोशल मीडिया पर प्राइवेसी रखते हुये प्रयोग करने की सलाह दी। एंटी रोमियों स्क्वायड टीम ने बताया कि सादे वस्त्रों, प्राइवेट वाहनों से सार्वजनिक स्थलों पर शोहदों/मनचलो को काबू में करने को पुलिस बल तैनात रहता है।

फिलीपींस में रेडियो एंकर की लाइवस्ट्रीम के दौरान हत्या

मनीला

फिलीपींस में फेसबुक लाइव कार्यक्रम के दौरान एक रेडियो एंकर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। आरोपी ने खुद को श्रोता बताकर प्रांतीय समाचार प्रसारक जुआन जुमालोन के घरेलू रेडियो स्टेशन में प्रवेश किया था।

हालांकि, आरोपी को फेसबुक लाइवस्ट्रीम पर नहीं देखा गया था, लेकिन पुलिस जांच कर रही है कि घर व पड़ोसियों के यहां लगे कैमरों में कुछ रिकॉर्ड हुआ है या नहीं।

लाइव प्रसारण के दौरान एंकर को मारी गोली

पुलिस ने बताया कि मिसामिस ऑक्सिडेंटल प्रांत के कालाम्बा शहर में सुबह के लाइव प्रसारण के दौरान एंकर को दो गोली मारी गई। हमलावर सोने की चेन छीनकर बाहर मोटरसाइकिल पर इंतजार कर रहे साथी के साथ फरार हो गया। आरोपित की पहचान नहीं हो पाई है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि हमला उसके किसी कार्य से जुड़ा तो नहीं था।

राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने की निंदा

फिलीपींस को लंबे समय से दुनिया में पत्रकारों के लिए सबसे खतरनाक जगहों में से एक माना जाता है। राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने गोलीबारी की निंदा की। उन्होंने सख्त कदम उठाने का आदेश दिया है। लोकतंत्र में पत्रकारों पर हमले बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। प्रेस की स्वतंत्रता खतरे में डालने वालों को परिणाम भुगतना होगा।

देश में मारे जाने वाला 199वां पत्रकार

नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स आफ फिलीपींस ने कहा कि 1986 के बाद से जुमालोन देश में मारे जाने वाला 199वां पत्रकार है।

फिलीपींस को दुनिया में पत्रकारों के लिए सबसे खतरनाक जगहों में से एक माना जाता है।

पब के भीड़ भाड़ वाले इलाके में मौजूद लोगों से टकराई अनियंत्रित कार, दो बच्चों सहित पांच लोगों की मौत

सिडनी

ऑस्ट्रेलिया के एक लोकप्रिय पर्यटक शहर डेल्सफोर्ड में भीड़ भाड़ इलाके में एक कार के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से दो बच्चों सहित पांच लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि यह हादसा उस समय हुआ जब डेल्सफोर्ड में एक पब के सामने लोगों की भारी संख्या में भीड़ इकट्ठा हुई थी। इस दौरान अनियंत्रित कार ने वहां मौजूद लोगों को अपनी चपेट में ले लिया।

दुर्घटना में पांच लोगों की मौत

विक्टोरिया राज्य पुलिस ने कहा कि मेलबर्न से लगभग 110 किमी उत्तर-पश्चिम में डेल्सफोर्ड में रविवार शाम को दुर्घटना स्थल पर चार लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में घायल एक लड़की को हवाई मार्ग से अस्पताल ले जाया गया, जहां बाद में उसकी मौत हो गई। पुलिस मुख्य आयुक्त शेन पैटन ने मीडिया को इसकी जानकारी देते हुए कहा कि एक एसयूवी पब के सामने के लॉन में आ गई और वहां मौजूद लोगों को टक्कर मार दी।

कार चालक के शरीर में नहीं मिला अल्कोहल

पुलिस ने बताया कि इस घटना में मारे गए सभी लोग स्थानीय निवासी नहीं थे। उन्होंने बताया कि इस हादसे में जान गंवाने वालों की अभी पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने आगे कहा कि यह दुर्घटना किस कारण से हुआ अभी इस बारे में अधिक जानकारी नहीं मिल पाई है। हालांकि, पुलिस ने कार चालक के सांस की जांच की है, लेकिन कार चालक के शरीर में अल्कोहल नहीं पाया गया है। उन्होंने कहा कि इस हादसे के बाद 66 साल के ड्राइवर को अस्पताल ले जाया गया है।

हैम्बर्ग हवाईअड्डे पर परिचालन बहाल, कार से गेट तोड़ने वाले ने किया समर्पण, बच्ची सुरक्षित

फ्रैंकफर्ट

जर्मनी के हैम्बर्ग हवाई अड्डे पर रविवार को गतिरोध समाप्त होने के साथ परिचालन को बहाल कर दिया गया है। इसके साथ कार से गेट तोड़कर बच्ची के साथ घुसे व्यक्ति ने समर्पण कर दिया है। बच्ची को पिता के कब्जे से सुरक्षित छुड़ा लिया गया है। पुलिस ने बताया कि शख्स की ओर से किसी भी तरह का प्रतिरोध नहीं किया। उसके कार से बाहर आने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। बच्ची को किसी भी तरह का नुकसान नहीं पहुंचा है। पुलिस को शक है कि बच्ची के अधिकार को लेकर कोई विवाद है। घटना के बाद अधिकारियों को एयरपोर्ट पर सेवाएं बंद करने को मजबूर होना पड़ा था।दरअसल, शनिवार की रात एक 35 वर्षीय व्यक्ति कार लेकर हवाई अड्डे का गेट तोड़ते हुए अंदर प्रवेश कर गया था। उसमें उसकी चार वर्षीय बच्ची भी मौजूद थी। अधिकारियों को शुरूआत में शक था कि उसके पास हथियार और विस्फोटक मौजूद हैं। हवाईअड्डा प्रशासन ने कहा कि यथाशीघ्र परिचालन फिर से शुरू करने के लिए काम किया जा रहा है। पहले रविवार को लगभग 34,500 यात्रियों के साथ कुल 286 उड़ानें निर्धारित की गई थीं। हैम्बर्ग के मेयर पीटरशेंचर ने एक्स पोस्ट में कहा है कि मैं कामना करता हूं कि मां, बच्ची और उसके परिवार को इस भयानक अनुभव से निपटने की शक्ति मिले। जलवायु कार्यकर्ताओं के रनवे पर आने और विमानों को रोकने के चार महीने से भी कम समय में इस प्रकरण ने हवाई अड्डे पर सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं।

'फिलिस्तीनी भाइयों के साथ कंधे से कंधा मिलाने का समय', हमास के समर्थन में आए पाक नेता; चीफ इस्माइल हनियेह से की मुलाकात

रावलपिंडी

हमास के खात्मे के लिए इजरायल लगातार अपने हमले तेज कर रहा है। गाजा पर हो रहे हमले को देखते हुए कई मुस्लिम देश आतंकवादी समूह हमास के समर्थन में आए हैं। इस बीच पाकिस्तान भी हमास के साथ खड़ा दिख रहा है। पाकिस्तान की जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल (जेयूआई-एफ) पार्टी के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने बीते दिन कतर में हमास के मुखिया से मुलाकात कर, साथ देने की बात कही है।

हमास चीफ से मिले पाक नेता

जेयूआई-एफ पार्टी के नेताओं ने हमास नेताओं से मुलाकात के बाद अपने समर्थन की पुष्टि की और कहा कि यह मुस्लिम दुनिया का कर्तव्य है कि वह इजरायल के अन्याय के खिलाफ एकजुट हों।

एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर जेयूआई-एफ ने कहा कि मौलाना ने कतर में हमास नेताओं, समूह के पूर्व प्रमुख खालिद मेशाल और इसके चीफ इस्माइल हनियेह से मुलाकात की। इसमें कहा गया कि पार्टी नेताओं ने फलस्तीन पर हो रहे हमलों का विरोध करते हुए इजरायल के खिलाफ एकजुट होने की बात कही है।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

गाजा पट्टी के दो हिस्सों में बंटने पर एक्शन में अमेरिका, अचानक इराक पहुंचे एंटनी ब्लिंकन

तेल अवीव

इजरायल-हमास युद्ध को एक महीना पूरा हो गया है और इसके थमने के आसार अभी तक नहीं लग रहे हैं। इजरायली सेना ने हमास के खात्मे के लिए गाजा पट्टी पर अपनी बमबारी तेज कर दी है। इस बीच बीती रात इजरायली सेना ने एक बड़ा दावा करते हुए कहा कि उसने गाजा पट्टी को 'दो हिस्सों' में काट दिया है। इस खबर के बाद अमेरिका ने युद्ध रुकवाने की कोशिशें तेज कर दी है।

दो हिस्सों में बंटा गाजा

अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, इजरायली सेना के प्रवक्ता डैनियल हगारी ने कहा कि हमने गाजा शहर को घेर लिया है और गाजा को दो हिस्सों में बांट दिया है। अब वहां एक दक्षिणी गाजा और एक उत्तरी गाजा हो गए हैं। उन्होंने कहा कि सैनिक समुद्र तट पर पहुंच गए हैं और इलाके को घेर रखा है। वहीं, जनरल स्टाफ के प्रमुख एलटीजी हर्जी हलेवी ने उत्तरी कमान में एक बैठक के दौरान कहा कि आईडीएफ "किसी भी क्षण" उत्तरी गाजा में हमला करने के लिए तैयार है।

अमेरिका ने युद्ध रुकवाने की कोशिशें तेज की

गाजा के दो हिस्सों में बटने की खबर के बाद अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने रविवार को इजरायल-हमास युद्ध को रुकवाने के लिए अपना कूटनीतिक प्रयास किया। ब्लिंकन ने फलस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास को आश्वस्त करने की कोशिश की कि बाइडन प्रशासन अपने प्रयासों को तेज कर रहा है।

गाजा के नागरिकों को नुकसान न पहुंचे इसके लिए कदम उठाने की भी बात कही। ब्लिंकन इसके बाद इराकी प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी से मिलने बगदाद

जीत तक जारी रहेगी जंग

गाजा पट्टी

इजरायल हमास युद्ध में अब तक 9,770 फलस्तीनी मारे जा चुके हैं। वहीं, 1400 से ज्यादा इजरायली नागरिकों की मौत हो चुकी है। इजरायल हमास के युद्ध में गाजा पट्टी जंग का केंद्र बना हुआ है। हमास आतंकियों के खिलाफ इजरायली सेना जल, थल और आसमान के जरिए हमास को निशाना बना रही है।

दो हिस्सों में बंटा गाजा: इजरायल

इजरायल ने जानकारी दी कि गाजा को दो हिस्सों में बांट दिया गया है। इजरायल ने एक हिस्से को उत्तरी गाजा और दूसरे हिस्से को दक्षिणी गाजा बताया है। वहीं, इजरायल ने अपील की है कि जो भी फलस्तीनी नागरिक हैं वो दक्षिणी गाजा में जा सकते हैं। "अपनी सुरक्षा और बचाव के लिए गाजा शहर के लोग इलाका खाली कर दें।

नेपाल: भूकंप में अब तक 157 लोगों की मौत, कड़ाके की ठंड में अपने प्रियजनों का कर रहे अंतिम संस्कार

नेपाल

नेपाल में शुक्रवार रात यानी चार नवंबर को आए भूकंप ने भारी तबाही मचाई। इस शक्तिशाली भूकंप में अब तक 157 लोगों की जान जा चुकी है और दर्जनों लोग घायल बताए जा रहे हैं। उत्तर पश्चिमी नेपाल के पहाड़ों में ग्रामीणों ने भूकंप में जान गंवाने वाले कुछ लोगों के शवों का अंतिम संस्कार किया। जजरकोट जिले के चिउरी गांव में 13 शवों को भेरी नदी के तट पर ले जाया गया और लकड़ी से बनी चिताओं पर रखा गया।

पुजारियों ने हिंदू तरकी से उनका दाह संस्कार किया गया। अधिकारियों ने जजरकोट के बारे में कहा कि यह भूकंप का केंद्र था। जजरकोट में कम से कम 105 लोगों की मौत की पुष्टि हुई थी। अधिकारियों ने कहा कि अन्य 52 लोगों की मौत पड़ोसी रुकुम जिले में हुई। वहीं 184 लोग घायल हुए थे।

चीन में भारी बर्फबारी से लोग परेशान, सरकार ने स्कूल बंद करने का लिया फैसला; कई उड़ानें हुई रद्द

बीजिंग

चीन में इस बार ठंड ने अपने समय से पहले दस्तक दे दी है। चीन के पूर्वोत्तर क्षेत्र में सोमवार को बर्फीला तूफान आया, जिससे देश के सबसे उत्तरी प्रांत हेइलोंगजियांग में कई उड़ानें रद्द कर दी गईं। सरकार ने एक बयान में कहा कि हेइलोंगजियांग में 49 उड़ानें रद्द कर दीं गईं हैं। वहीं, हेइलोंगजियांग की राजधानी हार्बिन में हवाई अड्डे पर परिचालन सामान्य था। सरकार के आधिकारिक वीचैट अकाउंट के अनुसार, हार्बिन के अधिकांश हिस्सों में प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों, किंडरगार्टन और ऑफ-कैंपस प्रशिक्षण संस्थानों को निलंबित कर दिया गया है। पूरे क्षेत्र में बर्फबारी और जमा देने वाला तापमान है। राज्य मीडिया और सरकारी नोटिस के अनुसार, जिन क्षेत्रों में बर्फबारी हो रही है वहां के स्कूल बंद कर दिए गए हैं।

हेइलोंगजियांग के शहरों के लिए किया गया रेड अलर्ट जारी

चीनी मौसम पूर्वानुमानकताओं ने भविष्यवाणी की है कि हेइलोंगजियांग के शहरों में रविवार शाम से सोमवार शाम तक 20 मिमी (0.787 इंच) से 40 मिमी (1.575 इंच) वर्षा हो सकती है जिसके कारण हेइलोंगजियांग में रविवार रात को रेड अलर्ट (जो देश में मौसम की उच्चतम सलाह देता है) जारी की।

इजरायली पीड़ित परिवारों ने कई देशों से की हमास पर दबाव डालने की अपील, बंधकों की रिहाई हो पहली प्राथमिकता

तेल अवीव

इजरायल और हमास के बीच जारी युद्ध लगातार भयावह होता जा रहा है। दोनों के बीच जारी संघर्ष में अब तक 10 हजार से अधिक लोगों की मौत हो गई है। वहीं, हमास ने इजरायल पर हमला कर 240 से अधिक लोगों को बंधक बना लिया है। इस बीच, बंधक बनाए गए लोगों के परिवारों ने दुनिया के कई देशों से उनकी रिहाई के लिए हमास पर दबाव डालने की अपील की है।

कई देशों की यात्रा पर निकला पीड़ित परिवार

वहीं, हमास द्वारा बंधक बनाए गए कई लोगों के परिवारों ने इजरायल को छोड़ दिया है और वे दुनिया के कई देशों में जाकर इस घटना के बारे में बता रहे हैं ताकि लोगों में हमास के इस बर्बरता की यादें ताजा बनी रहे। वे लोग पेरिस, अटलांटा, लंदन, शिकागो, वियना और साइप्रस द्वीप की यात्रा कर रहे हैं।

बंधकों की रिहाई के लिए हमास पर पूरी दुनिया डाले दबाव

वहीं, हमास ने कहा कि वह इजरायल को छोड़कर अन्य 28 देशों के बंधकों को रिहा कर देगा। हमास द्वारा बनाए गए बंधकों में याफा अदार की सबसे पहली तस्वीर सामने आई थी। हालांकि, उनकी रिहाई अभी तक नहीं हो पाई है। वहीं, उनकी पोती अदवा अदार ने कहा कि यह सुनकर बहुत डर लगता है कि उनकी दादी को हमास ने बंधक बनाया है यह एक पुरानी खबर है।

उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया को बंधकों की रिहाई के लिए हमास पर दबाव डालना चाहिए। उन्होंने कहा कि मेरी दादी और मेरे चचेरे भाई को हमास ने बंधक बना लिया है। हालांकि, उनके पास अन्य कोई राष्ट्रीयता नहीं है, जिसके कारण उन दोनों का घर वापस आना संभव नहीं हो पा रहा है।

हमास ने तीन साल की बच्ची को बनाया है बंधक

हमास ने इजरायल के रहने वाले एक तीन साल के बच्ची को भी बंधक बना लिया है। वहीं, बंधक बनाई गई तीन वर्षीय अबीगैल की चाची ताल एडन ने कहा कि मैं हमास के इस कृत्य से वास्तव में गुस्से में हूं। परिवार ने अबीगैल के माता-पिता को दफनाया और शोक मनाया, जो उस दिन मारे गए थे। उन्होंने इजरायली सरकार पर गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि उनके पास किसी भी चीज की जानकारी नहीं है और वे हमें कुछ नहीं बताते हैं।

कई देशों से मदद मांग रहे इजरायली नागरिक

मालूम हो कि इजरायली नागरिक अपने परिजनों की रिहाई के लिए जर्मनी, फ्रांस और अमेरिका सहित कई देशों से सहायता मांग रहे हैं। उनका कहना है कि इजरायल उनके परिवारजनों की रिहाई कराने में असमर्थ है।

बंधक को छुड़ाने की हो पहली प्राथमिकता

आयलेट सेला ने पेरिस में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि किसी भी चीज से पहले बंधकों को वापस लाने की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि वार्ता के मेज पर यह एकमात्र चीज होनी चाहिए।